RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 14 ■ अंक 284 ■ पुणे, सोमवार 1 सितंबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

टैरिफ नीति से नए 'ग्लोबल ट्रेड' का उदय?
पेज-4

'जीरो पावर्टी' का 3.72 हजार परिवारों को लाभ : सीएम
पेज-6

भारत का विजय अभियान जारी जापान को 3-2 से रौंदा
पेज-9

घर में पधारे गजानन जी...
पेज-10

Short News एक नजर

PM मोदी सितंबर में जा सकते हैं मणिपुर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। यह मई 2023 से जारी कुकी-मैतेई हिंसा के बाद उनका पहला दौरा होगा। सूत्रों के अनुसार, 13 सितंबर को मिजोरम दौरे के साथ वे मणिपुर भी जा सकते हैं। विपक्ष लंबे समय से हिंसा को नियंत्रित करने में नाकामी और दौरा न करने को लेकर सरकार की आलोचना करता रहा है।

प्रधानमंत्री 12 या 13 सितंबर को मणिपुर में लगभग चार घंटे बिता सकते हैं। इस दौरान वे मैतेई और कुकी बहुल इलाकों का दौरा करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मिजोरम यात्रा तय है, जबकि मणिपुर दौरे पर अभी चर्चा चल रही है। इस यात्रा से हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विश्वास बहाली की उम्मीद है।

फर्जी दलों पर सख्ती के लिए कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दायर की गई है, जिसमें चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए ठोस नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि देश में फर्जी और बेनामी राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये दल न सिर्फ अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को अपने पदाधिकारी बना रहे हैं, बल्कि भारी चंदा लेकर अपराधियों को संगठन में जगह दे रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता पर सीधा हमला हो रहा है।

भारत-चीन में दोस्ती की नई दास्तान

मोदी और जिनपिंग ने डोनाल्ड ट्रंप को खूब सुनाया, हमारे संबंधों को तीसरे देश के लेंस की जरूरत नहीं

महानगर नेटवर्क
तियानजिन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के राष्ट्राध्यक्षों की 25वीं बैठक से पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रविवार को भारत-चीन संबंधों के महत्व पर जोर दिया, जो हाल के वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तनाव के कारण बिगड़ गए थे। अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय सहयोग से करोड़ों लोगों का कल्याण जुड़ा है। वहीं, शी जिनपिंग ने भी समान भावनाएं व्यक्त कीं और कहा कि हाथी और ड्रैगन का साथ चलना आवश्यक है। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों नेताओं ने इस बात पर बल दिया कि भारत और चीन विकास साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं, और उनके मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए। बता दें कि चीन के तियानजिन शहर में दोनों नेताओं ने लगभग 55 मिनट तक बात की और दुनिया को साफ-साफ संदेश भी दे दिया।

मोदी ने जिनपिंग को भारत आने का न्योता दिया : आतंकवाद से लड़ने में चीन का साथ मांगा

पीएम मोदी की प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले साल सैन्य वापसी के बाद सीमा पर शांति और स्थिरता बनी हुई है।

सीधी उड़ानें और कैलाश मानसरोवर यात्रा

मोदी ने कहा कि 2.8 अरब लोगों का कल्याण दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू हो रही हैं। साथ ही, कोविड प्रतिबंधों के कारण पांच साल से रुकी कैलाश मानसरोवर यात्रा को भी फिर से शुरू करने का जिक्र किया।

अच्छे पड़ोसी बनने की अहमियत

शी जिनपिंग ने कहा कि बदलती दुनिया में भारत और चीन के लिए मित्र और अच्छे पड़ोसी बनना महत्वपूर्ण है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दोनों देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का सामना कर रहे हैं। शेष पेज 7 पर

आतंकवाद पर चीन का मिला सपोर्ट

पीएम मोदी ने सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाकर पाकिस्तान को करारा झटका दिया और बताया कि इससे न सिर्फ भारत, बल्कि चीन भी प्रभावित रहा है। जिनपिंग ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को अपना समर्थन भी दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से आतंकवाद झेलता रहा है। पड़ोसी पाकिस्तान भारत के खिलाफ कई दशकों से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। सीमा पार आतंकवाद पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने सीमा पार आतंकवाद को प्राथमिकता बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह भारत और चीन दोनों को प्रभावित करता है, और इसलिए यह जरूरी है कि हम सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए एक-दूसरे को समझ और समर्थन दें। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के मौजूदा दौर में सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे से निपटने में हमें चीन की समझ और सहयोग मिला है।"

अमेरिका के लिए इंडिया पोस्ट ने बंद की सभी डाक सेवाएं

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अमेरिका के नए कस्टम नियमों की अस्पष्टता के कारण इंडिया पोस्ट ने अमेरिका जाने वाली सभी डाक सेवाओं की बुकिंग अस्थायी रूप से बंद कर दी है। डाक विभाग ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि अब न तो पत्र, न दस्तावेज और न ही गिफ्ट आइटम अमेरिका भेजे जा सकेंगे।

इससे पहले, इंडिया पोस्ट ने केवल 100 अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के गिफ्ट आइटम की बुकिंग पर रोक लगाई थी। लेकिन अब स्थिति और गंभीर हो गई है क्योंकि अमेरिका के कस्टम विभाग की नई प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट नियम अभी तय नहीं हुए हैं। इसी कारण एयरलाइंस भी अमेरिका के लिए पार्सल ले जाने को तैयार नहीं हैं। इंडिया पोस्ट ने अपने बयान में कहा है कि 22 अगस्त को जारी नोटिस की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। चूंकि अमेरिका जाने वाली डाक के परिवहन में लगातार समस्या आ रही है और नियम स्पष्ट नहीं हैं, इसलिए फिलहाल सभी श्रेणियों की डाक सेवा पूरी तरह से रोक दी गई है।

बुक हो चुके सामान का क्या?

डाक विभाग ने ग्राहकों को आश्वस्त किया है कि जिनका सामान बुक हो चुका है लेकिन भेजा नहीं जा सका है, उन्हें पूरा पैसा वापस किया जाएगा।

जरांगे की 'जंग' जारी

'मैं आज से पानी पीना बंद कर दूंगा'

महानगर संवाददाता
मुंबई

मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने कहा कि कल यानी सोमवार से भूख हड़ताल और भी कड़ा कर दिया जाएगा। कल और आज मैंने पानी पिया, लेकिन सोमवार से मैं पानी नहीं लूंगा। मैं पानी पीना बंद कर दूंगा। सरकार सुन नहीं रही है। इसलिए मैं भूख हड़ताल और भी कड़ा करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने मराठों से अपील करते हुए कहा कि मराठा युवा ऐसा कदम न उठाएं जिससे उनका सिर झुक जाए। सभी को शांत रहना चाहिए। उन्हें कोई भी अन्याय या अत्याचार करने दें। जरांगे ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि वह बिना आरक्षण लिए मुंबई नहीं छोड़ेंगे।

मराठा समुदाय को EWS कोटे का लाभ लेना चाहिए- चंद्रकांत पाटिल

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल और नितेश राणे दोनों भाजपा से हैं। उन्होंने कहा है कि मराठा समुदाय को ओबीसी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बजाय मौजूदा ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ मिलना चाहिए। चंद्रकांत पाटिल और नितेश राणे दोनों ही मराठा समुदाय से हैं।

सकारात्मक विचार कर रही है सरकारः CM

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम मनोज जरांगे पाटिल की मांगों पर सकारात्मक विचार कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मराठा समाज को ओबीसी आरक्षण में शामिल किया जाए। लेकिन न्यायालय के फैसले के अनुसार यह संभव नहीं है। हम न्यायालय के फैसलों की अवहेलना नहीं कर सकते। अगर सरकार समाज को खुश करने के लिए कानून के बाहर जाकर कोई निर्णय लेती भी है तो एक दिन भी वह निर्णय नहीं टिक पाएगा। बिना सोचे समझे कोई निर्णय लेना मराठा समाज के हित में नहीं होगा।

रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर का निधन

मुंबई। रामानंद सागर की विरासत को आगे बढ़ाने वाले उनके बेटे प्रेम सागर का आज यानी 31 अगस्त को निधन हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रेम सागर का निधन आज सुबह 10 बजे के करीब हुआ है। प्रेम सागर ने 84 साल की उम्र में अपनी आखिरी सांस ली। वो पिछले काफी समय से उम्र संबंधित बीमारियों से जूझ रहे थे। प्रेम सागर के निधन से टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में गम का माहौल है। रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी ने प्रेम सागर के जाने पर दुख व्यक्त किया है।

इंदौर आ रही एअर-इंडिया फ्लाइट लौटी, दिल्ली में सेफ लैंडिंग

पायलट को इंजन में फायर इंडीकेशन मिला था, 90 यात्री सवार थे

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

दिल्ली से इंदौर पर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI2913 (ए-320 नियो विमान) को दिल्ली लौटा लिया गया। पायलट को दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिली थी।

एअर इंडिया ने कहा- रविवार सुबह 6.15 बजे 90 यात्रियों के साथ प्लेन ने उड़ान भरी थी। करीब आधे घंटे बाद इंजन में फायर इंडिकेशन मिला। स्टैंडर्ड प्रोसेस के तहत पायलट ने इंजन बंद किया। बाद में प्लेन की एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग हुई। एयरलाइन ने कहा कि प्लेन का ग्राउंड इंस्पेक्शन कराया जाएगा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को भी घटना की जानकारी दी गई है।

29 अगस्त को भी दिल्ली से श्रीनगर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। अधिकारियों ने बताया था कि फ्लाइट SG 385 में प्रेशराइजेशन की समस्या के कारण दोपहर 3.27 बजे श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया था।

राहुल गांधी हैं घुसपैठियों के सरगना, देश से मांगें माफी

वोटर अधिकार यात्रा को लेकर BJP का जोरदार हमला

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता तरुण चुघ ने रविवार को अमृतसर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को 'घुसपैठियों का सरगना' करार देते हुए उनकी वोटर अधिकार यात्रा को 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया और कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग की।

राहुल पर साजिश का आरोप

तरुण चुघ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस विदेशी ताकतों के इशारों पर देश का माहौल खराब करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस नेताओं की अभद्र टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि यह देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने की कोशिश है।

जम्मू-कश्मीर में दो आतंकी ढेर

गोला-बारूद समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान आजमाबाद निवासी तारिक शेख और चैंबर गांव निवासी रियाज अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान इनके पास से दो राइफल और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। पूछताछ के बाद पुलिस ने जलियां गांव में तारिक शेख के किराए के मकान पर छापा मारा, जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए।

राजस्थान में जबरन धर्मांतरण कराने पर उम्रकैद

जयपुर। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल कैबिनेट ने राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी है। बिल के नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन पर उम्रकैद तक की सजा सहित कड़े प्रावधान किए गए हैं। नए बिल में घर वापसी को धर्म परिवर्तन नहीं माना है। मूल पैतृक धर्म में वापसी को धर्म परिवर्तन की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। सरकार सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है।

पश्चिम बंगाल में 13 .69 प्रतिशत फर्जी मतदाता

SIR से पहले रिसर्च रिपोर्ट में बड़ा दावा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देशभर में मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक दलों के बीच चल रही बहस अब पश्चिम बंगाल तक पहुंच गई है। बिहार में चुनाव आयोग के विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान (SIR) के दौरान लाखों नाम काटे जाने के बाद अब पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य की मतदाता सूची में करीब 13.69 प्रतिशत नाम फर्जी या मृतकों के हैं।

बिहार में 65 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद अब चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर अभियान चलाया जाएगा। हालांकि आयोग ने इस प्रक्रिया की समय-सीमा स्पष्ट नहीं की है।

पश्चिम बंगाल में आखिरी बार मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण 2002 में हुआ था। बीते 22 वर्षों में इस सूची की ठीक से समीक्षा नहीं की गई, जिसके चलते मृतकों और डुप्लीकेट नामों को हटाया ही नहीं गया। अब चुनाव आयोग इस प्रदेश में SIR कराने पर विचार कर रहा है, तो सियासी हंगामा मचना तय है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

महागणेशोत्सव
महाराष्ट्राचा राज्य उत्सव

|| श्रीगणेशोत्सव : भक्तांसाठी सूचना ||

- श्रीगणेशोत्सव मंडपाचा परिसर सदैव स्वच्छ ठेवावा. परिसरात ध्वनिप्रदूषण टाळावे.
- मंडपाच्या जागेत ज्वलनशील वस्तूंचा साठा करु नये. तसेच आग प्रतिबंधक उपकरणे असावीत.
- निर्माल्य हे कचरा कुंडीत न टाकता निर्माल्य कलशातच टाकावे.
- प्रतिबंधित प्लास्टिक पिशव्यांचा वापर करु नये.
- देखावे पाहताना लहान मुलांची काळजी घ्यावी.
- श्रीगणेशोत्सव काळात पावित्र्य व मांगल्य जपावे.
- माव्याची मिठाई, खाद्यपदार्थ खरेदी करताना दक्षता घ्यावी.
- श्रीगणेशमूर्ती पर्यावरणपूरक असावी. ती कृत्रिम तलावात विसर्जित करण्यास प्राधान्य द्यावे.
- जलप्रदूषण करणाऱ्या रंगांऐवजी पर्यावरणपूरक रंग वापरावे.
- सजावटीत थर्माकोलचा वापर न करता कागदी मखरांचा व पर्यावरणपूरक बाबींचा वापर करावा.
- महानगरपालिका, मुंबई पोलीस यांच्याद्वारे दिल्या जाणाऱ्या सूचनांचे काटेकोरपणे पालन करावे.
- आपत्कालीन परिस्थितीत महानगरपालिकेच्या नियंत्रण कक्षाशी १९१६ या दूरध्वनी क्रमांकावर संपर्क साधावा.
- सार्वजनिक उत्सव मंडळे, त्यांचे पदाधिकारी, प्रसाद उत्पादन/ वितरण करणारे अन्न व्यावसायिक यांना सूचित करण्यात येते की, 'अन्न सुरक्षा व मानके अधिनियम २००६' व नियमन २०११ मधील तरतुदीचे पालन करणे बंधनकारक आहे.
- प्रसादासाठीचा कच्चा माल/ अन्न पदार्थ हे परवाना धारक अथवा नोंदणीकृत अन्न व्यावसायिकांकडून खरेदी करावे.
- प्रसाद म्हणून फळांचा वापर करताना फळांची खरेदी ही ओळखीच्या, परवाना / नोंदणी धारकाकडून करावी. कच्च्या, सडलेल्या किंवा खराब फळांचा वापर करु नये. प्रसाद करण्यासाठी लागणारे पाणी पिण्यास योग्य असावे.
- प्रसाद बनविणारा कॅटरर्स हा परवाना धारक असावा. प्रसाद तयार करण्याची जागा स्वच्छ व आरोग्यदायक असावी.
- अन्न सुरक्षा अधिकारी आल्यास त्यांना सहकार्य करावे व त्यांनी दिलेल्या सूचनांचे पालन करावे. अन्न/प्रसाद या बाबत काही संशय असल्यास आपल्या क्षेत्राच्या अन्न सुरक्षा अधिकारी अथवा सहाय्यक आयुक्त (अन्न) तथा पदनिर्देशित अधिकारी यांच्याशी किंवा संबंधित महानगरपालिका विभाग कार्यालयातील वैद्यकीय अधिकारी (आरोग्य) यांच्याशी संपर्क साधावा.

बृहन्मुंबई महानगरपालिकेकडून देण्यात येणाऱ्या विविध सेवा-सुविधांची माहिती असलेली पुस्तिका डाऊनलोड करण्यासाठी हा 'क्यूआर कोड' स्कॅन करा.

श्रीगणेशमूर्ती विसर्जनासाठी कृत्रिम तलावांच्या माहितीकरिता हा 'क्यूआर कोड' स्कॅन करा.

portal.mcgm.gov.in | mybmc | mybmc | my_bmc | my bmc my mumbai | 8999-22-8999

PRO/1425/ADV/2025-26

शाह के बाद भाजपा अध्यक्ष जे .पी नड्डा का मुंबई दौरा

नड्डा ने वर्षा बंगले, लालबाग के राजा सहित अन्य मंडलों में जाकर बप्पा का लिया आशीर्वाद

महानगर संवाददाता
मुंबई

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी.नड्डा ने महाराष्ट्र का दौरा किया अपने तीन दिवसीय महाराष्ट्र दौरे के दौरान नड्डा ने पुणे और मुंबई में विभिन्न मंडल और नेताओं के निवास स्थान जाकर गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा अपने परिवार के साथ शुक्रवार को पुणे में पहुंचे जहां पर उन्होंने कई मंडलों में जाकर गणपति बप्पा का दर्शन

किए उसके बाद शनिवार की रात भाजपा अध्यक्ष मुंबई पहुंचे। रात में ही पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम से मुलाकात के दौरान नड्डा ने दोनों नवनियुक्त अध्यक्ष के साथ पार्टी के संगठन विस्तार पर चर्चा की। उसके बाद रविवार को जे.पी.नड्डा ने मुख्यमंत्री के सरकारी निवास स्थान वर्षा पर विराजमान गणपति बप्पा की आरती की उसके बाद वे सीधे स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे इसके बाद नड्डा मंत्री आशीष शेलार के मंडल जाकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया इसके पहले वे लालबाग के राजा का दर्शन किया। फिर मलबार हिल में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वर्षा निवास स्थान पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के अध्यक्ष का गणेश मूर्ति और श्रीफल देकर स्वागत किया। इस दौरान नड्डा के साथ मुख्यमंत्री फडणवीस, प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, मंत्री आशीष शेलार, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

गैर कानूनी निमार्ण कार्य में बिल्डर गिरफ्तार

मीरारोड। फर्जी निर्माण अनुमति और नक्शों का इस्तेमाल करके गैर कानूनी निमार्ण कार्य करने वाले शहर के मशहूर बिल्डर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बिल्डर उमराव सिंह पृथ्वीराज ओस्तवाल जो ओस्तवाल बिल्डर्स प्रा. लि. के निदेशक हैं पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी निर्माण अनुमति और नक्शों का इस्तेमाल करके गैरकानूनी निर्माण किया और फिर उन फ्लैटों को बेच दिया। इस मामले में नयानगर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में आईपीसी की धारा 420, 406, 465, 466, 468, 471, 472, 474, और 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, पुलिस उप-आयुक्त अपराध संदीप डोइफोडे और सहायक पुलिस आयुक्त मिलिंद पाटील के मार्गदर्शन में की जा रही है।

मनपा ने आजाद मैदान परिसर में बढ़ाई सुविधा

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर मनपा ने शुरू में केवल 5,000 प्रदर्शनकारियों के आने का अनुमान लगाया था । मनपा ने उसी हिसाब से तैयारी की थी। लेकिन करीब 30,000 आंदोलनकारी आज़ाद मैदान और साउथ मुंबई के हिस्सों में जुट गए, जिससे मनपा को आपातकालीन स्तर पर सेवाएं बढ़ानी पड़ीं। पहले दिन पानी और शौचालयों की भारी कमी से प्रदर्शनकारियों को दिक्कत हुई। तीसरे दिन तक मनपा ने पानी के टैंकरों की संख्या 6 से बढ़ाकर 25 कर दी और सफाई कर्मचारियों की संख्या 100 से बढ़ाकर 800 कर दी। इसके लिए चार अतिरिक्त वार्डों से भी स्टाफ बुलाया गया। सड़कों पर बिखरे खाने के पैकेटों से कचरे की समस्या बढ़ी, जिसके समाधान के लिए 100 अतिरिक्त

कूड़ेदान लगाए गए और 800 सफाई कर्मचारी दो शिफ्टों में काम कर रहे हैं। शौचालयों की व्यवस्था भी बड़े पैमाने पर की गई है। आजाद मैदान में 236 पोर्टेबल यूनिट और 40 मोबाइल टॉयलेट लगाए गए, रविवार को 50 और जोड़े गए, वहीं पोर्ट ट्रस्ट क्षेत्र में अतिरिक्त 60 शौचालय लगाए गए। मेडिकल सुविधाओं को भी काफी बढ़ाया गया है। मैदान में 24x7 हेल्प डेस्क, 4 मेडिकल टीमें और 4 एम्बुलेंस तैनात हैं। नायर अस्पताल की टीम मौके पर मौजूद है और जीटी, नायर, केईएम, बॉम्बे, सेंट जॉर्ज व जे.जे. अस्पतालों में बेड आरक्षित किए गए हैं। बीएमसी के अनुसार अब तक 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने उपचार लिया है। बारिश से मैदान में बने कीचड़ को साफ किया गया और रास्ते समतल करने के लिए दो ट्रक भरकर पत्थर डाले गए। शाम और रात में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों पर तीन हाई-बीम फ्लडलाइट लगाई गई हैं।

टीएमटी को करोड़ों का नुकसान

ठाणे में इलेक्ट्रिक बस सेवा पर बिजली संकट का साया

ठाणे। ठाणे परिवहन सेवा (टीएमटी) को एक तरफ लगातार दी जा रही रियायतों और दूसरी ओर तकनीकी अड़चनों के कारण हर दिन लाखों का घाटा उठाना पड़ रहा है। महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत किराया छूट, वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त यात्रा और दिव्यांग स्कूली छात्रों को विशेष रियायत देने से परिवहन सेवा की आय में बड़ी गिरावट आई है। इन सुविधाओं के चलते प्रतिदिन चार से पांच लाख और हर महीने लगभग एक से डेढ़ करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

बता दें कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में करीब साढ़े तीन लाख यात्री रोजाना 380 बसों से सफर करते हैं। बावजूद इसके 2017 से अब तक टिकट दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इस बीच डीज़ल और सीएनजी के दाम लगातार बढ़ते गए हैं। टीएमटी को मौजूदा स्थिति में प्रतिदिन लगभग 28 लाख और मासिक सात से आठ करोड़ रुपये की आय हो रही है, जबकि केवल कर्मचारियों के वेतन

पर ही 18 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा ईंधन और रखरखाव का खर्च अलग है, जिससे निगम की आर्थिक स्थिति और प्रभावित हो रही है।

इसी बीच, हाल की बारिश ने इलेक्ट्रिक बस सेवा की रफ्तार को भी थाम दिया है। कोपरी स्थित चार्जिंग स्टेशन पर स्टेबलाइज़र और महावितरण के केबल में खराबी आने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। नतीजतन शुक्रवार को 123 इलेक्ट्रिक बसों में से केवल 54 ही सड़कों पर उतरीं, जबकि शनिवार को हालात और बिगड़े और मात्र 17 बसें ही यात्रियों की सेवा में लग पाईं। बाकी बसें डिपो में खड़ी रह गईं, जिससे सुबह चार्जिंग के लिए पहुंचे ड्राइवर और कंडक्टरों को खाली बैठना पड़ा। वर्तमान में टीएमटी के बेड़े में लगभग 350 बसें हैं, जिनमें 210 डीज़ल और सीएनजी पर चलती हैं, जबकि 123 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल की गई हैं। पर्यावरण संरक्षण और बेहतर सार्वजनिक परिवहन के लिए शुरू की गई इलेक्ट्रिक बस सेवा फिलहाल बिजली संकट की मार झेल रही है। परिवहन प्रबंधक मालचंद्र बेहरे ने माना कि तकनीकी खामियों और बिजली आपूर्ति में रुकावट के चलते बसों की चार्जिंग प्रभावित हुई। रियायतों के बोझ और तकनीकी चुनौतियों के चलते टीएमटी को लगातार करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसका सीधा असर यात्रियों की सुविधा पर पड़ रहा है और शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर भी संकट मंडरा रहा है।

स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय: राजहंस सिंह

- मुंबई मनपा पर इस बार महायुति का महापौर बैठेगा
- उद्धव सेना ने मनपा और बेस्ट को किया खोखला किया
- फडणवीस के विकास गाडी से महायुति की जीत तय

● दिनेश सिंह

भाजपा विधायक राजहंस सिंह का मानना है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय है। जहां महायुति के रूप में चुनाव लड़ा जाएगा, वहां महायुति की जीत होगी और जिन स्थानों पर भाजपा अकेले लड़ेगी, वहां भाजपा का झंडा फहरना तय है। राज्य में जिस तेजी से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (देवा भाऊ) की विकास की गाड़ी दौड़ रही है, उससे आम नागरिकों से लेकर किसान तक खुश नजर आ रहे हैं। इसका फायदा राज्य में होने वाले मिनी चुनाव में महायुति को मिलेगा। "हमारा महानगर" की 20वीं वर्षगांठ पर अखबार के कार्यालय में सदिच्छा भेंट देने आए राजहंस सिंह ने सभी सवालों के जवाब दिए। वे आरोप लगाते हैं कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने मुंबई मनपा को खोखला बना दिया। उनका दावा है कि इस बार मुंबई मनपा पर भाजपा का महापौर बैठेगा और मुंबई के विकास को और गति मिलेगी।

राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने जा रहे हैं, इसके लिए भाजपा की क्या तैयारियां चल रही हैं?

भाजपा साल के 12 महीने, 365 दिन, 24 घंटे चुनाव मोड में रहती है। भाजपा एक अनुशासित और कैडर बेस पार्टी है। भाजपा पूरे राज्य में जिला परिषद, ग्राम पंचायत और नगरपालिका सहित महानगर पालिका का चुनाव पूरे जोर-शोर से लड़ेगी और सभी स्थानों पर भाजपा का झंडा फहरेगा। जब से देवेंद्र फडणवीस राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं, उनका फोकस राज्य के सभी जिलों से लेकर मुंबई महानगरपालिका पर है। भाजपा इस बार सभी चुनावों में भारी जीत हासिल करेगी और राज्य में हो रहे इस मिनी विधानसभा के चुनाव में अपना झंडा गाड़ेगी।

मुंबई मनपा चुनाव पर सभी की नजर है। मनपा चुनाव को लेकर भाजपा की क्या योजना है?

मुंबई मनपा में इस बार महायुति का महापौर बनना तय है। मनपा चुनाव को लेकर पूरी महायुति चुनावी मोड में है। मुंबई में जिस तरह भाजपा के नेतृत्व में विकास कार्य किए जा रहे हैं, प्रोजेक्ट्स सिर्फ शुरू ही नहीं किए गए, बल्कि समय पर पूरे किए जा रहे हैं, जिससे अधिक खर्च न पड़े। कोस्टल रोड हो, मेट्रो हो, या दूषित पानी, जिसे समुद्र में फेंक दिया जाता था और जिसका प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता रहा, उसे दूर करने के लिए 28 हजार करोड़ का सीवरेज प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिससे समुद्र का पानी खराब नहीं होगा और मुंबई की आबोहवा सुधरेगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के रहते मुंबई की सड़कों को गड्ढा-मुक्त करने के लिए सड़कों को सीमेंट-कंक्रीट से बनाना शुरू किया गया। इसका फायदा आम नागरिकों को मिल रहा है और दो साल में मुंबई की सड़कें गड्ढा-मुक्त हो जाएंगी।

आप मुंबई मनपा में काफ़ी समय तक विरोधी पक्ष नेता रहे। आपके कार्यकाल के दौरान मनपा में शिवसेना और भाजपा की सरकार रही। अब आप भाजपा के सिपाही हैं, शिवसेना के कार्यकाल को कैसे देखते हैं?

देखिए, मनपा में शिवसेना और भाजपा की सरकार जरूर रही, लेकिन महापौर से लेकर स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना का ही कब्जा रहा, जिससे उस समय भाजपा उद्धव ठाकरे पर ज़्यादा दबाव नहीं बना पाई, क्योंकि हमारे पास संख्या बल कम था। इस दौरान मैं लगातार 9 साल मनपा में विरोधी पक्ष नेता रहा और शिवसेना के भ्रष्टाचार को उजागर करता रहा, लेकिन हम आदेश नहीं दे सकते थे, क्योंकि मनपा आयुक्त भी शिवसेना के इशारे पर काम करता था। मैंने जनता के बीच शिवसेना के भ्रष्टाचार को उजागर किया। इसी को ध्यान में रखकर भाजपा ने मुझे अपनी पार्टी में शामिल किया। इस चुनाव में उद्धव सेना के कई भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ करूंगा और चुनाव के बाद मनपा में भाजपा व महायुति का महापौर बनने के बाद उद्धव और आदित्य के एक-एक कारनामों को जनता के बीच ले जाकर उनकी पूरी पोल खोलने का काम करूंगा।

बेस्ट की हालत खस्ता है। बसों की संख्या कम होने से मुंबई की जनता को घंटों बस स्टॉप पर खड़ा होना पड़ रहा है?

बेस्ट और मुंबई मनपा को उद्धव सेना ने खोखला बना दिया। 2022 तक उनकी ही सत्ता रही। पिछले तीन साल से चुनाव नहीं हुए। अब मनपा चुनाव होने के बाद भाजपा और महायुति का महापौर बनने के बाद मुंबई की स्थिति सुधरेगी। बेस्ट को भी उद्धव सेना ने जिस तरह खोखला बना दिया, उसके डिपो बेच दिए और बसों को किराए पर लेकर चलाने का काम किया। उसी समय बेस्ट की हालत खराब हो गई थी। इसमें सबसे बड़ा हाथ उद्धव के बेटे आदित्य का है। उन्होंने जिस कंपनी को ठेका दिया, वह उनके ही करीबी लोगों की थी। बेस्ट बसों को किराए पर लेकर किलोमीटर के हिसाब से चलाया गया, कमाई 100 रुपए की और ठेकेदार को दिए गए 200 रुपए। यह सीधे मुंबईकरों को लूटने का काम था। इसी तरह मनपा के कई प्रोजेक्ट्स में भी घपलेबाजी की गई, जिसका आने वाले दिनों में भंडाफोड़ किया जाएगा। उद्धव सेना ने 25 साल से गड्ढा खोदा है, उसे भरने में थोड़ा समय लगेगा। मनपा चुनाव के एक साल बाद मुंबई में होते बदलाव को जनता देखेगी।

मुंबई में हर साल मानसून के दौरान बाढ़ आ जाती है। इसे कैसे दूर किया जाएगा?

मुंबई में 2005 की प्रलयंकारी बाढ़ के बाद ब्रिमस्टोवॅड परियोजना शुरू की गई। उद्धव सेना ने उसका पूरा लाभ खाने का काम किया। इसी दौरान आदित्य ठाकरे राजनीति में आए, जिससे और भ्रष्टाचार बढ़ गया। मुंबई में ब्रिमस्टोवॅड का जितना फायदा जनता को मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिला। मैं खुद मीठी नदी की सफाई की आड़ में हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा विधान परिषद में उठा चुका हूं। मनपा में महायुति का महापौर बनने के बाद ब्रिमस्टोवॅड के सभी कामों की जांच कराई जाएगी। आने वाले दिनों में बाढ़ से निपटने के लिए और ठोस काम किए जाएंगे। मुंबई की जनता की तकलीफों को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भली-भांति जानते हैं। जिस तरह बीडीडी चालवासियों को 500 वर्ग फुट का घर देकर उन्हें मुंबई में ही रहने दिया, उसी तरह मुंबई वासियों की परेशानियों को दूर किया जाएगा।

भिवंडी में अवैध पिस्तौल और कारतूस सहित

नफीस उर्फ 'तोतला' गिरफ्तार

ठाणे। अपराध शाखा यूनिट-2, भिवंडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शांतिनगर क्षेत्र में अवैध पिस्तौल के साथ घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजीकृत कैदी नफीस उर्फ 'तोतला' शांतिनगर पाइपलाइन रोड पर हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एसएसपी भैर और उनकी टीम ने 30 अगस्त को भड़वडनाका से बिलालनगर की ओर जाने वाली पाइपलाइन रोड पर ट्रांसफार्मर के पास जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नफीस उर्फ तोतला दिलावर खान (23), निवासी शांतिनगर, भिवंडी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक माउजर पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सनसनी फैल गई हैं। आरोपी के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट 1979 की धारा 3, 27 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1), 137 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई अपराध शाखा यूनिट-2 भिवंडी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावणे के नेतृत्व में सपोनि मिथुन भोईर, सपोनि रविंद्र पाटिल, सपोनि सुधाकर चौधरी समेत पुलिस टीम ने की।

रो-रो बोट से उतरते समय चालक ने नियंत्रण खोया कार सीधे समुद्र में गिरी

वसई। विरार के मरम्बलपाड़ा जेट्टी पर एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। रो-रो बोट से उतरते समय चालक का नियंत्रण खो जाने से

एक कार सीधे समुद्र में गिर गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस और अन्य यात्रियों की मदद से दोनों कार सवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। नागरिकों की सुविधा के लिए, महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड विरार और जलसार के बीच रो-रो सेवा संचालित करता है। इन नावों पर प्रतिदिन कई नागरिक दोपहिया और चार पहिया वाहनों से यात्रा करते हैं। जलसार से लौट रही नाव जब विरार के मरम्बलपाड़ा जेट्टी पर पहुंची, तो एक चार पहिया वाहन के चालक ने वाहन से उतरते समय नियंत्रण खो दिया। जिससे वाहन किनारे पर पहुंचने के बजाय सीधे समुद्र में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जेटी कर्मचारियों और मौजूद यात्रियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। सावधानी बरतते हुए उन्होंने कार में सवार दोनों यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। कुछ देर बाद ड्राइवर की कार को भी पानी से बाहर निकाल लिया गया। इस घटना से इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

'दो सागर' होने के बावजूद सूखे रहे पालिका के कृत्रिम 'सागर'

डेढ़ दिनी गणपति विसर्जन पर ठेकेदार की लापरवाही, प्रशासन मौन

भिवंडी। जहां दो सागर हों, वहां महासागर की उम्मीद की जाती है, लेकिन भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में ठीक उलटा नजारा देखने को मिला। गणेश विसर्जन के लिए बनाए गए पालिका के कृत्रिम सागर-तालाब) विसर्जन के दिन सूखे पड़े रहे। इस लापरवाही को लेकर अब सवाल सीधे दो "सागर" अधिकारियों पर खड़े हो रहे हैं। दरअसल, वर्तमान में पालिका की बागडोर आयुक्त एवं प्रशासक अनमोल सागर (भा.प्र.से) के पास है, जबकि कृत्रिम सागर (तालाब) की जिम्मेदारी उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर को सौंपी गई थी। ऐसे में गणेश भक्तों के मन में सवाल उठ रहा है कि दो-दो सागर होते हुए भी सागर क्यों सूख गए? गौरतलब है कि डेढ़ दिनी गणपति विसर्जन के लिए पालिका ने लगभग 18 लाख रुपये का ठेका निकालकर 10 कृत्रिम सागर (तालाब) तैयार करवाए थे। इनमें कुछ पक्के और कुछ बड़े-बड़े टबों के माध्यम से तालाब बनाए गए। सुशोभीकरण से लेकर सारी व्यवस्था का जिम्मा मिलिंद मुड़े नामक ठेकेदार को सौंपा गया था। लेकिन विसर्जन के दिन केवल सात तालाबों में ही विसर्जन संभव हो सका, जबकि तीन तालाब पूरी तरह फेल साबित हुए। ठेकेदार इन तालाबों में पानी की ही व्यवस्था नहीं कर पाया। सूत्रों की मानें तो यही ठेकेदार पिछले कई वर्षों से लगातार इस काम का ठेका लेता आ रहा है।

कृत्रिम तालाबों में गणेश प्रतिमा के विसर्जन का विरोध

भायंदर। मा. न्यायालय के आदेश के बाद मनपा द्वारा 6 फिट से छोटी गणेश प्रतिमा का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में कर रहीं हैं। इस निर्णय का कांग्रेस, भाजपा, मनसे एवं अन्य लोग विरोध कर रहें हैं। इन लोगों का कहना है की मनपा आयुक्त मां न्यायालय के आदेश की आड़ में लोगों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ कर रहें हैं। कांग्रेस के प्रवक्ता प्रकाश नागणे, भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता एवं मनसे जिल्हा प्रमुख संदीप राणे ने कहां की मनपा आयुक्त न्यायालय के फैसले का हवाला देकर अपने मन के हिसाब से फैसला ले रहें हैं। नागणे ने कहा कि शाडू मूर्तियों का विसर्जन प्राकृतिक तालाबों और चौपाटियों पर ही होना चाहिए। उन्होंने कहा की केवल 10 दिन के उत्सव से होने वाले जल प्रदूषण की चिंता की जाती है, जबकि वर्षभर निकलने वाले रसायन और केमिकल्स से तालाबों व नदियों को होने वाले प्रदूषण पर प्रशासन मौन क्यों है?

युवक की प्रताड़ना से तंग युवती ने की आत्म हत्या

कल्याण। टिटवाला में एक युवक ने सोशल मीडिया के जरिए 23 साल की युवती से दोस्ती की। उसने उसका विश्वास जीता और तरह-तरह के बहाने बनाकर उसके सोने के गहने हड़प लिए। युवती ने गहने वापस मांगने शुरू कर दिए। फिर उसने युवती को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आखिरकार युवक की प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग के जरिए युवक से संपर्क किया और अपने घर की छत पर आत्महत्या कर ली।

रमाबाई अपार्टमेंट पीड़ितों को मिली राहत

सरकार और जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया मदद का हाथ

60 परिवारों को उपलब्ध कराए गए अस्थायी घरों की चाबियां

महानगर संवाददाता
विरार

विरार इलाके में रमाबाई अपार्टमेंट के ढहने से प्रभावित परिवारों को आखिरकार राहत मिली है। सरकार और स्थानीय नेताओं ने मिलकर पीड़ितों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शिवसेना के पालघर विधायक राजेंद्र गावित और महापालिका प्रशासन ने पीड़ितों को आर्थिक सहायता और अस्थायी घर दोनों दिए हैं।

हादसे के बाद मदद का सिलसिला

यह हादसा तब हुआ जब रमाबाई अपार्टमेंट का एक हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे कई परिवार बेघर हो गए। हादसे के तुरंत बाद, पालघर के पालक मंत्री गणेश नाईक प्रताप सरनाईक परिवहन मंत्री ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की और प्रशासन को पीड़ितों की हरसंभव मदद करने का निर्देश दिया।

इस निर्देश के बाद, वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने तुरंत कार्रवाई की। वीवीएमसी आयुक्त

मनोज कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में, प्रशासन ने 59 परिवारों को 20,000 की वित्तीय सहायता के चेक वितरित किए। इसके अलावा, 27 लोगों को अधिभोग प्रमाण पत्र भी दिए गए, जिससे उन्हें कानूनी तौर पर अस्थायी आवास मिल सके। शिवसेना के पालघर विधायक राजेंद्र गावित ने इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और प्रत्येक परिवार को 20,000 की सहायता राशि दी। इसके साथ ही, उन्होंने 60 परिवारों को म्हाडा (MHADA) द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी घरों की चाबियां भी सौंपीं।

भिवंडी का मौत का तालाब

प्रशासन की लापरवाही से गई एक और जान

भिवंडी। भिवंडी शहर में शनिवार रात एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही ने एक परिवार को तबाह कर दिया। दरगाह दिवान शाह परिसर के पुराने तालाब में 48 वर्षीय शकील अंसारी की डूबकर मौत हो गई। समरूबाग निवासी शकील किराए के मकान में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तालाब की सुरक्षा को लेकर भिवंडी महानगर पालिका वर्षों से लापरवाह बनी हुई है। दशकों पुराने इस तालाब की चारदीवारी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। आसपास की घनी बस्तियों में रोजाना सैकड़ों बच्चे खेलते हैं, वहीं बरसात के दिनों में तालाब लबालब भर जाता है। इसके बावजूद पालिका ने सुरक्षा दीवार की मरम्मत या नई दीवार बनाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। निवासियों का आरोप है कि यह हादसा कोई पहला नहीं है। इस तालाब ने पहले भी कई मासूम जिंदगियां निगली हैं।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कंक्रीटिंग के बावजूद गड्ढे

वसई। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर 121 किलोमीटर लंबे हिस्से के कंक्रीटिंग का काम होने के बाद भी सड़क की हालत बदहाल है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और ऊबड़-खाबड़ हिस्से बने हुए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन समस्याओं के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, खासकर मानसून के दौरान। सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। नागरिकों का आरोप है कि कंक्रीटिंग के काम में घटिया सामग्री

का इस्तेमाल किया गया है। स्थिति को देखते हुए, पालघर जिला कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को काम की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए हैं।

मरम्मत का काम शुरू, एजेंसी नियुक्त

जिला कलेक्टर के निर्देश के बाद, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने उन हिस्सों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है, जहां कंक्रीटिंग खराब हो गई थी। परियोजना निदेशक सुहास चिटनीस ने बताया कि इस काम के लिए एक विशेष एजेंसी नियुक्त की गई है। यह एजेंसी खराब हुए पैनलों का निरीक्षण कर रही है और उन्हें हटाकर नए पैनल लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता कुलदीप वर्तक ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा है कि घोड़बंदर से अचड़ तक 125 किलोमीटर के हिस्से में कंक्रीटिंग का काम बहुत ही घटिया स्तर का है। कांग्रेस नेता कुलदीप वर्तक का आरोप है कि 600 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी ठेकेदार की लापरवाही के कारण सड़क की हालत खराब है, जिससे अब तक 30 से ज़्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सड़क पर बने कई पुलों के डेक की ऊंचाई कम होने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है, जिससे वाहन के नीचे गिरने और यात्रियों की जान जाने की आशंका बढ़ जाती है। वसई विरार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप वर्तक ने प्राधिकरण के परियोजना प्रबंधक को पत्र लिखकर इस ओर ध्यान दिलाया है।

कुर्सी की चाह नहीं, संगठन की राह सही: हर्षवर्धन सपकाल

नई कार्यकारिणी का गठन बिना विवाद पूरा, युवाओं को प्रतिनिधित्व

स्थानीय निकाय चुनाव में गठबंधन का फैसला जिला स्तर पर करने की रणनीति

2029 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर संगठन को तैयार करने पर जोर

■ मनोज दुबे / जितेंद्र मिश्रा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में हर्षवर्धन सपकाल ने हाल ही में अपने कार्यकाल के छह महीने पूरे किए। राजनीति में जहां सत्ता की कुर्सी को सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है,वहीं वे साफ कहते हैं कि उनकी दिलचस्पी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं,बल्कि वैचारिक लड़ाई लड़ने और संगठन को मजबूत करने में है। पिछले छह महीनों में उन्होंने कांग्रेस को नई कार्यशैली देने की कोशिश की है,चाहे वह बिना विवाद के कार्यकारिणी का गठन हो, युवाओं और नए वर्गों को प्रतिनिधित्व देना हो या फिर पदयात्राओं और कार्यक्रमों के जरिए जनता तक पार्टी की बात पहुंचाना हो। भाजपा पर वे आरोप लगाते हैं कि वह हिंदुत्व के नाम पर प्रोपेगेंडा चला रही है, जबकि कांग्रेस की विचारधारा संविधान निष्ठ और समावेशी है। महाराष्ट्र की महायुति सरकार को वे सिर्फ सत्ता के लिए एकत्रित गठबंधन बताते हैं, जहां पूरे राज्य के फैसले केवल तीन लोग लेते हैं। "हमारा महानगर" को सदिच्छा भेंट देने आए हर्षवर्धन सपकाल ने लंबी बातचीत में राजनीति, विचारधारा और सत्ता समीकरणों पर खुलकर अपनी राय रखी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने आपको छह माह का समय हो चुका है। इस दौरान पार्टी को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए गए ?

पिछले छह माह में हमने लोगों का ध्यान आकृष्ट करने का पुरजोर प्रयास किया। ये मेरा कर्तव्य भी था। संगठन अपने आप खड़ा नहीं होता, या सत्ता के लालच या भय दिखाकर उल्लू सीधा नहीं किया जा सकता। मैंने 18 फरवरी को प्रदेश अध्यक्ष का चार्ज लिया था, तभी मैंने कहा था कि मैं वैचारिक लड़ाई लड़ूंगा और संगठन का निर्माण करूंगा। मेरा मानना है कि जितनी वैचारिक लड़ाई लडेंगे, उतना ही संगठन मजबूत होगा। इस संकल्प को लेकर मैं कुछ हद तक कामयाब रहा। कामयाब इसलिए कह रहा हूं कि काफी पदयात्रा निकाली, लोगों का सहयोग भी मिला। काफी कार्यक्रम किए, जिसमें लोग स्वाभाविक तरीके से शामिल हुए। जो हमारा कहना है, उसे हम अच्छी तरीके से लोगों तक पहुंचा पाए। अभी दूर जाना बाकी है। ये नहीं कहूंगा कि हम सभी लोगों तक पहुंच गए, लेकिन वे हमारी बात सुनना चाहते हैं।

नया एमपीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद प्रदेश कार्यकारिणी का गठन का काम बड़ा कठिन होता है, लेकिन आपके कार्यकाल में यह काम आसानी से पूरा हो गया?

जी हां, हमारी नई कार्यकारिणी का गठन हो गया। जिसमें 13 जिला इकाइयों के अध्यक्ष चयनित किए गए और कोई कंट्रोवर्सी नहीं हुई। हमने नए तरीके से 100 ब्लॉक अध्यक्ष का भी चयन किया और इन सभी लोगों को उनका काम क्या है, इस बात की ट्रेनिंग भी दी गई और उनकी एकाउंटेबिलिटी भी तय की गई। हर साल उनके कार्य का मूल्यांकन होगा। मूल्यांकन के बाद ही वे संगठन में अपने पद पर कंटिन्यू कर पाएंगे। छह माह पूरे होने पर मैंने बहुत कम फोटो वाला रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इसका उद्देश्य खुद की पीठ थपथपाना नहीं था। मैं अध्यक्ष हूं और मेरी जवाबदेही है और जवाबदेही का तरीका क्या हो सकता है तो आपने क्या-क्या काम किए, उसका हिसाब देना, एक कार्य संस्कृति का निर्माण करना। इन सबके बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ, कोई आवाज नहीं आई। इसमें सब लोगों का सहयोग रहा। कुल मिलाकर 6 माह वाकई में बीत गया, यह आश्चर्यजनक रहा और बहुत ही तेजी से समय गुजर गया।

नई कार्यकारिणी में युवाओं को अधिक मौका दिया गया है?

बिलकुल सही। कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव आया है। औसत उम्र 51 साल है। एमपीसीसी में औसत उम्र 51 रहना बड़ी बात है। इसे हम 50 पर लेकर आते तो और भी अच्छा होता। दूसरी बड़ी बात यह है कि कार्यकारिणी में 40% ओबीसी, 19% एससी-एसटी, 19% अल्पसंख्यक और 33 महिलाओं को शामिल किया गया है।

कांग्रेस के स्थापित नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा भाजपा में जा रहा है। इससे पार्टी में एक तरह का डिमोटिवेशन आता है। स्थापित नेतृत्व जाने से एक वैक्यूम भी क्रिएट होता है, इसे आप कैसे देखते हैं?

जो हमारी स्टेबल लीडरशिप थी, वह हमारी स्ट्रेंथ भी थी और हमारी कमजोरी भी थी। स्ट्रेंथ यह थी कि वे हमारे साथ दो-तीन पीढ़ियों के साथ में थे और लगभग उन्हीं परिवारों ने 1952 से 2024 तक टिकट अपने पास रख लिए, या अपने साथ चलने वालों को टिकट दिए। वे जीतकर भी आते थे। कुछ नया लाने के लिए कुछ हो ही नहीं रहा था। तो उनके जाने को मैं दुर्भाग्यजनक नहीं कहूंगा। दुर्भाग्यजनक ये होता कि कहीं कोई झगड़ा होता, कोई मनमुटाव होता। या उनके साथ अच्छा बर्ताव नहीं होता, लेकिन ये लोग भय और लालच के कारण जा रहे हैं। इसका मतलब यह है कि वे मन और विचारों से कांग्रेस के साथ नहीं थे। जब कोई पार्टी छोड़कर जाता है तो उसकी जगह भरने के लिए नवनिर्माण के मौके भी बनते हैं और चूंकि अभी तत्काल चुनाव नहीं है, यदि वे चुनाव के 3-4 माह पहले छोड़कर जाते तो समस्या आती कि अब क्या किया जाए? अभी हमारे पास 4 साल का मौका है कि हम नई लीडरशिप को खड़ा कर सके। हम ये नहीं चाहेंगे कि खाली जगह को भरने के लिए दूसरी पार्टियों के लोगों को शामिल किया जाए। ये खेल हम नहीं खेलना चाहते। पार्टी वर्ष 1885 से चल रही है तो पार्टी को भी खुलकर नए वर्ग से जुड़ने की आवश्यकता है।

आगामी समय में स्थानीय निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। क्या प्रदेश स्तर पर गठबंधन को लेकर कोई बातचीत जारी है?

निकाय चुनाव में गठबंधन का कोई फैसला नहीं हुआ है। पहले जिला पंचायत, फिर नगरपालिका के बाद महानगरपालिका के चुनाव होंगे। कुल 28 महापालिकाओं में चुनाव होंगे। जिला पंचायत, नगरपालिका चुनावों का अनुभव पहले होगा। इस अनुभव से सबकी राय ली जाएगी। पिछले दिनों इंडिया एलायंस की बैठक हुई। इसमें हमने कहा कि एलायंस को राज्य स्तर पर लागू करना ठीक नहीं होगा, आकार की वजह से। उन्होंने भी इस चीज को स्वीकार किया है। हम जिला यूनिट या लोकल यूनिट को अधिकार देने का फैसला कर रहे हैं। लोकल यूनिट से कहा जाएगा कि वे स्थानीय स्तर पर एलायंस पार्टनर से चर्चा करें। हमें लगता है कि इसी तरीके से आगे जाना चाहिए। एलायंस पार्टनरों ने इसे सराहा है।

आप यह मानते हैं कि स्थानीय निकाय चुनाव में आपका लिटमस टेस्ट होने जा रहा है?

लोकल बॉडी में कांग्रेस बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन इससे एमपीसीसी का मूल्यांकन नहीं होगा, क्योंकि मैं पार्टी को वर्ष 2029 के लिए तैयार करने जा रहा हूं। यदि मैं उसको लिटमस टेस्ट मानकर चलूं तो यह वर्ष 2029 के लिए ठीक नहीं रहेगा।

क्या आपकी महत्वाकांक्षा कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने की रही है?

मेरा इंट्रेस वैचारिक लड़ाई लड़ने में है, इसलिए मैं बेबाकी से काम कर रहा हूं। मुख्यमंत्री की कुर्सी की तरफ बढ़ने में मेरी कोई रूचि नहीं है। ये ऐसी पोस्ट है कि यहां रात ही नहीं, दिन में सपने आने शुरू हो जाते हैं। वो खेल मुझे नहीं खेलना है। संगठन को मजबूत करना मेरी प्राथमिकता है।

भाजपा लगातार कांग्रेस पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाती है, इस पर आपका क्या कहना है?

हिंदुत्व का ठेका उनका है, यह भाजपा दिखाने की कोशिश करती है। कांग्रेस का विचारधारा संवैधानिक स्वरूप की है। वे हिंदुत्व का ढिंढोरा पीटते हैं, लेकिन वह हिंदुत्व है या वर्ग विशेष के साथ द्वेष है। वे जाति की राजनीति कर रहे हैं। इसका बुरा असर दिखने लगा है और आने वाले वक्त में और भी दुष्परिणाम सामने आएंगे। वे कांग्रेस को हिंदू विरोधी पार्टी होने का प्रोपेगेंडा करते हैं। हमारा जवाब चरित्र है। हमारी परंपरा, धरोहर में सभी चीजों का जवाब है। वे नाथूराम गोडसे का महिमामंडन करते हैं या फिर लारेंस डिसूजा को पैदा करते हैं, क्या यह हिंदुत्व है?

आप महायुति सरकार और उसके नेतृत्व को कैसे देखते हैं?

महायुति विचार को नकारते हुए सत्ता के लिए एकत्रित हुआ एलायंस है। सत्ता का खेल चल रहा है। गैंगवार चालू है। एक मुख्यमंत्री है, दूसरा अभी तक यह भूला है कि वह अब उपमुख्यमंत्री है। तीसरा कई बार उप मुख्यमंत्री बन चुका हूं। उनके पास वर्ष 2029 तक सत्ता में बने रहने के लिए राक्षसी बहुमत है। पूरे राज्य के फैसले केवल तीन लोग ले रहे हैं। इस सरकार का डिजाइन ऑर्गेनिक नहीं है।

ओशिवारा पुलिस को मिली सफलता
25 वर्षीय युवक के पास से बरामद हुए 89 चोरी के मोबाइल

महानगर संवाददाता

मुंबई

ओशिवारा पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक मामले में 25 वर्षीय एक अपराधी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 89 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

सूत्रों के अनुसार मामले के शिकायतकर्ता,राहुल रामगोपाल मिश्रा (34) ने पुलिस से संपर्क किया जब 28 अगस्त को जोगेश्वरी पश्चिम स्थित अन्नपूर्णा बिल्डिंग स्थित उनके होटल के बाहर सोते समय उनका सैमसंग फोल्ड 5 फोन कथित तौर पर चोरी हो गया।

ज़ोन 9 के उपायुक्त (डीसीपी) दीक्षित घेड़ा, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) चंद्रकांत काटकर और ओशिवारा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक संजय चव्हाण के मार्गदर्शन में,पुलिस अधिकारी दीपक थोराट और डिटेक्शन यूनिट के नेतृत्व में एक टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जोगेश्वरी पश्चिम के आनंद नगर निवासी अक्षय राजू दुगलज के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान, टीम ने मिश्रा के सैमसंग फोन के साथ-साथ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में दर्ज विभिन्न चोरी के मामलों से जुड़े छह अन्य हैंडसेट भी बरामद किए।

एक हिस्ट्रीशीटर है आरोपी

पूछताछ के दौरान, दुगलज ने खुलासा किया कि उसने वैभव सर्कल को सेलिब्रेशन क्लब से जोड़ने वाले एक पुल के नीचे नाले के पास एक खुले मैदान में 83 और चोरी के फोन छिपा रखे थे। पुलिस ने घटनास्थल से अतिरिक्त फोन बरामद किए। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुगलज एक हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ चोरी और सेंधमारी के कई मामले दर्ज हैं। उस पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। ओशिवारा पुलिस जब्त किए गए फोन को कई लंबित चोरी के मामलों से जोड़ने और उनके असली मालिकों को लौटाने के लिए उनके स्वामित्व की पुष्टि करने की प्रक्रिया में है। ओशिवारा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि ये फोन आनंद नगर, गुलशन नगर,गोरेगांव पश्चिम, अंधेरी पश्चिम और बांगुर नगर की झुग्गियों में स्थित घरों से चुराए गए थे।

मराठा आरक्षण... ओबीसी और मराठा आमने -सामने
जरांगे पाटिल के मांग के बीच मंत्री छगन भुजबल ने बुलाई ओबीसी नेताओं की बैठक

मुंबई। मराठा आरक्षण मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति गर्म है। ओबीसी और मराठा समाज आमने -सामने आ गए हैं। मनोज जरांगे पाटिल के मांग के विरोध में मंत्री छगन भुजबल ने प्रदेश के सभी ओबीसी नेताओं की बैठक बुलाई है। भुजबल के ओबीसी नेताओं की बैठक बुलाने के बाद मराठा और ओबीसी समाज के आमने -सामने आने की संभावना है। दोनों समाज के आमने -सामने आने के बाद राज्य का राजनीतिक तापमान और गर्म हो सकता है। बीते 29 अगस्त से मराठा समाज को ओबीसी आरक्षण में शामिल किया जाए इस मांग को लेकर आजाद मैदान में मनोज जरांगे पाटिल अनशन बैठे हैं। जरांगे के आंदोलन शुरू करने के बाद से ओबीसी नेता लक्ष्मण हाके आक्रामक हो गए हैं,पूरे राज्य में ओबीसी संगठन भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी है। इस बीच जालना जिले के ओबीसी संगठन 1 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। इस बीच मंत्री छगन भुजबल सक्रिय हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार भुजबल ने आज यानी 1 सितंबर को मुंबई में प्रदेश के सभी ओबीसी नेताओं की एक बैठक बुलाई है।

कंटेनर ने अन्य वाहन को मारी टक्कर

ठाणे। ठाणे शहर में रविवार सुबह एक कंटेनर ट्रक ने व्यस्त घोड़बंदर मार्ग पर अन्य वाहन को टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक चालक घायल हो गया। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना तड़के चार बजकर 48 मिनट पर रुतु एन्क्लेव कॉप्लेक्स के निकट हुई जिसके कारण करीब एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि नवी मुंबई के न्हावा शेवा से गुजरात के सूरत जा रहा एक कंटेनर ट्रक सड़क किनारे खड़े एक अन्य कंटेनर से टकरा गया, जहां मेट्रो निर्माण कार्य हो रहा था। दुर्घटना के बाद, गुजरात जा रहे कंटेनर का चालक अपने केबिन में फंस गया। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मचारियों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और 20 से 25 मिनट बाद चालक को वाहन से बाहर निकाला गया। चालक के दोनों पैरों में मामूली चोटें आईं। तड़वी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद टीएमसी की एंबुलेंस के एक डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद चालक को आगे की कार्रवाई के लिए कासरवडावली पुलिस को सौंप दिया।

श्रद्धा और भक्ति के साथ विदा हुए पांच दिन के गणपति

मुंबई। मुंबईकरों ने गणेशोत्सव के पांचवें दिन रविवार को भक्तों ने श्रद्धा के साथ से नाचते गाते हुए हर्षोल्लास के साथ अपने बप्पा की विदाई की। दोपहर के बाद समुद्र तटों और कृत्रिम तालाबों पर विसर्जन के लिए भीड़ जुटने लगी थी। मनपा ने विसर्जन के लिए समुद्र तटों और प्राकृतिक विसर्जन स्थलों पर विशेष व्यवस्था की थी। गणपति बप्पा को विदा करने वालों में महिलाओं से लेकर बच्चे तक शामिल थे। गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष से मुंबई की सड़कें , गलियां और समुद्र तट गूंज रहे थे। सार्वजनिक मंडलों की बड़ी गणेश मूर्तियों के विसर्जन के दौरान विशेष ध्यान रखा गया। विसर्जन के दौरान वहां समुद्र तटों पर लाइफ गाड्र्स और सुरक्षाकर्मी तैनात थे,जिससे कोई दुर्घटना न होने पाए। मुंबई में 69 प्राकृतिक विसर्जन स्थल है इसमें गिरगांव चौपाटी, दादर, वर्ली,जुहू, वर्सोवा जैसे प्रमुख समुद्र तट शामिल हैं। बीएमसी ने सभी 24 वॉर्डों में 290 कृत्रिम तालाब का निर्माण किया है जहां मूर्तियों का बड़े पैमाने पर विसर्जन किया गया। यहां बीएमसी ने अपनी टीम तैनात की है इससे भक्तों को विसर्जन में कोई परेशानी नहीं हुई। बीएमसी अधिकारी ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं के साथ हरतालिका की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया गया। बता दें कि इस बार हाईकोर्ट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेश के बाद पीओपी मूर्तियों और साढू की मिट्टी एवं ईको फ्रेंडली मूर्तियों के विसर्जन के लिए अलग -अलग नियम हैं। 6 फुट से कम ऊंची पीओपी सहित साढू की मिट्टी एवं ईको फ्रेंडली मूर्तियों का विसर्जन सिर्फ कृत्रिम तालाबों में करना अनिवार्य है। सिर्फ 6 फुट से ऊंची मूर्तियों का ही विसर्जन समुद्र और प्राकृतिक विसर्जन स्थलों में हो सकता है। डेढ़ दिन के गणपति विसर्जन के दौरान साढू और ईको फ्रेंडली मूर्तियों के समुद्र और प्राकृतिक विसर्जन स्थलों में विसर्जन को लेकर भक्तों और मनपा कर्मचारियों के बीच काफी विवाद हुआ था।

पांचवें दिन रात 9 बजे तक 17106 गणेश मूर्तियों का विसर्जन किया गया। इसमें सार्वजनिक मंडल की 275 प्रतिमा, 16816 घर और हरतीलिका की 15 मूर्तियों का विसर्जन हुआ था। घरों में विराजे गणपति के विसर्जन के लिए लोगों ने ज्यादातर कृत्रिम तालाबों को तरजीह दी। बीएमसी के उपायुक्त प्रशांत सपकाले ने बताया कि गणपति मूर्तियों के विसर्जन के लिए बीएमसी ने सभी तैयारी पहले से कर ली है। समुद्र तटों पर बीएमसी की टीम तैनात है। समुद्र तटों पर लाइफ गाड्र्स और मोटर बोट तैनात की गई है। सुरक्षा के लिए जगह-जगह पुलिस तैनात है। हमारी कोशिश है कि कोई मूर्ति विसर्जन के लिए गहरे समुद्र में न उतरने पाए। कृत्रिम तालाबों में बड़ी संख्या में लोग विसर्जन के लिए पहुंच रहे हैं।

छाया- रहुल सर्प

राज्यपाल ने राजभवन में किया पर्यावरण मित्र गणेश मूर्ति का विसर्जन

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन के आवास पर स्थापित पर्यावरण-मित्र गणेश मूर्ति का आज मुंबई स्थित राजभवन के एक कृत्रिम तालाब में विसर्जन किया गया। राज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। राज्यपाल ने भगवान गणेश जी को विदाई देने से पहले राजभवन के कर्मचारियों, अधिकारियों और अतिथियों के साथ उनकी आरती की। इसके बाद उन्होंने स्वयं अपने आवास के सामने एक सुसज्जित कृत्रिम तालाब में मूर्ति का विसर्जन किया। राज्यपाल के आवास पर आयोजित पांच दिवसीय गणेश उत्सव में नासिक जेल के कैदियों द्वारा बनाई गई शादु मिट्टी से बनी भगवान गणेश की एक मूर्ति स्थापित की गई। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवारे, इस्कॉन के गौरांग दास, उप सचिव एस. राममूर्ति सहित राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
सादर सेवा

खुली ई-निविदा आमंत्रण सूचना तारीख: 01.09.2025

कोकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता, रत्नागिरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जा रही है।

क्रमांक 1. कार्य का नाम - एसएसई/मानगांव सेक्शन के अंतर्गत स्टेशन यार्ड, पुल और टनल पोर्टल्स में ट्रैक से घास निकालना। **निविदा सूचना संख्या: केआर-आरएन-डब्ल्यू-2025-42, अनुमानित लागत:** ₹ 15,14,809/-, **ईएमडी:** ₹ 30,300/-, **ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23/09/2025 को दोपहर 15:00 बजे तक।

क्रमांक 2. कार्य का नाम - एसएसई/चिपलून सेक्शन के अंतर्गत स्टेशन यार्ड, पुल और टनल पोर्टल्स में ट्रैक से घास निकालना। **निविदा सूचना संख्या: केआर-आरएन-डब्ल्यू-2025-44, अनुमानित लागत:** ₹ 12,58,382/-, **ईएमडी:** ₹ 25,200/-, **ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23/09/2025 को दोपहर 15:00 बजे तक।

क्रमांक 3. कार्य का नाम - एसएसई/रत्नागिरी सेक्शन के अंतर्गत स्टेशन यार्ड, पुल और टनल पोर्टल्स में ट्रैक से घास निकालना। **निविदा सूचना संख्या: केआर-आरएन-डब्ल्यू-2025-45, अनुमानित लागत:** ₹ 13,78,890/-, **ईएमडी:** ₹ 27,600/-, **ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23/09/2025 को दोपहर 15:00 बजे तक।

क्रमांक 4. कार्य का नाम - एसएसई/विलवड़े सेक्शन के अंतर्गत स्टेशन यार्ड, पुल और टनल पोर्टल्स में ट्रैक से घास निकालना। **निविदा सूचना संख्या: केआर-आरएन-डब्ल्यू-2025-41, अनुमानित लागत:** ₹ 13,47,261/-, **ईएमडी:** ₹ 27,000/-, **ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 23/09/2025 को दोपहर 15:00 बजे तक।

अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक कार्यालय, एमआईडीसी क्षेत्र, मिरजोले, रत्नागिरी से संपर्क करें। (वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in)

सार्वजनिक सूचना

सुश्री शांता मारिया ने मेरे मुवक्किल श्री रवि संजीवा कोटियन को प्रतिनिधित्व किया, आश्वासन दिया और स्वीकार किया है कि;

सूचित किया जाता है कि अपील संख्या 29/2004 के अनुसार सुश्री शांता मारिया ने उप रजिस्ट्रार को.ऑप. सोसायटीज, ठाणे के समक्ष "त्रिमूर्ति को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड" नामक सोसायटी के विरुद्ध सोसायटी की मान्य सदस्यता के लिए अपील दायर की थी, अतः उप रजिस्ट्रार सी.एस. ठाणे तालुका द्वारा पारित महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव सोसायटीज एक्ट 1960 की धारा 22(2) के तहत 26 जुलाई 2004 के आदेश के अनुसार, सुश्री शांता मारिया को सोसायटी की सदस्यता हासिल हो गई और अतएव महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव सोसायटीज एक्ट 1960 अंतर्गत टीएनए/एचएसजी (टीसी) /4424, दि. 8.7.1991 अंतर्गत पंजीकृत उक्त द त्रिमूर्ति को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ने अ.क्र. 42 **(सोसायटी)** अंतर्गत शेयर रजिस्टर में सुश्री शांता मारिया को सोसायटी के सदस्य के तौर पर दर्ज किया था और उक्त सोसायटी ने शेयर प्रमाणपत्र क्र. 50 **(शेयर्स)** में समाविष्ट विशिष्ट क्र. 231 से 235 धारक प्रत्येक रूपये 50/-के 5 (पांच) पूर्णतः अदा किए गए शेयर्स आवंटित किए थे और तद्नुसार उक्त सुश्री शांता मारिया ने राजस्व ग्राम भाईंदर के नया सर्वे क्र. 123 (आंशिक), 124 (आंशिक) और 125 (आंशिक) तथा पुराना सर्वे क्र. 729 (आंशिक) तथा प्लॉट क्र. 5, 6 और 7 धारक ठाणे के जिला एवं उप-जिला पंजीयन में मीरा भाईंदर मनपा के सीमाक्षेत्र अंतर्गत प्लॉट क्र. 5 से 7, शीतल नगर, एमटीएनएल रोड, मीरा रोड (पू), जिला ठाणे 401107 स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट्स नामक बिल्डिंग के सी विंग में दूसरी मंजिल पर 575 वर्ग फीट (बिल्ट अप एरिया) का फ्लैट क्र. 204 **(फ्लैट)** (सामूहिक रूप से संपत्ति के तौर पर संदर्भित) का कब्जा, अधिवास, अधिभोग और व्यवस्थित और सम्पूर्ण रूप से पात्रता धारक होने का अधिकार प्राप्त किया था. इस प्रकार सुश्री शांता मारिया उक्त संपत्ति जो किसी भी प्रकार के ऋणभार से मुक्त है, के स्वामित्व अधिकार के साथ ही साथ निरंतर अबाधित उपयोग अधिवास और उपभोग के सम्पूर्ण अधिकार हेतु पात्र हैं और उक्त संपत्ति के मूल शीर्षक अनुबंध और अन्य सहायक दस्तावेज और विलेख गुम हो गए हैं/खो गए हैं और सुश्री शांता मारिया द्वारा काफी खोजबीन और तलाश के बाद भी अभी तक कहीं से भी नहीं मिल पाए हैं और डीएन नगर पुलिस स्टेशन में 25 अगस्त 2025 को अ.क्र. 0707/2025 अंतर्गत इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है. और जैसा कि उक्त सुश्री शांता मारिया ने सुश्री शांता मारिया और श्री रवि संजीवा कोटियन के बीच हुई सहमति अंतर्गत नियमों और शर्तों के अनुपालन में एकमुश्त प्रतिफल राशि हेतु उक्त संपत्ति की बिक्री हस्तांतर और सुपुर्दगी करने हेतु सहमति दी है.

सभी व्यक्ति जिनका उक्त संपत्ति अथवा उसके किसी भी भाग के संबंध में अथवा उसके विरुद्ध अथवा उसपर अथवा उसमें कोई भी अधिकार, शीर्षक अभिरूचि दावा अथवा मांग है तो उनसे एतद्द्वारा अनुरोध किया जाता है कि वे उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को समर्थनीय मूल दस्तावेजों के साथ लिखित में इसकी जानकारी दें अन्यथा उक्त संपत्ति अथवा उसके किसी भी भाग के संबंध में ऐसा कोई भी दावा अथवा मांग मौजूद नहीं है, यह मान लिया जाएगा और यदि कोई है, तो उसे सभी उद्देश्यों और प्रयोजनों हेतु बेच दिया गया हस्तांतरित, रिलीज्ड किया, परित्यक्त और छोड़ दिया गया तथा त्याग दिया गया माना जाएगा और तद्नुसार श्री रवि संजीवा कोटियन के पक्ष में इच्छित बिक्री सौदा विधिवत पूरा कर लिया जाएगा.

मुंबई 01 सितंबर 2025

हस्ता./-
प्रशांत एम. पाशनकर
एडवोकेट, उच्च न्यायालय
515, सर विठ्ठलदास चेम्बर्स, 16, मुंबई समाचार मार्ग, फोर्ट, मुंबई 400 001

मराठा प्रदर्शनकारियों का सीएसएमटी स्टेशन पर जमावड़ा

सड़क पर वाहनों की कतारें

मुंबई। पिछले तीन दिनों से मराठा समुदाय के नेता मनोज जरांगे पाटिल मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। इस उद्देश्य से आए मराठा प्रदर्शनकारी अभी भी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन (सीएसएमटी) पर जमा हैं। ज्यादातर प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे हैं और हल्गी की धुन पर नाच भी रहे हैं। पूरे महाराष्ट्र से मराठा प्रदर्शनकारी मुंबई पहुंचे हैं। कई लोगों ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन को आराम करने और रात बिताने के लिए अपना अड्डा बना लिया है। कई लोग मेट्रो में भी आराम कर रहे हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर चहल-पहल है। रविवार की छुट्टी का फायदा उठाकर कई लोग दक्षिण मुंबई के पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए अपने घरों से निकले। इस वजह से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर भारी भीड़ देखी गई। कई मराठा प्रदर्शनकारी मुंबई के विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा कर रहे हैं और लालबाग-परेल में गणेशोत्सव देखने जा रहे हैं। इस वजह से ट्रेन में भी मराठा प्रदर्शनकारियों की भीड़ देखी जा रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन के साथ-साथ स्टेशन के बाहर और आज़ाद मैदान इलाके में भी भीड़ देखी जा रही है। साथ ही, सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई हैं। इस वजह से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, आज़ाद मैदान और मुंबई महानगरपालिका रोड इलाकों में भीषण जाम लग गया है और वाहनों की कतारें देखी जा रही हैं।

दक्षिण मुंबई के व्यापारियों ने मराठा आरक्षण आंदोलन में सरकार और न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के आजाद मैदान में पिछले तीन दिनों से चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलन की वजह से दक्षिण मुंबई के व्यापार काफी प्रभावित हुआ है और व्यापारियों ने भारी वित्तीय हानि की सूचना दी है। खुदरा व्यापारी कल्याण संघ महासंघ (एफआरटीडब्ल्यूए) ने राज्य सरकार और बॉम्बे उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की है, जिसमें क्षेत्र में यातायात की भीड़ और प्रतिबंधित आवाजाही के कारण वाणिज्यिक गतिविधियों में बाधा का हवाला दिया गया है। फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेन शाह ने कहा कि सप्ताह के अंत के साथ हुए इस आंदोलन ने दुकानदारों और व्यापारियों के लिए स्थिति अति गंभीर बना दी है। उन्होंने आगे कहा कि सामान्य व्यावसायिक गतिविधियां ठप पड़ गई हैं। हम सरकार और उच्च न्यायालय से अपील करते हैं कि वे इस मुद्दे को जल्दी सुलझाएं और सामान्य स्थिति बहाल करें।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्र. उप मु. अभि. /यां. एवं वि./2102/डब्ल्यू.एस. दि. 28.08.2025

निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त द्वारा पात्र बोलीकर्ताओं से प्रतिशत दर आधार पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. बोली आरंभिक तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय एमसीजीएम की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग अंतर्गत विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है.

विभाग : मु. अभि. (यां. एवं वि.)	अनुभाग : उप मु. अभि. (यां. एवं वि.) प. उप.
निविदा क्र. :	2025_एमसीजीएम_1213687_1
विषय	आर/सी वार्ड में एमजी रोड बोरीवली (पू) में स्कायवॉक हेतु आवश्यक एक्सेसरीज के साथ-साथ इल्युमिनेशन प्रदान करना.
बोली का आरंभ : बोली का समापन :	दिनांक : 01.09.2025, समय : सुबह 11.00 बजे दिनांक 22.09.2025, समय : सायं. 16.00 बजे
संपर्क व्यक्ति : ए) नाम : बी) टेलीफोन नं. सी) ई-मेल आईडी :	ई.ई. (एम एवं ई) डब्ल्यू. एस. – I श्री जे. डी. शिरसाठ 022-29675862 eews01.me@mcgm.gov.in

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये मनपा वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in/ अथवा एनआईसी पोर्टल https://mahatenders.gov.in का अवलोकन करें. निविदा दस्तावेज डाक/कूरियर से भेजे अथवा स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

पीआरओ/1431/विज्ञा./2025-26

हस्ता./-
कार्य. अभि. (यां. एवं वि.) प. उप. – I

जहां तक संभव हो घर पर तैयार ताजे खाद्य पदार्थ ही खायें

मोहन भागवत का संदेश...

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताज़ा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरुआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है। बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है। कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है कि संघ प्रमुख बीजेपी के लिए कोई सीमा रेखा खींच रहे हैं या अल्पसंख्यकों को कोई व्यापक संदेश दे रहे हों। ऐसा इसलिए कि भारत में हिंदू राष्ट्र का सीधा संबंध अक्सर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना से लिया जाता है। जबकि विपक्ष इसे बहुसंख्यकवादी एजेंडा मानता है। वहीं, चूंकि कांग्रेस-समाजवादियों की तुष्टीकरण की नीतियों से ही हिंदुओं को काफी क्षति हुई है, जिससे संघ-भाजपा की विचारधारा को मजबूती मिली। हालांकि, कांग्रेस नेताओं के मुंह से बीजेपी के बजाय आरएसएस के लिए ज्यादा अपशब्द निकलता रहा है। वहीं आरएसएस के मुख से नेहरू-गांधी परिवार की कुचक्री नीतियों के लिए। शायद यही कारण है कि जब भागवत कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई संबंध नहीं है तो यह संदेश जाता है कि संघ का उद्देश्य किसी पर वर्चस्व थोपना नहीं है, बल्कि यह अवधारणा सबको साथ लेकर चलने वाली सांस्कृतिक पहचान की है। यहां पर समझने वाला आवश्यक तथ्य यह है कि आखिर संघ यह बात बार-बार क्यों दुहरा रहा है? क्या वो भाजपा के स्थायी शासन के लिए अल्पसंख्यकों को रिझाना चहता है? या फिर यह कहीं बीजेपी को अगले विधानसभा चुनावों के लिए इशारा तो नहीं है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी इस वर्ष बिहार और अगले वर्ष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में डेमोग्रेफी चेंज और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अल्पसंख्यकों पर लगातार जुबानी हमले कर रही है। ऐसे में हो सकता है कि संघ यह चाहता हो कि बीजेपी को अपने रुख में थोड़ी नरमी लानी चाहिए! वहीं, भागवत का बयान भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से यह याद दिलाता है कि संघ की दृष्टि सत्ता से आगे की है। भाजपा हिंदू राष्ट्र को राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर सकती है। लेकिन भागवत का यह बयान केवल वैचारिक नहीं बल्कि जमीनी राजनीति से भी जुड़ा हो सकता है। क्योंकि बार-बार यह सवाल उठ रहा है कि देश में बेरोजगारी, किसान संकट जैसे मुद्दे हिंदू-मुसलमान की राजनीति के चलते गौण हो गए हैं। लिहाजा, संघ शायद यह संदेश देना चाहता है कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ इन समस्याओं से मुंह मोड़ना नहीं बल्कि इन्हें समाज-आधारित समाधान देना है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

आरक्षण के लिए फिर, मचा हुआ कोहराम
पेंच कह रहे वे कुटिल, किए नहीं जो काम
किए नहीं जो काम, मुवे सरकार चलाए
सीएम कितनी बार, बने लूटे अरु खाए
कह सुरेश पृथ्वी-पवार शरमाओ तत्क्षण
सीएम थे तो नहीं दिए क्यों तुम आरक्षण

टैरिफ नीति से नए 'ग्लोबल ट्रेड' का उदय?

> दक्षिण एशिया की दो महाशक्तियां एक मंच पर आ रही है तो ट्रेड वॉर में कुछ नया होने वाला है जिसमें रूसी राष्ट्रपति पुतिन की खास भूमिका है। इसका बड़ा नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ सकता है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नीतियों पर ही नहीं, ग्लोबल वार, हथियार की होड़ और आर्थिक नीति पर भी पड़ेगा। भारत समेत ब्रिक्स संगठन में शामिल देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं।

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी ने 'ग्लोबल ट्रेड' को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। अमेरिका की यह आर्थिक नीति दुनिया को कहां ले जाएगी, यह अपने आप में बड़ा सवाल है। खुद अमेरिका के लिए यह आर्थिक और सामरिक संबंधों पर कितनी कारगर होगी, यह वक्त बताएगा। ट्रंप इस आर्थिक नीति से अमेरिका को कितना समृद्ध कर पाते हैं, यह देखना होगा लेकिन ट्रंप की दादागिरी ने ग्लोबल ट्रेड नीति को बड़ा झटका दिया है। अत्यधिक टैरिफ की मार झेल रहे भारत, चीन और रूस जैसे देश नई व्यापार नीति को अंजाम देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। यह दक्षिण एशिया के लिए जहाँ सुखद है, दूसरी तरफ अमेरिका के भविष्य के लिए चिंतनीय। अमेरिकी अदालत ने ट्रंप की टैरिफ़ नीति को खारिज कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद ट्रंम्प को बड़ा झटका लगा है। सरकार और अदालत के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। यह ट्रंप की विदेश नीति के खिलाफ बड़ा फैसला है। अदालत ने ट्रंम्प प्रशासन को 14 अक्टूबर तक का वक्त दिया है। सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। दुनिया के देशों के लिए यह सुखद फैसला है क्योंकि अमेरिका में खुद ट्रंप अपनी आर्थिक नीति की आलोचना झेल रहे हैं। दूसरी तरफ अदालत के फैसले के बाद ट्रंप विरोधी और मजबूत होंगे। अमेरिका की इस पॉलिसी से भारत जैसे देश उसके खिलाफ हो गए। जिस चीन को सबक सिखाने के लिए वह भारत के साथ खड़ा था। वहीं चीन और भारत अब अमेरिकी नीति के खिलाफ एक मंच पर आ रहे हैं। दक्षिण एशिया की दो महाशक्तियां एक मंच पर आ रही है तो ट्रेड वॉर में कुछ नया होने वाला है जिसमें रूसी राष्ट्रपति पुतिन की खास भूमिका है। इसका बड़ा नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ सकता है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नीतियों पर ही नहीं, ग्लोबल वार, हथियार की होड़ और आर्थिक नीति पर भी पड़ेगा। ट्रंप के आगे भारत के ना झुकने की पॉलिसी ने अमेरिका की नींद उड़ा दी है। दुनिया में सबसे अधिक भारत पर 50 फ़ीसदी

टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप की यह नीति आर्थिक रूप से भारत की कमर तोड़ने की साजिश है। ट्रंम्प भारत को झुकाना चाहते हैं और पाकिस्तान की तरह खुद का पिछलग्गू बनाना चाहते हैं लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है। भारत की दुनिया में एक साख है। उसके पास विपुल आबादी है। कृषि आधारित मजबूत अर्थव्यवस्था उसका बेहद मजबूत आधार है। ऐसे हालात में भुखमरी के हालात बनने से रहे, आर्थिक नुकसान भले उठाना पड़े। फिर भारत क्यों झुकेगा। वहीं भारत भी अब अमेरिका से दो-चार करने के लिए रूस और चीन के साथ मिलकर ऐसी तिकड़ी बना रहा है जिससे अमेरिका के पेट में दर्द उठने लगा है। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के साथ, एक बड़ी संयुक्त घोषणा, जो वैश्विक व्यापार को मौलिक रूप से नया रूप दे सकती है और पश्चिमी प्रभाव को कमज़ोर कर सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, यह स्पष्ट है कि उसके टैरिफ युद्ध विफल हो गए हैं, जिससे एक मज़बूत, अधिक एकीकृत ब्रिक्स के उदय को बल मिला है। भारत के लिए, यह क्षण न केवल अवज्ञा का बल्कि उभरते बहुध्रुवीय विश्व में नेतृत्व के एक नए अध्याय का प्रतीक है। आर्थिक विश्लेषण और मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारतीय निर्यात पर काफी असर पड़ सकता है। टेक्सटाइल, कृषि उत्पादन, आर्नामेंट, चमड़ा, फुटवियर, केमिकल्स और मेडिसिन बाजार को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत से करीब 28 फीसदी वस्त्र, कालीन का निर्यात अमेरिका को होता है। भारत के संपूर्ण व्यापार निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 20 फीसदी है। भारत की जीडीपी में दो फीसदी योगदान है। यह माना जा रहा है कि भारत को अरबों डालर का नुकसान होगा लेकिन क्या अमेरिका के सामने भारत का झुकना भी ठीक है। समस्याएं आती हैं तो हमें विकल्प भी तलाशना होगा जिसकी पृष्ठभूमि तैयार करने में भारत जुटा है। हालांकि ट्रंप की वजह से भारत में नौकरियां जाने का भी खतरा बना है। कई लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। श्रमप्रधान सेक्टर में सबसे ज्यादा नुकसान का प्रभाव दिख सकता है। टेक्सटाइल, आभूषण, कृषि रत्न जैसे सेक्टर में यह स्थिति दिखाई देगी। केंद्र की मोदी सरकार इससे से निपटने के लिए रणनीति भी बना रही है। फिर भी अगर अमेरिका के साथ बीच में कोई समझौता न हुआ तो भारत को आर्थिक नुकसान तो उठाना पड़ेगा। भारत को अब हर हाल में अमेरिका पर निर्भरता कम करनी होगी। प्रधानमंत्री का जापान, इसके बाद चीन दौरा इसका संकेत है। वहां चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कुछ नया गुल खिलाएगी। ग्लोबल ट्रेड पर कोई नया फैसला हो सकता है। अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ एक मजबूत रणनीति बन सकती है। अगर तीनों देशों की तिकड़ी सफल हो गई तो भविष्य में अमेरिका को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। अमेरिका ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए टैरिफ़ नीति को अंजाम दिया लेकिन उसकी इस पॉलिसी में साफ-सुथरी आर्थिक दृष्टि नहीं दिखती। अमेरिका की इस पॉलिसी में ग्लोबल पॉलिटिक्स की गंध आती है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने उसकी भूमिका खारिज कर दी तो वह चिढ़ गया। भारत ने रूस से तेल लेना बंद नहीं किया तो उसका हित टकरा गया। उसने चीन के खिलाफ जहां 30 फ़ीसदी टैरिफ लगाया , वहीं भारत के खिलाफ 50 फीसदी। यह ट्रंप की पारदर्शी टैरिफ़ नीति नहीं है। ट्रंप ने भारत के खिलाफ अपनी खींझ और गुस्से का प्रदर्शन किया है लेकिन भारत भी अमेरिका के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत समेत ब्रिक्स संगठन में शामिल देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। संगठन में भारत सबसे अग्रणी है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी उत्पादों में टैरिफ कम करें लेकिन भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया जिसका नतीजा हुआ ट्रंप ने टैरिफ बम भारत पर फोड़ दिया। हालांकि इसका दुष्प्रभाव एक पक्षीय नहीं होगा। यह अलग बात है कि भारत को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा लेकिन ट्रंप की इस टैरिफ नीति ने भारत के साथ दुनिया के देशों को एक कड़ा संदेश दिया है। संदेश साफ है कि पर सबसे अधिक आत्मनिर्भरता को हर हाल में खत्म या कम करना होगा। व्यापार नीति में बदलाव लाना होगा। हालांकि अमेरिका ने जो आर्थिक जंग छेड़ी है उसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। इसका असर सिर्फ व्यापार क्षेत्र में ही नहीं पड़ेगा। सामरिक संबंधों और वैश्विक कूटनीति पर भी दिखेगा जिसके बाद एक ग्लोबल स्तर पर तनाव की स्थिति बनेगी। दुनिया को इसके लिए भी तैयार रहना पड़ेगा जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका की होगी।

- प्रभुनाथ शुक्ल

क्या भ्रष्टाचार तकनीक से कम होगा, या नैतिक शिक्षा से?

क्या भ्रष्टाचार तकनीक से कम होगा, या नैतिक शिक्षा से? इस तरह के प्रश्न पर अक्सर विचारकों के बीच चर्चा की जाती है: एक अच्छे विचार को बनाए रखने या समाज के नैतिक मानक को बढ़ाने का विचार आदर्शवाद के शीर्ष पर है, और यह भ्रष्टाचार या समाज के नैतिक पतन को रोकने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है; लेकिन सबसे अधिक समय लेने वाला तरीका तकनीकी सुधारों के माध्यम से है, जो खामियों को बंद कर सकता है और भ्रष्टाचार को रोक सकता है: भ्रष्टाचार से जुड़े कानून नैतिक विचारों पर केंद्रित रहे हैं, जब से समाज ने भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने का पहला प्रयास किया। भ्रष्टाचार निषेध कानून लिखे जाने के समय, विधायकों ने निस्संदेह इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि नैतिक या नैतिक रूप से क्या गलत है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि किस प्रकार का आचरण भ्रष्टाचार है। इस लेख में, मैं भ्रष्टाचार के संबंध में नैतिकता की जाँच करता हूँ और उन परिस्थितियों का वर्णन करने का प्रयास करता हूँ जिनमें भ्रष्टाचार को नैतिक माना जाएगा। दोनों शब्दों को परिभाषित करने और कांटीय नैतिकता की जाँच करने के बाद, मैं यह निर्धारित करता हूँ कि भ्रष्टाचार नैतिक रूप से स्वीकार्य है या नहीं, यह इस धारणा पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति कर्तव्य से प्रेरित होकर कार्य करता है, न कि आत्म-संतुष्टि की ओर झुकाव से। फिर मैं भ्रष्टाचार के सकारात्मक और नकारात्मक परिणामों की जाँच करता हूँ, भ्रष्टाचार से "निपटने" के लिए विभिन्न रणनीतियों को परिभाषित करता हूँ, और फिर भ्रष्ट आचरण को कम करने के एक प्रभावी उपाय के रूप में एकीकृत सामाजिक अनुबंध सिद्धांत का समर्थन होना आवश्यक है। उपरोक्त प्रश्न पर विचार करते हुए, सबसे पहले "भ्रष्टाचार" और "नैतिक रूप से स्वीकार्य" शब्दों को परिभाषित करना आवश्यक है। हालाँकि दोनों शब्दों को परिभाषित करना एक कठिन कार्य है, लेकिन यह निर्धारित करना भी चुनौतीपूर्ण है कि क्या भ्रष्टाचार को "नैतिक" कहकर उचित ठहराया जा सकता है। हालाँकि "नैतिक भ्रष्टाचार" कई लोगों के लिए एक विरोधाभास हो सकता है, यह लेख उन परिस्थितियों की जाँच करके और उन परिस्थितियों में किए गए कार्यों को "नैतिक रूप से स्वीकार्य" या

नैतिक रूप से उचित ठहराकर इन दोनों शब्दों को सुधारने का प्रयास करता है। भ्रष्टाचार शब्द अस्पष्ट है और इसे परिभाषित करना आसान नहीं है। भ्रष्टाचार के अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह कृत्य सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में होता है (एरास, 2003)। भ्रष्टाचार को गबन, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, राजद्रोह या हितों के टकराव को बढ़ावा देने वाले कृत्यों के रूप में समझा जा सकता है (एवरेट, न्यू, रहमान, 2006)। इस अस्पष्ट शब्द में विभिन्न प्रकार के भ्रष्टाचार शामिल हो सकते हैं, जिनमें राजनीतिक भ्रष्टाचार, व्यापक भ्रष्टाचार, उत्पादक भ्रष्टाचार और क्षुद्र भ्रष्टाचार आदि शामिल हैं (एवरेट एट अल., 2006)। इस शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करने वाले अन्य लेखकों ने लगभग साठ विभिन्न कार्यों को शामिल किया है जो आज की हमारी सोच के अनुसार भ्रष्टाचार का गठन करते हैं (एवरेट एट अल., 2006)। इस शोध पत्र के प्रयोजनों के लिए, भ्रष्टाचार कोई भी ऐसा कार्य होगा जिसे इस विश्वास के कारण अवैध माना जाता है कि यह एक पक्ष को दूसरे पर अनुचित लाभ पहुँचाता है। उदाहरण के लिए, धोखाधड़ी या गबन को भ्रष्ट माना जा सकता है क्योंकि यह धोखाधड़ी करने वाले पक्ष को गैर-धोखाधड़ी करने वाले पक्ष पर व्यक्तिगत लाभ प्रदान करता है। "नैतिक रूप से स्वीकार्य" या "नैतिक" शब्द को परिभाषित करना उतना ही कठिन हो सकता है। एक नैतिक कार्य वह होता है जिसे आमतौर पर एक ऐसा कार्य माना जाता है जिसे समाज ने "गलत" नहीं माना है। मेरियम-वेबस्टर के अनुसार, नैतिकता "अच्छे और बुरे के बीच का अनुशासन है..."। नैतिकता को अक्सर नैतिकता के अध्ययन के रूप में संदर्भित किया जाता है - जिसे समाज "सही" या "उचित व्यवहार" मानता है; इसलिए, जिसे समाज नैतिक मानता है उसे भी नैतिक माना जा सकता है। लेकिन इस शोधपत्र का केंद्र और उद्देश्य स्पष्ट नैतिक संहिताओं के आधार पर नैतिक व्यवहार को परिभाषित करना नहीं है; यह निर्धारित करने के लिए कि कोई चीज़ नैतिक है या नहीं, हमें उन दर्शनों व तरीकों को देखना होगा जो "अच्छे" या "बुरे" व्यवहार को निर्धारित करते हैं। पहला तरीका भ्रष्टाचार और व्यक्ति को जड़ से खत्म करना है; वैकल्पिक रूप से, समाज सदाचारी बन जाता है। यह एक सकारात्मक सक्रिय तरीका है। इसे दूसरे तरीके से भी हासिल किया जाता है। लेकिन यह नकारात्मक तरीके से है। अर्थात्, भ्रष्टाचार को रोका जाता है क्योंकि इसे करना असंभव है या आसानी से उजागर किया जा सकता है। यह बेकार है। तकनीकी प्रगति को उलटकर भ्रष्ट मार्ग पर चलने के प्रयास जारी हैं। कभी-कभी यह सफल होता है। कभी नहीं। भ्रष्टाचार की मूल प्रवृत्ति बनी हुई है। यदि संस्कार या ज्ञान के माध्यम से भ्रष्टाचार को मिटाना है, तो इसके लिए समाज की सामान्य सहमति की आवश्यकता होती है। जिनके पास ऐसा अवसर है, उन्हें इसके लिए तैयार करने के लिए राजनीतिक, सामाजिक या प्रभावी सांस्कृतिक नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके लिए प्रभावी कानून बनाने होंगे और उन कानूनों के प्रवर्तन तंत्र को भी सतर्क और कुशल होना होगा। बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका कानूनों को कितनी जल्दी और सख्ती से लागू करती है। दुर्भाग्य से, वर्तमान में हमारे पास कई क्षेत्रों में प्रभावी नेतृत्व में अंतर है। राजनीतिक नेतृत्व से भी अच्छे व्यवहार की उम्मीद की जाती है। वे ही हैं जो इसके लिए दोषी हैं। इस चर्चा का कारण यह है कि हम सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक ठीक से नहीं पहुंचने या योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकारी स्तर पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने की शिकायतें सुनने (और यहां तक कि) करने के आदी हैं। 'सरकारी' शब्द इस वजह से बदनाम हो गया है। योजनाएं अच्छी हैं। अब तक की सामान्य धारणा यह है कि वास्तविक समस्या योजना के कार्यान्वयन में है। स्वर्गीय प्रधान मंत्री राजीव गांधी ने एक बार स्वीकार किया था कि वही काम किया जाता है।

आत्मबल से भरा है भारत

आज विश्व के एकीकरण का समय माना जाता है अर्थात वैश्वीकरण। यह वैश्वीकरण कुछ और नहीं बल्कि व्यापार की दृष्टि से देशों का आपस में जुड़ना है। जब व्यापार होगा तो एक दूसरे देश की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराएं भी विस्तार लेती चली जाती हैं। वैश्वीकरण ने व्यापार के रास्ते खोलने के साथ-साथ समाज में नयापन भरा है, लोगों की सोच में भी परिवर्तन किया है। देश-विदेश की दूरियों को भी कम किया है। आज भारत में अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ को लेकर बहुत सारी बातें हो रही हैं। कोई इसे भारतीय व्यापार पर कुप्रभाव की बात कर रहा है तो कोई आगामी परिणाम की बात कर रहा है। यदि हम थोड़ा सा पीछे हटकर देखें और बात करें तो प्रथम युद्ध का एक कारण यूरोपीय देशों का उपनिवेशवाद भी रहा। यह देश अपने लिए मंडी अर्थात बाजार खोज रहे थे।बाजार खोजते-खोजते इन यूरोपीय देशों ने एशिया के बहुत सारे देशों को गुलाम बनाना शुरू कर दिया। कई बार मन में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से देश ने कैसे देखते ही देखते भारत जैसे विशाल भूखंड़ पर और इसकी प्राचीन सनातन संस्कृति पर अपना कुठाराघात किया। यह सत्ताधारी देश जिस देश पर अधिकार करते, उस देश की धन-संपदा तो लूटते ही थे साथ में वहां से कच्चा माल ले जाकर अपने देश के नाम पर विश्व में बेचकर मोटा पैसा कमाते थे। इन्होंने जिस भी देश पर अधिकार किया उस देश को चूस फेंका। गुलाम देशों में स्वतंत्रता को लेकर आंदोलन होते रहे, यह व्यापार में पैसा कमाते रहे।हमारा भारतवर्ष भी उन दिनों ब्रिटिश शासन के अधीन गुलाम देश में से एक रहा। ध्यान देकर देखें तो दूसरे विश्व युद्ध का बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक मंदी रहा। यह आर्थिक मंदी भी पूरे यूरोपीय देशों और अमेरिका में ही रही। इन ताकतवर देशों ने अपने आसपास उभरते देशों को दबाना शुरू किया और दूसरा विश्व युद्ध हो गया। एक दृष्टि से दोनों विश्व युद्ध की जड़ में बड़ा कारण आर्थिक लड़ाई ही रहा। कहने का भाव है कि यूरोपीय देश रहे हों या अमेरिका, ये हमेशा से ही वैश्विक बाजार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसके लिए कितना ही बड़ा युद्ध क्यों ना हो जाए। विचार करें तो अब वैश्विक परिस्थितियों बहुत बदल चुकी हैं। विश्व के बहुत सारे देश स्वतंत्र रूप में अपना कार्य कर रहे हैं। जिन देशों पर अमेरिका या यूरोप अपना दबाव बढ़ाना चाहता है, वह देश उनसे किनारा करके अन्य देशों के साथ व्यापार करने पर तैयार हो जाते हैं। आज सभी के लिए सभी के कपाट खुले हुए हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने प्रथम कार्यकाल से ही कहते रहे हैं मेक इन इंडिया और स्वदेशी अपनाओ। दूसरी ओर देखेंगे तो पूरे स्वतंत्रता संग्राम में भी स्वदेशी अपनाओ की बात महात्मा गांधी जी ने भी कही। इससे विदेशी लोगों की कमर अपने आप ही टूट गई। आज हमारा देश हर क्षेत्र में कार्य कुशल है। अंतरिक्ष, विज्ञान, संचार, तकनीक आदि हर क्षेत्र में हमारे देश ने अपना लोहा विश्व को मनवाया है। कार्य और व्यापार के क्षेत्र में भी हम स्वावलंबी बनाकर अपनी ताकत के साथ काम कर रहे हैं। हम स्वयं एक मजबूत स्थिति में है।

-डॉ नीरज भारद्वाज

आज का कार्टून

साभार

लोकतांत्रिक चुनावों में राजनीतिक आलोचना

गृहमंत्री अमित शाह ने इंडी गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार जस्टिस (रि) बी सुदर्शन रेड्डी को लेकर 22 अगस्त को टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी को लेकर कई पूर्व जजों और कार्यकर्ताओं की टोली जस्टिस (रि) बी सुदर्शन रेड्डी के बचाव में उतर आई थी। हालाँकि अब कुछ रिटायर्ड जजों के एक ग्रुप ने 26 अगस्त 2025 को चिट्ठी लिखकर साफ कर दिया है कि अमित शाह को निशाने पर लेने और रेड्डी के समर्थन में उतरने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अमित शाह के बयान से न्यायपालिका खतरे में पड़ने नहीं जा रही। पत्र में इन पूर्व जजों ने अपने साथियों को याद दिलाया कि जैसे ही कोई जज चुनावी मैदान में उतरता है, उसकी आलोचना होना स्वाभाविक है। इस जवाबी पत्र ने एक बड़ा सवाल उठाया कि आखिर मिलॉर्ड्स लोकतंत्र में आलोचना से ऊपर क्यों रहना चाहते हैं? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 अगस्त 2025 को कोच्चि में एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में पहुँचे थे। वहाँ उन्होंने कॉन्ग्रेस पर वामपंथी दबाव में झुककर जस्टिस रेड्डी को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने का आरोप लगाया। शाह ने इस फैसले को रेड्डी के उस अतीत से जोड़ा, जब उन्होंने जस्टिस एसएस निज्जर के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ तैनात सलवा जुडूम को भंग किया था। अमित शाह के अनुसार "विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी वही शख्स हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद के समर्थन में सलवा जुडूम का फैसला दिया। अगर ऐसा नहीं हुआ होता, तो 2020 तक वामपंथी उग्रवाद खत्म हो गया होता।" उन्होंने केरल के लोगों को याद दिलाया कि उनका राज्य भी नक्सलवाद और उग्रवाद का दंश झेल चुका है। शाह ने तर्क दिया कि कॉन्ग्रेस ने अपने वामपंथी सहयोगियों के दबाव में ऐसे व्यक्ति को ऊँचा पद दिया जिससे उसका असली वैचारिक झुकाव ज़ाहिर होता है। शाह का हमला न्यायपालिका के खिलाफ कोई आम नहीं था। यह एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के रिकॉर्ड पर सटीक राजनीतिक आलोचना थी जो लोकतांत्रिक चुनावों में बिल्कुल सामान्य है। जानकारों के अनुसार आलोचना से जजों और कार्यकर्ताओं के समूह को इतनी चोट क्यों लगी, इसे समझने के लिए 2011 के सलवा जुडूम फैसले को जानना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस रेड्डी और निज्जर की बेंच ने छत्तीसगढ़ सरकार की उस नीति को रद्द कर दिया जिसमें आदिवासी युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बना कर माओवादियों से लड़ने के लिए हथियार दिए गए थे। नंदिनी सुंदर और अन्य वामपंथियों ने राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी। कोर्ट ने याचिका पर कार्रवाई की और सरकार को आदेश दिया कि वह इस बल को भंग करे, सभी हथियार वापस ले और युवाओं को माओवादी जवाबी हमलों से बचाए। फैसले में यह भी कहा गया कि सलवा जुडूम या कोया कमांडो कहलाने वालों द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघन और अपराधों की जाँच हो। बेंच ने साफ किया कि कोई भी समूह कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता या संविधान से बाहर काम नहीं कर सकता। बेंच ने कहा था, "किसी बल की प्रभावशीलता यह तय करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकती कि वह संवैधानिक रूप से जायज़ है।" उसने जोड़ा कि भले ही एसपीओ माओवादियों से लड़ने में कुछ हद तक प्रभावी थे लेकिन इन 'संदिग्ध फायदों' की कीमत संवैधानिक उल्लंघनों और सामाजिक व्यवस्था को भारी नुकसान के रूप में चुकानी पड़ी। यह फैसला राज्य सरकार और केंद्र के लिए बड़ा झटका था क्योंकि तमाम खामियों के बावजूद सलवा जुडूम माओवादियों के गढ़ में उनका मुकाबला करने का एकमात्र तरीका था। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप ने सुरक्षा बलों को कमज़ोर कर दिया। शाह के अनुसार ''अगर न्यायपालिका ने दखल न दिया होता, तो नक्सलवाद के खिलाफ जंग 2020 तक खत्म हो सकती थी।'' जानकारी के अनुसार शाह के बयान के दो दिन बाद 24 अगस्त को कुछ रिटायर्ड जजों और कार्यकर्ताओं ने एक पत्र जारी कर शाह पर हमला बोला। उन्होंने शाह पर फैसले को 'गलत तरीके से पेश करने' का आरोप लगाया और ज़ोर देकर कहा कि उस फैसले ने कभी नक्सलवाद का समर्थन नहीं किया। उन्होंने नसीहत दी कि ऊँचे पदों के लिए प्रचार गरिमा के साथ और विचारधारा पर सवाल उठाए बिना करना चाहिए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जैसे मदन लोकुर, जे. चेलमेश्वर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका और एके पटनायक साथ ही हाई कोर्ट के पूर्व जज और कार्यकर्ता जैसे संजय हेगड़े और मोहन गोपाल शामिल थे। पत्र का लहजा काफी कड़ा था, कि एक नेता की हिम्मत कैसे हुई कि वो मिलॉर्ड के फैसले पर बयान दे दे।

-रामस्वरूप रावतसरे

शिवसेना नेता एवं उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे का पुणे गणेश वंदन दौरा

सार्वजनिक गणेशोत्सव लोकमान्य तिलक की प्रेरणादायी परंपराः गोर्हे

महानगर नेटवर्क
पुणे

महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापती एवं शिवसेना नेत्या डॉ. नीलम गोऱ्हे ने आज पुणे शहर के मानाच्या गणपति मंडलों और प्रमुख ऐतिहासिक मंडलों का दौरा कर गणराय के दर्शन लिए। इस अवसर पर उन्होंने श्री कसबा गणपति, श्रीमंत दगडुशेठ हलवाई गणपति, श्री दत्त मंदिर, श्री मंडई गणपति, श्री तांबडी जोगेश्वरी, श्री गुरुजी तालीम गणपति, श्री तुलशीबाग गणपति और श्री गणेश केसरी वाडा के दर्शन किए।दर्शन के उपरांत डॉ. गोर्हे ने कहा,

"लोकमान्य तिलक द्वारा प्रारंभ की गई सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा आज भी समाज में भक्तिभाव, सामाजिक ऐक्य और सेवाभाव को बढ़ावा दे रही है। इस पर्व में छोटे-बड़े, सभी वर्गों के लोग

समाजसेवा और भक्तिभाव का अद्वितीय संगम

एकत्र होते हैं और श्री गणेश से प्रेरणा पाकर समाजहित के कार्यों में जुड़ते हैं।"केसरी वाडा गणपति मंडल में दर्शन के समय केसरी के सरव्यवस्थापक श्री रोहित तिलक विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. गोर्हे ने फिजियोथेरपी शिविर जैसे सामाजिक उपक्रमों की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गणपति मंडलों को केवल उत्सव काल में ही नहीं बल्कि वर्षभर सामाजिक उपक्रमों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस दौरे में उनके साथ भगिनी व स्त्री आधार केंद्र की विश्वस्त जेहलम जोशी, शिवसेना महिला आघाडी की सुदर्शना त्रिगुणाईत, सुरेखा कदम पाटील, अनिता परदेशी, कांताताई पांढरे, सारिका पवार, मनीषा परांडे, मीनल धनवटे, वैजयंती पाचपुते, किरण साळी (सचिव, युवा सेना महाराष्ट्र राज्य), आनंद गोयल (शहर संघटक, पुणे), राजू वीटकर (झोपड़पट्टी विकास प्रमुख), नितीन पवार (उपशहर प्रमुख, कोथरूड) सहित शिवसेना व युवा सेना के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पुणे मनपा महावितरण से पिंपरी चिंचवड़ की तर्ज पर वसूले खुदाई शुल्क

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निर्देश

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे शहर और जिले में महावितरण द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बिजली की पायाभूत सुविधाओं के काम जारी हैं। लेकिन भूमिगत विद्युत वाहिनियां बिछाने के लिए पुणे महापालिका महावितरण से अधिक खुदाई शुल्क वसूल रही है, जिससे अनुमानित लागत में प्रकल्प पूरे नहीं हो पा रहे हैं। पुणे जिला पालकमंत्री अजितदादा पवार ने निर्देश दिए कि वह पिंपरी चिंचवड़ महापालिका की तरह सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार खुदाई शुल्क वसूले। बैठक में विधायक योगेश टिळेकर, शरद सोनवणे, बाबाजी काळे, शंकर मांडेकर, शंकर जगताप, सिद्धार्थ, चेतन तुपे, बापुसाहेब पठारे समेत जिलाधिकारी जितेंद्र डूडी, पुणे महापालिका आयुक्त नवल किशोर राम, गजानन पाटील, पोलीस अधीक्षक संदीपसिंग गिल, एमआयडीसी प्रादेशिक अधिकारी अर्चना पठारे, पिंपरी चिंचवड़ मनपा अतिरिक्त आयुक्त प्रदीप जांभळे-पाटील, महावितरण के मुख्य अभियंता सुनील काकडे व धर्मराज पेठकर, महापारेषण अभियंता विठ्ठल भुजबळ उपस्थित रहे।

समय पर पूरा किया जाए उपकेंद्रों का काम

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि पुणे जिले में महापारेषण कंपनी के 11 उच्चदाब उपकेंद्र मंजूर हुए हैं और 11 प्रस्तावित हैं। जिन उपकेंद्रों को मंजूरी मिली है, उनका काम तुरंत शुरू कर समय पर पूरा किया जाए, ऐसे निर्देश भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अधिकारियों को दिए।

कोरेगांव भीमा आयोग ने उद्धव ठाकरे से मांगे दस्तावेज

महानगर नेटवर्क
पुणे

कोरेगाव भीमा दंगे (1 जनवरी 2018) की जांच कर रहे आयोग ने शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को दस्तावेज जमा करने का नोटिस भेजा है।दलित नेता प्रकाश आंबेडकर ने आयोग में दायर अर्ज़ी में दावा किया था कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने 24 जनवरी 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री ठाकरे को पत्र देकर कहा था कि यह हिंसा पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार की साजिश थी। साथ ही विशेष जांच दल (SIT) बनाने की मांग भी की थी।आयोग ने पहले पवार से यह पत्र मांगा था, परंतु उन्होंने इसकी

प्रति अपने पास नहीं होने की जानकारी दी। इसके बाद आंबेडकर की ओर से उनके वकील ने ठाकरे को नोटिस देने की मांग की।आयोग के सदस्य सुमित मुल्लिक ने 28 अगस्त को 'मातोश्री' पते पर ठाकरे को पत्र भेजकर 22 सितंबर 2025 तक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।यह दो सदस्यीय आयोग (न्यायमूर्ति जे. एन. पटेल व सुमित मुल्लिक) कोरेगाव भीमा हिंसा की जांच कर रहा है, जिसे सरकार ने हाल ही में 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ाया है।

पक्ष की नीतियां और विकास कार्य प्रभावी ढंग से रखूंगा:कुणाल लांडगे

भाजपा शहर प्रवक्ता नियुक्त

मनपा चुनावों में भाजपा भारी बहुमत से जीतकर महापालिका पर पुनः अपना झंडा लहराएगी

महानगर नेटवर्क
पिंपरी

भारतीय जनता पार्टी की पिंपरी चिंचवड़ शहर इकाई के प्रवक्ता पद पर कुणाल दशरथ लांडगे की नियुक्ति की गई है। कुणाल लांडगे भाजपा के एक समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। वर्ष 2017 में वे भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार रहे। 2018 में उन्हें प्रभाग स्वीकृत सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। पूर्व शहराध्यक्ष व विधायक शंकर जगताप की कार्यकारिणी में वे 2023 से शहर भाजपा उपाध्यक्ष पद पर सक्रिय थे। संगठनात्मक कौशल, युवा

आक्रामक चेहरा और पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रवक्ता बनाया गया है, ऐसा नियुक्ति पत्र देते समय भाजपा शहराध्यक्ष शत्रुघ्न काटे ने कहा।

इस नियुक्ति की घोषणा विधायक महेश लांडगे, पूर्व शहराध्यक्ष

2017 में वे भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार रहे

शंकर जगताप, अमित गोरखे और उमा खापरे के सर्वसम्मत समर्थन से भाजपा शहराध्यक्ष शत्रुघ्न काटे ने की।

नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुणाल लांडगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, शहराध्यक्ष शत्रुघ्न काटे, विधायक महेश लांडगे, शंकर जगताप, अमित गोरखे और उमा खापरे का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। प्रवक्ता के रूप में मैं मीडिया और सोशल मीडिया पर पार्टी की नीतियां, ध्येय और विकास कार्यों की जानकारी प्रभावी ढंग से रखूँगा। आगामी मनपा चुनावों में भाजपा भारी बहुमत से जीतकर पिंपरी चिंचवड़ महापालिका पर पुनः अपना झंडा लहराएगी, ऐसा विश्वास भाजपा शहर प्रवक्ता कुणाल लांडगे ने व्यक्त किया।

हडपसर स्थित फर्म में महिलाओं के भेष में घुसे दो चोर गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे शहर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर महिलाओं की पोशाक पहनकर हडपसर स्थित एक निजी कंपनी में चोरी करने आए थे। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि आरोपियों की पहचान अमन अजीम शेख (24) और मूसा अबू शेख (24) के रूप में हुई है, जो हडपसर के रामटेकड़ी के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह हडपसर के रामटेकडी औद्योगिक एस्टेट में हर्को ट्रांसफॉर्मर्स लिमिटेड कंपनी में 2.19 लाख रुपये मूल्य की तांबे की प्लेटें और अन्य सामान चोरी होने की सूचना मिली थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दो महिलाएं, जिन्होंने अपने चेहरे नकाब से ढके हुए थे, 26 अगस्त को 1.43 बजे से 3 बजे के बीच खिड़कियों से छेड़छाड़ करके हर्को कंपनी में घुस गईं और इन्वेंट्री रूम से तांबे की प्लेटें और अन्य सामग्री चुरा लीं। पुलिस ने बताया कि वीडियो क्लिप में एक संदिग्ध को गाउन और दूसरे को सलवार कमीज पहने हुए दिखाया गया है, लेकिन उन्होंने पुरुषों वाले सैंडल पहने हुए थे। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305, 331 (3), 331 (4), 3 (5) के तहत वानावडी पुलिस स्टेशन में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी। आगे की जांच में चोरी में दो हिस्ट्रीशीटरों की संलिप्तता की पुष्टि हुई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

डिवाइडर से टकराई दोपहिया वाहन

मेडिकल छात्र की मौत

महानगर नेटवर्क
बारामती

शहर के भिगवान रोड पर ऊर्जा भवन के पास स्पीड बम्प के कारण एक दोपहिया वाहन डिवाइडर से टकरा गया। दुर्घटना में मेडिकल की छात्रा शरयू संजय मोरे (उम्र 22, मूल रूप से सांगली, वर्तमान में बारामती में रह रही) की मौत हो गई। शरयू और उसकी दोस्त शनिवार (30) की रात बारामती से पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रावास की ओर दोपहिया वाहन पर सवार होकर जा रही थीं। दोपहिया वाहन चला रही शरयू की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी उसकी दोस्त घायल हो गई। शरयू बारामती में अपनी मेडिकल डिग्री

के तीसरे वर्ष में पढ़ रही थी। वह एक बहुत ही बुद्धिमान छात्रा के रूप में जानी जाती थी। कुछ वर्षों के बाद, वह एक डॉक्टर के रूप में मरीजों का इलाज करने जा रही थी। उसकी दुर्भाग्यपूर्ण मौत ने कॉलेज में कई लोगों को झकझोर दिया। सभी की आंखों से आंसू बह रहे थे। मेडिकल कॉलेज के सूत्रों ने बताया कि शरयू के पिता संजय मोरे सांगली क्षेत्र में उप-विभागीय पुलिस अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं बेटी की मौत से मोरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिवार का रोना-धोना दिल दहला देने वाला था। जिस बच्ची के उज्ज्वल भविष्य का सपना परिवार ने देखा था, उसकी अचानक मौत परिवार के लिए अविश्वसनीय थी। देर रात अन्य प्रक्रियाएँ पूरी करने के बाद मोरे परिवार बारामती से अपने गाँव के लिए रवाना हो गया।

एसईटी परीक्षा परिणाम घोषित 6,050 अभ्यर्थी उत्तीर्ण

पुणे। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के एसईटी परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित 40वीं राज्य पात्रता परीक्षा (एसईटी) के परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए गए। इस वर्ष इस परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 6.69 प्रतिशत रहा और 6,050 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। विश्वविद्यालय के एसईटी विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी। महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक पद के लिए एसईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय का SET परीक्षा विभाग, SET परीक्षा का समन्वयन करने वाला निकाय है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, यह महाराष्ट्र और गोवा राज्यों के लिए SET परीक्षा आयोजित करने हेतु अधिकृत विभाग भी है। इसी के तहत, 15 जून को आयोजित SET परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकेंगे और अंकतालिका भी डाउनलोड कर सकेंगे। घोषित परिणामों के अनुसार, यह परीक्षा महाराष्ट्र और गोवा के 18 शहरों के 256 कॉलेजों में आयोजित की गई थी। इस वर्ष 1 लाख 10 हज़ार 412 उम्मीदवारों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया था।

ई-गवर्नेंस सुधार में मनपा को पहला स्थान

डिजिटल सेवाओं से नागरिकों को बड़ी राहत

महानगर नेटवर्क
पुणे

पुणे मनपा को 150 दिवसीय ई-गवर्नेंस सुधार मोहिम में महाराष्ट्र की सर्वश्रेष्ठ नगर निगम का दर्जा मिला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई अंतरिम समीक्षा बैठक में यह मान्यता प्रदान की गई। आयुक्त नवल किशोर राम ने बताया कि पीएमसी ने 97 सेवाओं में से 89 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई हैं और पिछले वर्ष 2.25 लाख से अधिक सेवाएं नागरिकों तक पहुंचाई गईं। साथ ही, 1.15 लाख शिकायतों का निवारण विभिन्न डिजिटल माध्यमों से किया गया।

पीएमसी ने नई मोबाइल फ्रेंडली वेबसाइट, PMC Care, रोड मित्रा, PMC ISWM जैसे ऐप्स विकसित किए हैं। ई-ऑफिस प्रणाली से 2,500 कर्मचारी कार्यरत हैं। साथ ही, रोड एसेट मैनेजमेंट, वर्क्स मैनेजमेंट सिस्टम, डैशबोर्ड, और "PMC Spark" जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। नागरिक सेवाओं में सुधार के लिए AI और चैटबॉट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें प्रॉपर्टी टैक्स वसूली हेतु वॉयस बॉट भी शामिल है। सामाजिक कार्यकर्ता विवेक वेलणकर ने बधाई देते हुए कहा कि निगम ने 2017 में 8 करोड़ रुपये का SAP सॉफ्टवेयर खरीदा था, जिसका पूर्ण उपयोग अभी तक नहीं हो रहा है। उन्होंने वित्त और स्टोर्स विभाग में इसके प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की।

2 लाख रुपये मूल्य के तांबे के तारों का बंडल चोरी, दो चोर गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क
पुणे

चोर चोरी करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। चोर इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि पुलिस की पकड़ में न आएं और कोई सुराग न छोड़ें। हालांकि, चोर पुलिस की पैनी नजर से बच नहीं सकते। हाल ही में रामटेकड़ी औद्योगिक एस्टेट की एक कंपनी से 2 लाख रुपये मूल्य के तांबे के तारों का एक बंडल चोरी हो गया। चोरों ने पहचाने जाने से बचने के लिए महिलाओं के वेश धारण किए हुए थे। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने जांच की और दो चोरों को गिरफ्तार किया और आखिरकार अपराध का खुलासा किया। उनके पास से 2 लाख 19 हजार रुपये मूल्य के तांबे के तार और पट्टियां जब्त की गईं। गिरफ्तार लोगों के नाम अमन अजीम शेख (उम्र

24), मूसा अबू शेख (उम्र 24, दोनों रामटेकड़ी, हडपसर के निवासी) हैं। पुलिस के अनुसार, चोर 26 अगस्त की आधी रात को रामटेकड़ी इलाके में एक औद्योगिक एस्टेट में स्थित हार्को ट्रांसफार्मर कंपनी में घुसे सीसीटीवी कैमरे से पता चला कि एक चोर ने पीले रंग का गाउन पहना हुआ था, जबकि दूसरे ने गुलाबी सलवार-कमीज पहना हुआ था।

कूड़ा बीनने वाले को चोर होने के शक में पिटाई

पिंपरी। मोशी स्थित एक श्रमिक शिविर में काम करने वाले कुछ लोगों ने एक किशोर कचरा बीनने वाले पर चोर होने के शक में हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान चाकन के भिड़े वस्ती निवासी गोपाल विनायक पवार (19) के रूप में की है। उसकी पत्नी ने शुक्रवार को पिंपरी चिंचवाड़ के दिघी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(2), 118(1), 115(2), 126(2), 127(2), 191(2), 191(3) और 190 के तहत छह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पवार पारधी समुदाय (एक अनुसूचित जनजाति, जिसे अंग्रेजों ने कभी 'आपराधिक जनजाति' करार दिया था) से ताल्लुक रखते थे। आरोपियों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएँ भी लगाई गई हैं।

भाजपा की पुणे जिला ग्रामीण दक्षिण मंडल कार्यकारिणी की घोषणा

महानगर नेटवर्क
बारामती

भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में पुणे जिला ग्रामीण दक्षिण प्रभाग की जंबो कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर वडने द्वारा की। जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर वडने ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, प्रदेश अध्यक्ष रवीन्द्र चव्हाण, चंद्रकांत पाटिल, केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, प्रदेश महासचिव राजेश पांडे, जिला संयोजक विधायक राहुल कुल और पूर्व जिला अध्यक्ष वासुदेव काले की

सहमति से सूची की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी समिति इस प्रकार हैः जिला महासचिव-आकाश कांबले, बालासाहेब गरुड़, गंगाराम जगदाले, वैशाली सनस. जिला उपाध्यक्ष-पांडुरंग काचरे, राहुल शेवाले, हरिचंद्र थोम्ब्रे, जीवन कोंडे, संभाजी कालाणे, शिवाजीराव निंबालकर, सुनील जागड़े, अंकुश गायकवाड़। जिला सचिव - दीपक तनपुरे, सागर चिंचकर, वैशाली धसाडे, आशाताई शिवतारे, नाना शेंडे, शाहजी कदम, गणेश भोसले, योगेश डाबी।

कार्यालय प्रमुख-धनंजय कामठे.

जिला मोर्चा अध्यक्ष-युवा मोर्चा वैभव सोलंकर, महिला मोर्चा स्नेहल दगड़े, किसान मोर्चा दिग्विजय काकड़े, ओबीसी मोर्चा गजानन वाकसे, अल्पसंख्यक मोर्चा आशीष ओसवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा मयूर कांबले, जिला मोर्चा एवं प्रकोष्ठ- सोशल मीडिया- संदेश धायगुडे, वरिष्ठ नागरिक- बापू लोखंडे, विधि मोर्चा- एडवोकेट गोविंद देवकाटे, विकलांग मोर्चा- बाजीराव पारगे, उद्योग मोर्चा- सतीश फाल्के, उत्तर भारतीय मोर्चा- नागेंद्र चोबे, चिकित्सा मोर्चा- डॉ. सुमित काकडे, बौद्धिक मोर्चा- शैलेंद्र ठाकर, स्नातक मोर्चा- दीपक राजपूत, राजस्थान प्रकोष्ठ- दिनेश शर्मा, व्यापारिक मोर्चा- प्रवीण कुमार शाह, आध्यात्मिक मोर्चा- अशोक चव्हाण का चयन किया गया।

पुणे महानगरपालिका, पुणे

निविदा प्रक्रिया कक्ष आरोग्य कार्यालय

निविदा जाहिरात - नविन कामे

जाहिरात क्र. 1/685 दि. 29/08/25

निविदा विक्री कालावधी दिनांक 01/09/2025 सकाळी 9.45 ते दिनांक 11/09/2025 दुपारी 2.30 पर्यंत

निविदा स्विकृती दिनांक :- 01/09/2025 सकाळी 9.45 ते दिनांक 11/09/2025 दुपारी 2.30 पर्यंत तांत्रिक निविदा उघडणे प्रक्रिया दिनांक 12/09/2025 दुपारी 3.00 वा.

निविदा क्रमांक	खात्याचे नाव	कामाचे नाव	निविदा संच किंमत ₹	अंदाजित पूर्व गणित रक्कम ₹	बयाणा रक्कम ₹ (EMD)	कामाची मुदत	निविदा विषयक जबाबदार व्यक्तीचे नाव व दूरध्वनी क्रमांक
PMC/HEALTH /2025/1	आरोग्य कार्यालय	पुणे महानगरपालिकेच्या कमला नेहरू रुग्णालयाकडील कपडे धुलाई करणे.	1,359.00	23,99.986.00	74,000.00	12 महिने	डॉ. कल्पना बळीवंत 020-25501225
PMC/HEALTH /2025/02	आरोग्य कार्यालय	पुणे महानगरपालिकेच्या आरोग्य कार्यालयाकडील सर्व दवाखाने, रुग्णालये व इतर खाती (कमला नेहरू रुग्णालय, शिक्षण मंडळ व वाहन व्यवहार खाते सोडून) कडील कपडे धुलाई करणे	1,359.00	23.99.986.00	24,000 00	12 महिने	

अ) सदर कामांबाबत निविदा अटी शर्ती इ. बाबतचा सर्व तपशील निविदा संचामध्ये नमूद केला असून सदर कामांचे निविदा संच www.mahatenders.gov.in या वेबसाईटवर पाहण्यासाठी उपलब्ध आहे. निविदा संचाची विक्री व स्विकृती सदर वेबसाईटवरुन फक्त ऑनलाईन पद्धतीने करण्यात येत असून सर्व निविदा दोन पाकीट पद्धतीने मागविण्यात येत आहेत. 'अ' पाकीटमध्ये टेक्निकल कागदपत्रे समाविष्ट करावीत व 'ब' पाकीटमध्ये दर नमूद करण्यात यावा. ('अ' पाकीटमध्ये दर समाविष्ठ केल्यास आपले टेंडर रद्द करण्यात येईल.

ब) निविदा विक्रीच्या शेवटच्या दिवशी निविदा संच प्राप्त न झाल्यास व स्विकृतीच्या शेवटच्या दिवशी ऑनलाईन सादरीकरण न झाल्यास याची सर्वस्वी जाबाबदारी टेंडरदाराची/ठेकेदारांची राहील.

क) सदरची ई निविदा प्रणाली वापराबाबत काही तांत्रिक अडचणी निर्माण झाल्यास Nic यचिकडे ई-मेल support-eproc@nic.in अथवा Help Desk Number 0120-4001002, 0120-4001005, 0120-4493395 या दूरध्वनीवर संपर्क साधावा

ड) कोणतेही कारण न देता निविदा पूर्णतः किवा अंशतः मंजूर/नामंजूर करण्याचा अधिकार मा. महापलिका आयुक्त यानी स्वत:कडे राखून ठेवला आहे.

सही/-
डॉ. कल्पना बळीवंत
उप आरोग्य अधिकारी
पुणे महानगरपालिका

सही/-
डॉ. निना बोराडे
आरोग्य अधिकारी
पुणे महानगरपालिका

37वें पुणे फेस्टिवल में हिंदी हास्य कवि सम्मेलन ने बांधा समां

महानगर नेटवर्क
पुणे

37वें पुणे फेस्टिवल के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित हिंदी हास्य कवि सम्मेलन ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। इस विशेष कवि सम्मेलन में देशभर से आए प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली के प्रसिद्ध हास्य कवि सुदीप भोला, राजस्थान (केकरी) के बुद्धिप्रकाश दधीच, रतलाम की सुमित्रा सरल और उज्जैन के हिमांशु बावंदर ने व्यंग्य, हास्य और प्रणय का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। हिमांशु बावंदर की प्रस्तुतियां "जिधर

देखो उधार किसे बीवी के" और "आये भाई, जरा देख के भरो" ने राजनीति और समाज पर व्यंग्य करते हुए दर्शकों को खूब हंसाया। वहीं, सुमित्रा सरल की प्रेमभाव से सराबोर रचना "समंदर ही नदी की धार की कलकल बदलता है" ने श्रोताओं को भावविभोर किया। कार्यक्रम का संचालन पुणे के द्वारका प्रसाद जालान ने अपनी खास शैली में किया, जबकि पुणे के कवि दिलीप शर्मा ने सूत्रसंचालन की जिम्मेदारी निभाई। शर्मा ने कहा, "घर लौटने पर मेरी मां मुझसे यह नहीं पूछेगी कि मैंने कितने पैसे कमाए, बल्कि यह पूछेगी कि मैंने कितने लोगों के दिलों में जगह बनाई।"कवियों की रचनाओं ने दर्शकों को हंसी और भावनाओं से भरे सफर पर ले जाया। कवि सम्मेलन देर रात तक चलता रहा और हर कविता पर गड़गड़ाहट भरी तालियों से दर्शकों ने कवियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ, पुणे फेस्टिवल के उपाध्यक्ष कृष्णकुमार गोयल, मुख्य संयोजक एड. अभय छाजेड और पुणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद शिंदे उपस्थित थे।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड ऑफिस नं. 12, अ और ब, सी.टी.एस. नं. 40/1, बी 2, संगम प्रोजेक्ट फेस 1, डॉ आंबेडकर रोड, आर.टी.ओ के पास पुणे-411001, से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 020-26059198 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

'जीरो पावर्टी' का 3.72 हजार परिवारों को लाभ : सीएम

मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

यूपी की योगी सरकार ने दस माह में प्रदेश के 13 लाख से अधिक निर्धनतम परिवारों को गरीब से मुक्त करने के लिए जीरो पावर्टी अभियान के लिए चिन्हित किया है। इतना ही नहीं, 3 लाख 72 हजार से अधिक परिवारों को अभियान का लाभ दिया जा चुका है। योगी सरकार की यह उपलब्धि गरीब कल्याण के संकल्प को दर्शाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में 'जीरो पावर्टी अभियान' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रदेश के ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर लाना है, जो अब भी बुनियादी जरूरतों और सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं। अभियान के

तहत हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवार को चिन्हित करने का लक्ष्य रखा गया था। ऐसे में अभियान के जरिये प्रत्येक चिन्हित परिवार को बहुआयामी सहायता प्रदान की जा रही है। इसमें रोजगार, आजीविका, आवास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है।

जीरो पावर्टी अभियान के तहत अगस्त-25 तक प्रदेश में 13,32,634 परिवारों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 3,72,000 परिवारों को योजना का लाभ भी दिया गया है। अभियान के तहत सबसे अधिक निर्धन परिवारों की पहचान आज़मगढ़ में हुई, जहां 42,082 परिवार चिन्हित किए गए। इसके बाद जौनपुर में 39,374 परिवार, सीतापुर में 36,571 परिवार, हरदोई में 30,050 परिवार और प्रयागराज में 28,935 परिवार चिन्हित किये गये। ऐसे में अभियान में निर्धन परिवारों को चिन्हित करने में आजमगढ़ पहले, जौनपुर दूसरे, सीतापुर तीसरे, हरदोई चौथे और प्रयागराज पांचवें स्थान पर है। इन जिलों में चलाए गए विशेष अभियान, पंचायतों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से अधिक से अधिक परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न मंचों से कहा है कि योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन-स्तर सुधारना है। हमारा लक्ष्य केवल गरीबी कम करना नहीं, बल्कि इसे समाप्त करना है। जीरो पावर्टी अभियान उत्तर प्रदेश को गरीबी-मुक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह गरीब परिवारों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने का प्रयास है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी देखने को मिल रही है। सीएम योगी वर्ष 2027 तक प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

घुमंतू और विमुक्त जातियों के बोर्ड का गठन

राजधानी लखनऊ में रविवार को विमुक्त जाति दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर सीएम ने एलान किया कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी। साथ ही कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराया जाएगा। नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियों ने देश में विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। कभी मुगलों तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। सीएम ने आगे कहा कि इनके पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया। इसके तहत इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। सीएम ने कहा कि सरकार ने वनटांगिया समाज को राजस्व गांव का दर्जा दिया। मताधिकार का अधिकार दिया। उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं चलाईं। अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, चार लोगों की मौत, सात घायल

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। धमाके से आलम का पूरा मकान मलबे में तब्दील हो गया, जिसमें आलम, उनकी पत्नी और दो बेटों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में चार मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि सात या इससे अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है।

वोट चोरी पर कांग्रेस का आरोप सिर्फ निराशा

कांग्रेस के पास मुद्दे खत्म हो गए हैं : राजभर

महानगर नेटवर्क
वाराणसी

उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बिहार में चुनाव में वोट चोरी का आरोप पूरी तरह से झूठ और हताशा से भरा हुआ है। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि पहली बार वोट चोरी कांग्रेस के पंडित नेहरू ने की थी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को हराने के लिए चुनाव में धांधली की गई थी। दूसरी बार वाराणसी में मतपेटी को गंगा नदी में फेंका गया था। इसलिए आज कांग्रेस का यह आरोप सिर्फ निराशा और बौखलाहट का नतीजा है।

राहुल गांधी के बयान पर यह बोले राजभर

राजभर ने राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि "जब कोई पार्टी जनता का विश्वास खो देती है, तो वह गाली-गलौज पर उतर आती है। राहुल गांधी और उनके साथी बौखलाहट में भाषा का दुरुपयोग कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहना और आरएसएस को गाली देना इस बात का सबूत है कि कांग्रेस के पास मुद्दे खत्म हो चुके हैं।

अखिलेश यादव पर भी बिफरे ओपी राजभर

सुभासपा प्रमुख ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव बिहार यात्रा पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ रथ पर सवार होकर घूम रहे हैं। लेकिन सच यह है कि मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस को धोखा देने वाले अखिलेश को बिहार जाने की मजबूरी मुसलमान वोट बैंक के दबाव में पड़ी है.बिहार में यह गठबंधन अंततः भाजपा की सरकार बनने का रास्ता साफ करेगा। गौरतलब है कि बिहार में इन दिनों कांग्रेस, राजद और सपा की साझा रथयात्रा निकाली जा रही है, जिसके जरिए भाजपा को घेरने की कोशिश हो रही है।

कल्कि की पावन भूमि को जिहादियों का अड्डा नहीं बनने देंगे : विनोद बंसल

महानगर नेटवर्क
संभल

संभल हिंसा को लेकर गठित न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में हुए खुलासों को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कहा है कि संभल को जिस तरह से जिहादी अड्डा बनाने का कुत्सित प्रयास हुआ है वह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विहिप ने यह भी कहा कि संभल ही नहीं संपूर्ण देश के हिंदुओ को सजग रहने की आवश्यकता है। विश्व हिंदू परिषद किसी भी सूरत में कल्कि की पावन भूमि को जिहादियों का अड्डा नहीं बनने देगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने यूनिवार्ता से बातचीत के दौरान रविवार को यह बातें कहीं।

बंसल ने कहा कि संभल की रिपोर्ट ने देश की आंखें खोल दी हैं। न्यायिक आयोग ने जो रिपोर्ट दी है उसमें जो खुलासे हुए हैं, उससे हिंदू समाज को सजग और सचेत हो जाना चाहिए। जिस तरह से सत्यव्रत नगर को संभल बनाया गया और फिर संभल से उसको जिहादी अड्डा बनाने का कुत्सित प्रयास हुआ वह आंखें खोल देने वाला है। स्वाधीनता के बाद भी जिहादी तुष्टीकरण की नीति के वर्चस्व का शिकार वहां के निवासी इस हद तक हुए कि न सिर्फ जीवन और धर्म अपितु पूरी सम्पतियों को छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए।

बसंल ने कहा कि संभल में लगातार आतंकियों का पोषण हुआ। अवैध देशविरोधी गतिविधियों का संचालन और हिदू द्रोही गतिविधियों का केद्र बनाया गया। कल्कि धाम की पावन भूमि को कलंकित कर वहां पर एक नया जिहादिस्तान खड़ा करने की कोशिश की गई। पिछले 70 वर्षों में 15 से अधिक बार सुनियोजित साजिश के तहत जानलेवा सामूहिक हमले हुए। उन्होंने कहा कि यदि पूज्य योगी आदित्यनाथ की सरकार न होती तो यह अकल्पनीय है कि वहां के हिदुओ की क्या स्थिति होती। 2019 की वह घटना जिसके माध्यम से हिंदुओं पर हमले हुए। यदि स्थानीय पुलिस सक्रिय, सजग और सक्षम न होती तो न हमारा धर्म स्थल बचता न ही उसका पालन करने वाले। सम्पूर्ण भारत के अंदर इसी तरह का रिपिटेशन जगह जगह सेकुलर गैंग के नेताओं के प्रश्रय में जिहादियों को आगे करके हिंदुओं पर किए जा रहे हैं।

संभल पर विश्व हिंदू परिषद हुई एक्टिव

आठ आईपीएस अफसरों के तबादले

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

यूपी में रविवार को आठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। शामली के पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम को पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र को पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू, उप्र बनाया गया है। इसी तरह श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक घनश्याम को पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिष्ठान, उप्र बनाया गया है। श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ से पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात की जिम्मेदारी मिली है। राहुल भाटी को पुलिस अधीक्षक, एसएसएफ, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, श्रावस्ती बनाया गया है। पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर में तैनात पुलिस उपायुक्त लाखन सिंह यादव को सेनानायक, 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ भेजा गया है। नरेंद्र प्रताप सिंह को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, बागपत से पुलिस अधीक्षक, शामली के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस उपायुक्त /अपर पुलिस उपायुक्त के रूप में तैनात डॉ प्रवीण रंजन सिंह को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर बनाया गया है।

डीजे और बैंडबाजे इस्लामी तालीम के खिलाफ : बरेलवी

बरेली। धार्मिक आयोजनों में बढ़ते दिखावे और शोरगुल को लेकर यूपी के बरेली शहर से बड़ा संदेश सामने आया है। बरेलवी मसलक से जुड़े जाने-माने उलेमा मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने शरीयत के हवाले से कहा है कि मजहबी जुलूसों में डीजे, बैंडबाजे और नाच-गाने की इजाजत नहीं है। मौलाना ने इस तरह की गतिविधियों को शरीयत के खिलाफ करार देते हुए मुस्लिम नौजवानों को इससे परहेज करने की नसीहत दी है। मौलाना शहाबुद्दीन का कहना है कि ईद मिलादुन्नबी, उर्स और अन्य मजहबी जुलूस इबादत का जरिया हैं न कि मनोरंजन या दिखावे का।

बरसाना में धूमधाम से मनाया गया श्रीराधारानी का जन्मोत्सव

ब्रह्म मुहूर्त में पंचामृत से किया अभिषेक

महानगर नेटवर्क
मथुरा

जिले के बरसाना में श्रीराधारानी का जन्मोत्सव से धूमधाम से मनाया गया, ब्रह्म मुहूर्त में श्रीराधा रानी का पंचामृत से आज रविवार को सुबह चार बजे अभिषेक किया गया। दूध, दही, शहद, इत्र आदि का पंचामृत तैयार किया गया जिससे राधा रानी का अभिषेक किया गया। इस बार राधारानी के जन्मोत्सव पर देश-विदेश के लाखों संख्या में श्रद्धालु श्रीराधा जी के अभिषेक के साक्षी बने। जैसे ही सांझ ढली, गलियां रंग-बिरंगी झालरों से जगमगा उठीं, हर चौक और मंदिर में राधे-राधे की ध्वनि गूंज उठी। लाडली जू के महल की ओर जाते श्रद्धालुओं के मुख पर

बधाई गीत थे और यह दृश्य मानो संपूर्ण नगर को भक्ति-रस में डुबो रहा था। सखियां भी श्रृंगार कर आल्हा और बधाई पदों पर थिरक उठीं, महिलाएं समूह बनाकर पद गातीं तो बच्चे ढोलक-करतल की ताल पर झूमते नजर आए। इस बार अनूठी बात यह रही की इस बार राधा रानी के जन्मोत्सव के पूर्व संध्या पर बरसाना में भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया जिसे देखकर दर्शक प्रफुल्लित हो गए। वहीं नंदगांव और बरसाना के गोस्वामी समाज अपनी पारंपरिक वेशभूषा में कल शाम से ही बरसाना मंदिर पहुंचे और शाम से ही बधाइयां गाना शुरू हो गया और सुबह तड़के ही पंचामृत से राधा रानी जी का महाभिषेक किया गया। लगभग 10 कुंतल दूध, 10 कुंतल दही, 11 किलो गाय का दूध भी, 11 किलो शहद आदि से पंचाभिषेक किया गया।

देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आए

राधा रानी का नाम मूला भी है क्योंकि उनका जन्म मूल नक्षत्र में हुआ था, उसके लिए 27 तीर्थ का जल 27 कुओं का जल, 27 तीर्थ की रज और 27 वृक्षों के पत्ते लाए गए, जिससे कि उनकी मूल शांति की गई। देश-विदेश से लाखों की श्रद्धालु संख्या में श्रद्धालु बरसाना पहुंचे, जगह-जगह लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था कराकर श्रद्धालुओं को राधा रानी जी के दर्शन उपलब्ध कराए गए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश, एसएसपी श्लोक ने खुद बरसाना मंदिर पर नजर बनाए रखी।

खेत में अर्धनग्न हालत में मिली युवती की लाश

प्रेमी पर हत्या का आरोप

अयोध्या। जिले से एक युवती का गांव के बाहर खेत में अर्धनग्न हालत में शव मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। साथ ही मामले की जांच में जुट गई। आशंका है कि युवती की हत्या की गई है। वहीं मृतका के प्रेमी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

घटना कैंट क्षेत्र के पलिया शाहाबादी गांव का है। बताया गया कि रविवार की सुबह पलिया शाहाबादी गांव निवासी सत्तू धान के खेत में सिंचाई के लिए गया तो उसने राम मूरत निषाद के धान के खेत के बगल एक युवती का अर्धनग्न हाल में पड़ा शव देखा। मृतका उसी के गांव की थी इसलिए वह उसको पहचान गया और मामले की जानकारी मृतका के परिवार और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई। मृतका का सलवार उसके गले में कसा हुआ मिला है। जिसके कारण आशंका जताई जा रही है

बिहार चुनाव में आकाश को बसपा की कमान

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने पूरी तरह से कमर कस ली है। मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान के साथ ही भतीजे आकाश आनंद को बिहार की कमान सौंपी है। रविवार को सोशल मीडिया पर एक्स पर मायावती ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, बिहार चुनाव को लेकर पिछले दो दिन तक चली समीक्षा बैठक में उम्मीदवारों के चयन सहित पार्टी के हर स्तर की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

मायावती ने कहा कि बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उन्हें अगले महीने के प्रारंभ से शुरू होने वाले पार्टी की यात्रा व जनसभा आदि कार्यक्रमों के सम्बंध में विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है।

विंध्याचल रेलवे स्टेशन को मिलेगी नई सौगात

महानगर नेटवर्क
मिर्जापुर

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने रविवार को परिवार संग मां विंध्यवासिनी के चरणों में शीश नवाने के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन पूजन के बाद विंध्याचल रेलवे स्टेशन के साथ अमृत भारत योजना के तहत कराएं जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जल्द ही विंध्यधाम आने वाले श्रद्धालुओं को नवनिर्मित स्टेशन भवन सौगात के रूप में मिलेगी। इस दौरान जोनल रेलवे बोर्ड सलाहकार के सदस्य राजन पाठक ने विंध्याचल, अयोध्या, प्रयागराज व काशी से जोड़ने के लिए वंदे भारत ट्रेन चलाने

की मांग की। इस पर चेयरमैन ने आश्वासन दिया कि बोर्ड की बैठक में इसकी चर्चा की जाएगी। जहां तक होगा श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा मिले। पत्रकारों से वार्ता के दौरान रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने कहा कि आज मां का आशीर्वाद लेने आया हूं। हमारी रेल अच्छी चले सुरक्षित चले यही मां विंध्यवासिनी से कामना की है। इसके बाद विंध्याचल रेलवे स्टेशन को भी देखा है मैं यहां हमेशा आता रहा हूं।नार्थ सेंट्रल रेलवे में महाप्रबंधक के पद पर भी रह चुका हूं। विंध्याचल रेलवे स्टेशन का निर्माण जिस तरीके के प्लानिंग के साथ की गई थी अब वह उसी तरीके से उभर कर आ रहा है।

कुछ कार्य बाकी रह गए हैं उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा अभी बिल्डिंग में बनना बाकी है वह भी जल्द पूरा हो जाएगा। लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं एवं बचे हुए कार्य आगामी पांच से छह माह में पूरे कर लिए जाएंगे। हमारे यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए बहुत ही अच्छी व्यवस्था रेलवे दे रहा है पहले रेलवे की बिल्डिंग कैसी थी अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में जो हमारे अमृत भारत स्टेशन के तहत विंध्याचल रेलवे स्टेशन का लगभग 30 करोड की लागत से कराया जा रहा है।

अयोध्या से विंध्याचल तक वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग

ब्रेक के बजाय गलती से दबाया एक्सीलेटर, दुकान में घुसी स्कार्पियो

महानगर नेटवर्क
आजमगढ़

देवगांव कोतवाली क्षेत्र के गोसाईगंज बाजार में रविवार की सुबह करीब 11 बजे एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने भीषण हादसा कर दिया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पहले पानी की सप्लाई करने वाली ढाला मैजिक को टक्कर मारी, फिर ममता राय की आटा चक्की की दुकान की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोसाईगंज बाजार निवासी गुफरान अहमद (55 वर्ष), जो एक जनरल स्टोर और जूता-चप्पल की दुकान चलाते हैं, अपने दामाद को स्कॉर्पियो चलाना सिखा रहे थे। देवगांव की ओर से आ रही स्कॉर्पियो जैसे ही बाजार में पहुंची, तेज रफ्तार के कारण वह अनियंत्रित हो गई। चालक ने ब्रेक लगाने के बजाय गलती से एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे वाहन ने ढाला मैजिक को टक्कर मारते हुए चालक दिवेश राय और पानी सप्लाई करने वाले गनेश को चपेट में ले लिया। इसके बाद स्कॉर्पियो आटा चक्की की दुकान में जा घुसी।

फेक सर्टिफिकेट से MBBS में एडमिशन पर नए सिरे से जांच

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित उपश्रेणी के फर्जी प्रमाणपत्रों को लगाकर एमबीबीएस में दाखिला लेने वालों छात्रों की जांच में नया खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि प्रमाणपत्रों पर बारीकी से जिलाधिकारियों के हस्ताक्षर किए गए। साथ ही मुहर लगाने के साथ ही पत्रांक भी दर्ज कर दिया।

ऑनलाइन नीट काउंसिलिंग के दौरान पुख्ता व्यवस्था करने का दावा किया गया था। हर स्तर पर चेकलिस्ट बनाई गई थी, लेकिन काउंसिलिंग में धांधली करने वाले रैकेट ने इस बार भी सेंध लगा दी।

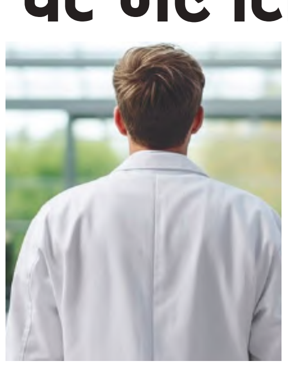

खास बात यह है कि अभी तक जाति एवं अन्य तरह के प्रमाणपत्रों में गड़बड़ी नहीं मिली है, लेकिन इनकी भी नए सिरे से जांच शुरू हो गई है।

71 छात्रों ने दाखिला भी ले लिया था

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों की संख्या कम होती है। ऐसे में इस पर ध्यान भी कम जाता है। फर्जी तरीके से दाखिला कराने वाले रैकेट ने इस वर्ष इसी प्रमाणपत्र पर फोकस किया। यही वजह है कि 79 छात्रों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित उपश्रेणी के प्रमाण पत्रों को लगाया। इनमें 71 ने दाखिला भी ले लिया था। अब इसमें 64 के दाखिले निरस्त कर दिए गए हैं। अन्य की जांच चल रही है। जिलाधिकारियों ने चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय को भेजी रिपोर्ट में साफ कहा है कि प्रमाणपत्रों में जिलाधिकारी के हस्ताक्षर फर्जी हैं।

सामूहिक दुष्कर्म से पैदा हुई बच्ची की मौत

वाराणसी। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता से पैदा हुई बच्ची की रविवार की सुबह छह बजे मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मासूम बच्ची के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। सामूहिक दुराचार के बाद पीड़िता को पिछले सात दिनों पूर्व सोमवार की रात 12 बजे अचानक पेट में दर्द होने पर उसके मामी-मामा और परिजन पंडित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ऑटो से ले जा रहे थे, तभी डुबकियां बाजार के समीप पहुंचते ही हालत गंभीर हो गई। ऑटो चालक एक निजी क्लीनिक पर ले गया, जहां उसे एक बच्ची पैदा हुई। क्लिनिक पर खास कोई व्यवस्था न होने के

कारण परिजनों ने उसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचने के लिए एम्बुलेंस के लिए डायल 108 पर फोन किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। इस पर परिजनों ने ऑटो से ही पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया। बच्ची पैदा होने के बाद पीड़िता अपने मामा के गांव पहुंची, जहां पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो कांस्टेबल व महिला आरक्षी तैनात किए गए। पीड़िता के मामा ने बताया कि सुबह बच्ची बिल्कुल सामान्य थी।

अखिलेश यादव बोले- 'अवध में हराया, अब मगध में हराएंगे'

महानगर नेटवर्क
लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव द्वारा शुरू की गई 'वोटर अधिकार यात्रा' में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव की भी एंट्री हुई। इस यात्रा में अखिलेश यादव ने खुली जीप पर सवार होकर जनसमर्थन जुटाया, जिससे सोशल मीडिया पर तीन लड़कों की जोड़ी की चर्चा का दौर शुरू हो गया। वहीं अखिलेश यादव ने इस कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- 'पहले अवध में हराया, अब मगध में हराएंगे'। अब अखिलेश के इस

बयान ने बीजेपी पर सीधा हमला बोला और बिहार की सियासत को गरमा दिया। अखिलेश ने राहुल और तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होकर 'तीन लड़कों की जोड़ी' पर चर्चा का दौर शुरू कर दिया। आज उन्होंने कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर कर लिखा "पहले अवध में हराया, अब मगध में हराएंगे!" बता दें कि 'वोटर अधिकार यात्रा' के मंच से सपा के अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर हमला बोला है. इस दौरान अखिलेश यादव ने तेजस्वी के काम की तारीफ की और बीजेपी को चुनाव से बाहर करने का दावा किया।

हाईकोर्ट का आदेश अपलोड करने में हुई देरी, सुप्रीम एक्शन

सचिव की स्टेनो बुक जब्त करने का निर्देश

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

हाई कोर्ट का आदेश अपलोड होने पर में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा ऐक्शन लिया है। शीर्ष अदालत ने जज के सचिव की स्टेनो बुक जब्त करने का निर्देश दे दिया, ताकि यह पता चल सके कि आदेश कब टाइप किया गया था और उसमें कब सुधार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को अपलोड करने में हुई देरी पर संज्ञान लेते हुए दिया।

मामले की जांच की जाए

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने इस बात पर गौर किया कि यह फैसला 31 जुलाई 2025 का था। 20 अगस्त तक इसे हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया गया। बेंच ने कहा कि मामले की विवेकपूर्ण जांच की जाए और आदेश को टाइप एवं अपलोड किए जाने के बारे में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) से रिपोर्ट हासिल की जाए। बेंच ने कहा कि 20 अगस्त को मामले पर विचार करते हुए उसने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी थी। 29 अगस्त को मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि रजिस्ट्रार जनरल ने 22 अगस्त को न्यायाधीश के सचिव से स्पष्टीकरण मांगा था। उसने कहा कि सचिव ने 22 अगस्त को स्पष्टीकरण दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सचिव ने आदेश अपलोड किए जाने के समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। उन्होंने सिर्फ इतना बताया था कि न्यायाधीश एक अगस्त से 20 अगस्त के बीच कुछ चिकित्सा प्रक्रिया एवं सर्जरी से गुजरे थे। बेंच ने कहा कि सचिव की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने की तिथि पर आदेश अपलोड किया गया था।

हालांकि, इस तथ्य का जिक्र उन्होंने ही किया था। उसने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह आदेश 31 जुलाई को पारित नहीं किया गया था, बल्कि वास्तव में यह हाई कोर्ट के आदेश के बाद दिया गया था। न्यायाधीश के सचिव की स्टेनो बुक जब्त करने का निर्देश दिया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आदेश कब टाइप किया गया था और उसमें कब सुधार किया गया था।

आज से तीन दिन कर्नाटक-तमिलनाडु के दौरे पर राष्ट्रपति मुर्मू

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर जाएंगी। उनके कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, एक सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू कर्नाटक के मैसुरु स्थित अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान के हीरक जयंती समारोह में शामिल होंगी। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू दो सितंबर को तमिलनाडु के चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, ''तीन सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू तिरुवरुर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।''

35 साल बाद कश्मीर में फिर खुला शारदा भवानी मंदिर

मुस्लिम बोले- घाटी पंडितों की जन्मभूमि

महानगर नेटवर्क

बडगाम

कश्मीरी पंडित समुदाय ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शारदा भवानी मंदिर को तीन दशकों से भी ज्यादा समय बाद फिर से खोल दिया। इस समारोह में स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भारी भागीदारी रही। मध्य कश्मीर जिले के इचकूट गांव में 'मुहूर्त' और 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ आयोजित इस समारोह में कश्मीरी पंडित परिवारों का एक ग्रुप 1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर घाटी में उग्रवाद भड़कने के बाद पहली बार अपने पैतृक स्थान पर लौटा। इस दौरान एक मुस्लिम बुजुर्ग ने कहा कि कश्मीर घाटी कश्मीरी पंडितों की जन्मभूमि है और दोनों समुदाय साथ-साथ पले-बढ़े हैं। बडगाम स्थित शारदा स्थापना समुदाय के अध्यक्ष सुनील कुमार भट्ट ने कहा, "हम कह सकते हैं कि यह पाकिस्तान स्थित शारदा माता मंदिर

की एक शाखा है। हम लंबे समय से इस मंदिर को फिर से खोलना चाहते थे। स्थानीय मुसलमान भी यही चाहते थे। वे हमें नियमित रूप से आकर मंदिर की पुनर्स्थापना करने के लिए कहते थे।"

उन्होंने कहा कि पंडित समुदाय ने 35 साल बाद मंदिर को फिर से खोला है। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि यह (सभा) एक वार्षिक आयोजन होगा और हम माता रानी से प्रार्थना करते हैं कि समुदाय के सदस्य जल्द ही कश्मीर लौट आएं।" भट्ट ने कहा कि कुछ कश्मीरी पंडितों ने, जिनमें से ज्यादातर प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे हैं।

जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता हो सकता है : गडकरी

महानगर नेटवर्क

नागपुर

अक्सर अपने भाषण को लेकर चर्चा में रहने वाले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर नेताओं को लेकर जो बयान दिया है, उसकी काफी चर्चा हो रही है। नितिन गडकरी ने कहा, "जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वो ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है।"

नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में बोलते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा, "बोलना आसान है, करना कठिन है, मैं अधिकारी नहीं हूं लेकिन मैं इसकी अनुभूति करता हूं, क्योंकि मैं जिस क्षेत्र में काम करता हूं, वहां मन से सच बोलने पर मनाही है।"

नितिन गडकरी ने कहा, "वहा हौसे, नवसे, गवसे (ये मराठी की कहावत है) सब लोग है, और जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वो ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है।" उन्होंने कहा, "एक बात सच है। भगवान श्रीकृष्ण ने लिख कर रखा है, श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंतिम विजय यहां सत्य की होती है।"

नितिन गडकरी ने कहा, "कोई चीज प्राप्त करने के लिए शॉर्टकट है, शॉर्टकट से आदमी जल्दी पहुंचता है..नियम तोड़कर रास्ता क्रॉस करना है तो लाल सिग्नल हो, या फिर छलांग लगाकर जा सकते हैं लेकिन एक फिलॉसफर ने कहा है कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने होनेस्टी, क्रेडिबिलिटी, समर्पित भाव, सत्य यह जो वैल्यूज हैं, इन सब का समाज में महत्व है।"

बता दें कि नितिन गडकरी बीजेपी में एक ऐसे नेता हैं, जो अपने खुले अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें जो बात कहनी होती है, वह साफ और सीधे तरीके से जनता के सामने कह देते हैं। उनका कहना है कि मैं काम करता हूं, अगर आप लोगों को अच्छा लगे तो मुझे वोट करना, नहीं तो मत करना। उनके स्वभाव की वजह से ही उनके खिलाफ विपक्षी नेता भी कम ही बयान देते हैं।

समुद्र में युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में जुटी नौसेना

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

चीन की बढ़ती नौसैना ताकत के मद्देनजर भारत अपनी समुद्री युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में लगा है। इसके लिए अगले साल के मध्य तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के दो बड़े पनडुब्बी सौदों को अंतिम रूप दे सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पहला सौदा तीन स्कॉर्पीन क्लास पनडुब्बियों के लिए है, जिनका निर्माण मझगांव डॉक लिमिटेड (MDL) और फ्रांस की रक्षा कंपनी नेवल ग्रुप मिलकर करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने करीब 36,000 करोड़ रुपये के इस सौदे को दो साल पहले मंजूरी दे दी थी, लेकिन तकनीकी और वित्तीय शर्तों को लेकर बातचीत में देरी हुई है।

दूसरा बड़ा सौदा 6 डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों के निर्माण का है, जिसकी अनुमानित लागत 65 हजार करोड़ रुपये है। एक सूत्र ने

बताया, 'हमें उम्मीद है कि अगले साल के मध्य तक दोनों सौदों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।' जर्मनी के प्रमुख जहाज निर्माता थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (TKMS) ने इस प्रोजेक्ट के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। सूत्रों ने बताया कि सौदे की लागत पर बातचीत जल्द ही शुरू होगी और करार पूरा होने में पूरी प्रक्रिया में 6 से 9 महीने लग सकते हैं।

2 स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना में शामिल

देश की समुद्री मारक क्षमताओं को बढ़ाते हुए भारतीय नौसेना ने बीते मंगलवार को 2 स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया। इनमें से प्रत्येक पोत 8 ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस है। इन्हें स्वदेशी निर्माताओं की ओर से विकसित अपडेटेड हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित किया गया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान में 2 अत्याधुनिक प्रोजेक्ट 17ए के तहत बने स्टील्थ फ्रिगेट्स को शामिल किया गया। इनका जलावतरण ऐसा पहला अवसर है जब दो अलग-अलग शिपयार्ड में निर्मित अग्रिम पंक्ति के दो जंगी पोतों को एकसाथ जलावतरण समारोह में शामिल किया गया।

पंजाब में आतंकी संगठन BKI के दो गुर्गे गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

अमृतसर

आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के दो आतंकियों को स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) ने रविवार की दोपहर गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल, मैगजीन और तीन कारतूस बरामद किए हैं। प्राथमिक पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने बीकेआइ के चीफ हरविंदर सिंह रिंदा के इशारे पर पंजाब की पुलिस इमारतों को निशाना बनाना है। एआईजी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि इस माड्यूल के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए

छापामारी की जी रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस गैंग में आधा दर्जन से ज्यादा आतंकी काम कर रहे हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों की पहचान गुरदासपुर जिले के मलियां गांव सरवन कुमार और जकड़ियां गांव निवासी बलविंदर सिंह के रूप में बताई है। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने दोनों को धर लिया और तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़। जिले में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने अपने प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला जवां ब्लॉक के गोधा इलाके थाने का है। तालिवनगर स्थित सरकारी स्कूल की छात्रा ने जब स्कूल जाने से मना किया तो उसकी मां ने पूछताछ की इसके बाद पूरी कहानी सामने आई। प्राथमिक जूनियर हाईस्कूल के प्रिंसिपल शकील अहमद पर स्कूल में पढ़ने वाली 7वीं की करीब 11 वर्षीय छात्रा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की मां ने बेटी से पूरी जानकारी जुटाने के बाद डीएम-एसएसपी से घटना की शिकायत की। शिकायत पर पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों समेत प्रवासियों के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में रविवार को हजारों लोग आव्रजन विरोधी रैलियों में शामिल हुए और प्रदर्शन की प्रचार सामग्री में भारतीय प्रवासियों को भी निशाना बनाया गया. हालांकि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इन आयोजनों की निंदा करते हुए प्रदर्शनों को नफरत फैलाने वाला और नियो-नाजियों से जुड़ा बताया है. 'मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया' नाम की रैलियों के लिए जारी किए गए विज्ञापन में भारतीय मूल के निवासियों को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो अब वहां की जनसंख्या का तीन प्रतिशत हैं. एक पर्चे पर लिखा था, 'पांच साल में जितने भारतीय आए हैं,

उतने तो 100 साल में ग्रीक और इटालियन भी नहीं आए. यह सिर्फ एक देश से आए हैं, जिसके बारे में हम जानते हैं कि प्रवास का सांस्कृतिक प्रभाव पड़ता है. यह कोई मामूली सांस्कृतिक बदलाव नहीं है, ऑस्ट्रेलिया कोई ऐसा आर्थिक क्षेत्र नहीं है जिसके संपत्ति का अंतरराष्ट्रीय शोषण किया जा सके।' कार्यक्रम से पहले फेसबुक पर जारी की गई प्रचार सामग्री में भारतीयों का भी जिक्र किया गया था।

भारत का सपोर्ट कर ट्रंप पर भड़के चीनी एक्सपर्ट कहा: यह सरासर बदमाशी है

महानगर नेटवर्क

बीजिंग

टैरिफ मामले में अमेरिका से चल रही तनातनी के बीच भारत और चीन करीब आने लगे हैं। एससीओ बैठक में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रविवार को मुलाकात हुई। चीन और भारत के संबंधों में कई सालों बाद आ रहे सुधार के बीच चीनी एक्सपर्ट्स भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साध रहे हैं। एक टॉप चीनी एक्सपर्ट ने ट्रंप द्वारा भारत और अन्य देशों पर टैरिफ लगाए जाने को क्लास का सबसे बड़ा बच्चा लोगों के लंच के

पैसे चुरा रहा है के रूप में बताया है। साथ ही, उन्होंने इसे सरासर बदमाशी करार दिया है।

एक्सपर्ट ने ट्रंप के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने व्यापार के बल पर भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए मजबूर किया। बीजिंग स्थित थिंकटैंक ताइहे इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो एइनार टैंगन ने बातचीत में कहा, "इसमें ट्रंप की कोई अहम भूमिका नहीं थी। यह उनकी समझ से परे की बात थी। और अगर आप उन सभी 'युद्धों' पर गौर करें जिन्हें उन्होंने समाप्त किया है, तो वे अभी भी लड़ रहे हैं।" एइनार टैंगन ने कहा कि ट्रंप के मामले में, बहुत सारी बयानबाजी है, लेकिन हकीकत कुछ और है। टैरिफ के बारे में, उन्होंने और भी स्पष्ट रूप से कहा, "यह तो सरासर बदमाशी है, कक्षा का सबसे बड़ा बच्चा घूम-घूम कर लोगों के लंच के पैसे चुरा रहा है।

चमोली में जमीन फटने से हड़कंप, 35 लोगों को किया गया रेस्क्यू

महानगर नेटवर्क

चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदा नगर ब्लॉक के कुतरी गांव में फली इलाके में अचानक जमीन फटने की घटना ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी। इस हादसे के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 35 प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जमीन में नमी बढ़ने से यह घटना हुई, जिससे क्षेत्र में भूस्खलन और आपदा का खतरा और गहरा गया है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिससे पहाड़ी इलाकों में स्थिति और

चिंताजनक हो गई है।

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक कुतरी गांव के फली इलाके में जमीन में दरारें पड़नी शुरू हुईं, जो देखते ही देखते बड़ी-बड़ी दरारों में तब्दील हो गईं. इस घटना से दहशत फैल गई, और लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण जमीन में नमी बढ़ गई, जिससे यह हादसा हुआ. जिला प्रशासन ने तुरंत आपदा प्रबंधन टीम को सक्रिय किया और 35 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पूज्य श्री लोकेशानंद जी महाराज के सानिध्य में दिव्य श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

पुरी/जगन्नाथपुरी धाम। श्री जगन्नाथ जी के पावन सानिध्य में जगन्नाथपुरी धाम हॉलिडे रिसोर्ट में आयोजित दिव्य श्रीमद्भागवत कथा का तृतीय दिवस श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। कथा व्यास पीठ पर श्री नारायण भक्ति पंथ के प्रवर्तक एवं श्री श्री नारायणपुरम, शाहदा धाम के संस्थापक अनंत श्री विभूषित संत श्री लोकेशानंद जी महाराज ने भागवत प्रसंगों का रसपान कराते हुए नारायण नाम महिमा और संकीर्तन के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेष अवसर पर कथा में पधारे डॉ. संबित पात्रा (सांसद, पुरी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा) ने अपने उद्बोधन में कहा कि "भगवान

जगन्नाथ जी रथयात्रा के माध्यम से जनता के बीच दर्शन देने आते हैं, यह लोकतंत्र का श्रेष्ठ उदाहरण है। महाप्रभु को छप्पन भोग सहित जो भात, दाल और परंपरागत सब्ज़ियों का भोजन अर्पित किया जाता है, वह सदियों से वैसा ही है। आयातित अन्न या सब्ज़ियों (जैसे टमाटर, मूली, आलू आदि) का रसोई में प्रवेश वर्जित है। इससे बड़ा राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता का संदेश और क्या हो सकता है!" कथा में अयोध्या से पधारे महामंडलेश्वर श्री राघवाचार्य जी महाराज ने आशीर्वचन दिए। साथ ही पं. कैलाश जी (बगलामुखी तारा शक्ति पीठ, बिजाना, शाजापुर) तथा श्री अलीजा सरकार हनुमान मंदिर, इंदौर के महंत जी का भी पावन सानिध्य मिला। कार्यक्रम के मुख्य यजमान महेंद्र पीडी अग्रवाल व प्राची अग्रवाल सुपुत्र युवराज रहे, जिन्होंने अतिथियों का आदरपूर्वक स्वागत किया। इस मौके पर श्री नारायण भक्त पंथ, मुंबई के अध्यक्ष अनिल गलगली, सचिव हितेश शेट्टी, भाजपा मध्यप्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोसिया सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। मुंबई, इंदौर, उज्जैन, रामपुरा, कल्याणपुरा, भोपाल, आलोट व शाहदा से आए नारायण भक्तों ने इस दिव्य कथा का धर्मलाभ लिया।

म्यांमार में 3.3 तीव्रता के भूकंप के झटके

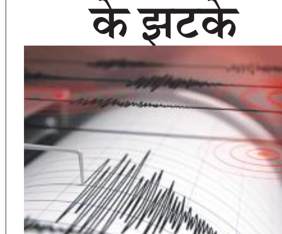

महानगर नेटवर्क

नाएप्यीडॉ

भारत के पड़ोसी म्यांमार में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ये भूकंप रविवार सुबह 9 बजकर 4 मिनच 11 सेकंड पर आया है। इसके पहले शनिवार रात को भी म्यांमार में भूकंप के झटके आए थे। भूकंप के डर से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी (NCS) के अनुसार, म्यांमार में रविवार सुबह 3.3 तीव्रता का भूकंप आया है। इस भूकंप का केंद्र अक्षांशः 26.60 उत्तर, देशांतरः 96.06 पूर्व में रहा है। इसकी गहराई जमीन से 30 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई है। इसके पहले शनिवार रात को म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए। एनसीएस के अनुसार, शनिवार रात 10 बजकर 35 मिनट 32 सेकंड पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप का केंद्र अक्षांशः 15.30 उत्तर, देशांतरः 96.35 पूर्व में रहा है। इसकी गहराई जमीन से 25 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई है। शनिवार रात भूकंप म्यांमार के दक्षिणी तट के पास आया था। 4.5 की तीव्रता के भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत का माहौल हो गया।

मार्च में आया था विनाशकारी भूकंप

म्यांमार में 28 मार्च 2025 को विनाशकारी भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता 7.7 आंकी गई थी।

पेज 1 का शेष

भारत-चीन में दोस्ती की नई दास्तान

'हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी'

शी जिनपिंग ने कहा कि विश्व परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। भारत और चीन दो प्राचीन सभ्यताएं और सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। इसलिए, दोस्त और अच्छे पड़ोसी बनना, साथ ही ड्रैगन और हाथी का एक साथ चलना महत्वपूर्ण है।

शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन को बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने, बहुध्रुवीय विश्व लाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अधिक लोकतंत्र स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों को एशिया और विश्व में शांति व समृद्धि के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

'हम एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं'

चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि विकास के अवसर हैं। दोनों देश विकास और पुनरोद्धार के महत्वपूर्ण चरण में हैं और उन्हें विकास पर ध्यान देना चाहिए।

'सीमा मुद्दे संबंधों को परिभाषित नहीं करें'

शी जिनपिंग ने कहा कि चीन-भारत संबंध आशाजनक, स्थिर और दूरगामी हो सकते हैं। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि सीमा मुद्दे को समग्र भारत-चीन संबंधों को परिभाषित नहीं करना चाहिए।

प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार

विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी और शी ने पुष्टि की कि दोनों देश विकास साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं, और मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए।

'संबंधों को तीसरे देश के नजरिए से न देखें'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं और उनके संबंधों को तीसरे देश के दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों, जैसे आतंकवाद और निष्पक्ष व्यापार, पर सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

वोटर अधिकार यात्रा में खुद शामिल नहीं होंगी ममता बनर्जी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के नेताओं के बीच रविवार को जुबानी जंग देखने को मिली। दरअसल, बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करने लिए टीएमसी ने प्रतिनिधिमंडल भेज रही है। इसे लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की आलोचना की और कहा कि यात्रा में खुद शामिल होने के बजाय उन्होंने अपने दो नेताओं को भेजा है। कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'ममता ने बिहार दौरा इसलिए नहीं किया क्योंकि राहुल गांधी की तुलना में वह फीका नहीं पड़ना चाहती हैं।' अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'हिंदू, मुस्लिम और दलित को भी वोट देने

का अधिकार है। राहुल गांधी हर एक व्यक्ति के वोट देने के अधिकार की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। जब मोदी इस अधिकार को छीन लेना चाहते हैं, जब देश के सभी विपक्षी नेता लड़ने के लिए वहां पर मौजूद हैं तब बंगाल की मुख्यमंत्री नहीं जाना चाहती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि राहुल गांधी की तुलना में वह फीकी पड़ जाएंगी। यही कारण है कि वह नहीं जाएंगी।' मालूम हो कि 1 सितंबर को बिहार में वोट अधिकार यात्रा के अंतिम पड़ाव में यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी तृणमूल कांग्रेस की ओर से शामिल होंगे।

अधीर रंजन चौधरी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा, 'यह हमारा फैसला है कि बिहार कार्यक्रम में पार्टी का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, जिसे पहले से ही ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का समर्थन हासिल है। इसलिए वे अपने दो नेताओं को प्रतिनिधि के रूप में भेज रहे हैं। अधीर रंजन चौधरी को दुख हो रहा है क्योंकि बहरामपुर सांसद यूसुफ पठान इस प्रतिनिधिमंडल में हैं।

उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में अधीर रंजन चौधरी को हराया था।' इस मार्च को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 17 अगस्त को शुरू किया था। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (SIR) के जरिए लोगों के मतदान के अधिकार पर हमले का आरोप लगाया। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस भी एसआईआर का विरोध कर रही है।

अभी नहीं थमेंगे बादल, जमकर होगी बारिश, अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मॉनसून कहर बनकर बरस रहा है। जगह-जगह भारी बारिश से नदी और नाले उफान पर हैं। पहाड़ी राज्यों में बादल फटने से लोगों की जिंदगी आफत में पड़ी है। इसी बीच, मौसम विभाग ने आज भी कई जगहों पर बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, हरियाणा, बिहार और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के भी कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताई है। वहीं दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत कई राज्यों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें...

वास्तुशास्त्र का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। हमें वास्तुशास्त्र का ध्यान जरूर रखना चाहिए। वास्तु के मुताबिक, घर में सकारात्मक ऊर्जा रहने पर परिवार में सुख-समृद्धि, सुख, वैभव और अच्छी सेहत मिलती है। जबकि घर में नकारात्मक ऊर्जा होने पर व्यक्ति को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। घर में मंदिर में मां लक्ष्मी की प्रतिमा जरूर होनी चाहिए। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी के साथ ही कुछ देवताओं की प्रतिमा रखना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु एक्सपर्ट के मुताबिक घर में मां लक्ष्मी के साथ किस देवता की प्रतिमा रखें

भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्ति

वास्तु के अनुसार, भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति को घर के मंदिर में जरूर रखें। साथ ही, भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियों के सामने रोजाना दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में धन की कमी नहीं होगी।

कुबेर भगवान की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा के स्वामी कुबेर हैं। जिन्हें धन के देवता के रूप में जाना जाता है। मां लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की प्रतिमा भी रख सकते हैं।

विष्णु भगवान और मां लक्ष्मी की मूर्ति

घर के मंदिर में मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की प्रतिमा जरूर रखें। वास्तुशास्त्र के अनुसार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा मंदिर में रखना शुभ होता है।

मंदिर के बर्तनों को चमकाने के लिए घर पर बनाएं क्लीनिंग पाउडर

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। करवाचौथ से लेकर अहोई अष्टमी, धनतेरस, दिवाली जैसे कई बड़े त्योहार आने वाले हैं। इन सभी त्योहारों के दिन घर की महिलाएं घर के मंदिर को साफ करने के बाद ही उसमें पूजा करती हैं। दरअसल, रोज-रोज धूप-दीप जलाने से पूजा के बर्तन अकसर काले पड़ जाते है। ऐसे में उन्हें पूजा करने से पहले साफ करना जरूरी हो जाता है। पूजा में रखें तांबे-पीतल के बर्तन को साफ करने के लिए सिर्फ साबुन-सर्फ ही काफी नहीं होता है। उसके लिए आपको खास क्लीनिंग पाउडर की जरूरत पड़ती है। जिसे ज्यादातर लोग बाजार से खरीदकर लाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए आप घर पर ही बड़ी आसानी से क्लीनिंग पाउडर बना सकती हैं। आइए जानते है कैसे-

बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट से बना क्लीनर

रात को सोने से पहले एक बर्तन में बेकिंग सोडा और डिटर्जेंट का घोल बनाकर तैयार कर लें। पूजा के बर्तनों को भी इस घोल में भिगोकर रख दें। सुबह इन बर्तनों को स्क्रब करते हुए साफ पानी से धो लें। पूजा के बर्तन चमक उठेंगे।

सफेद सिरके का क्लीनर

पूजा के बर्तनों को साफ करने के लिए एक गिलास पानी में दो चम्मच सफेद सिरका डालकर उबाल लें। अब इस पानी में साबुन मिला लें। पूजा के बर्तन साफ करने के लिए आपका क्लीनर बनकर तैयार है। इससे बर्तनों को धोएं।

गेहूं के आटे का क्लीनर

दो बड़े चम्मच गेहूं का आटा, एक बड़ा चम्मच नमक और एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को बर्तनों पर लगाकर स्क्रब से रगड़ते हुए साफ करके पानी से धो लें।

होममेड पितांबरी पाउडर

एक बर्तन में आधा कप लाल मिट्टी (मिट्टी का दीपक तोड़कर भी बना सकते हैं), एक कप गेहूं का आटा, आधा कप बेकिंग सोडा, एक कप नमक, आधा कप साइट्रिक एसिड और आधा कप साबुन का पाउडर मिलाकर रख लें। इन चीजों को मिलाने से आपका होममेड पितांबरी पाउडर तैयार हो जाएगा।

बिंदी लगाने के लिए माथे की चुनें ये जगह

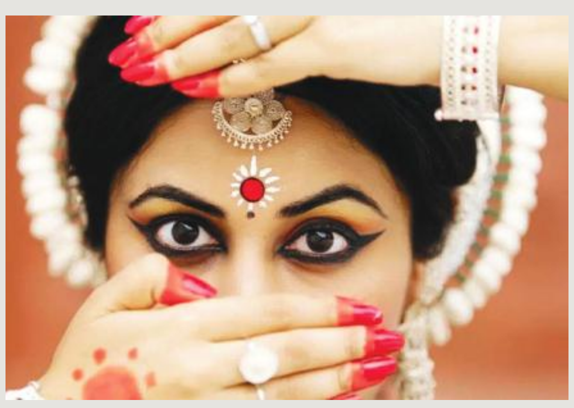

माथे पर बिंदी लगाना सुहागिन महिलाओं के लिए जरूरी होता है। कुंवारी लड़कियां भी बिंदी लगा सकती हैं और इसे लगाने से श्रृंगार पूरा हो जाता है। बिंदी लगाने की सबसे बड़ी खासियत है कि ये चेहरे को पूरी तरह से बदल देती है। अगर आप रोजाना बिंदी नहीं लगाती हैं और एक दिन लगाती हैं तो चेहरा बिल्कुल अलग नजर आता है। बिंदी की मदद से चेहरे का फोकस प्वाइंट बदल जाता है। जिससे फेस बिल्कुल अलग शेप में दिखता है। जानें माथे के बीच में कितनी ऊंचाई पर बिंदी लगाने से चेहरा लंबा और ओवल शेप में दिखने लगता है।

चेहरे का शेप दिखेगा अलग

1) अगर आप बिंदी दोनों आईब्रो के बीच में नीचे की तरफ लगाती हैं। तो इससे नाक पर फोकस प्वाइंट बनता है। ऐसा करने से नाक छोटी नजर आती है। जिन महिलाओं की नाक बड़ी है वो नाक छोटा दिखाने के लिए बिंदी को आईब्रो के बीचोंबीच थोड़ा नीचे लगा सकती हैं।

2) बिंदी अगर दोनों आईब्रो के ठीक बीच में लगाती हैं तो इससे चेहरा बिल्कुल राउंड शेप में नजर आता है। साथ ही सारा फोकस आंखों पर जाता है।

3) चेहरे को अगर ओवल शेप में दिखाना चाहती हैं तो बिंदी को ठीक आईब्रो के ऊपर लगाएं। ऐसा करने से आईब्रो पर नजर जाती है और चेहरा अंडाकार दिखता है।

4) बिंदी को अगर आईब्रो के बीच में थोड़ी ऊंचाई पर लगाती हैं तो इससे चेहरा भरा हुआ, लंबा और मैच्योर नजर आता है।

रीढ़ की हड्डी हेल्दी रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अरीढ़ की हड्डी को शरीर का सपोर्ट सिस्टम कहा जाता है। हर साल 16 अक्टूबर को वर्ल्ड स्पाइन डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य हर किसी को रीढ़ के स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताना और रीढ़ की चोटों और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। ऐसे में इस खास दिन पर जानिए कैसे स्पाइन को हेल्दी रखा जाए।

1) ज्यादा वजन रीढ़ की हड्डी पर अनावश्यक शारीरिक तनाव डाल सकता है। बहुत ज्याद वजन से समस्याएं बढ़ सकती हैं।
2) निकोटीन एक वैसोकॉन्स्ट्रिक्टर है, यह ब्लड वेसल्स को टाइट करता है, जिसकी वजह से ब्लड फ्लो भी कम होता है। ऐसे में रीढ़ की हड्डी में ऑक्सीजन और पोषण सीमित हो जाता है।
3) लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहने से रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को एक्टिव रखें। अगर काम पर लंबे समय तक बैठना है, तो बीच-बीच में ब्रेक लें। अपनी पीठ को लचीला रखने के लिए घूमें, टहलें और कभी-कभी व्यायाम करें।
4) योग काफी ज्यादा फायदेमंद होता है, जो मांसपेशियों को मजबूत और स्ट्रेच दोनों कर सकता है। योग की हर मुद्रा को करने से आपका खूब फायदा मिलेगा।
5) वॉटर थेरेपी पीठ की समस्याओं को कम करने में बहुत मददगार हो सकता है। वॉटर योग ताकत और आत्मविश्वास बनाने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है।
6) चाहे आप एक्सरसाइज के लिए चल रहे हों या कहीं जा रहे हैं, आपके द्वारा पहने जाने वाले जूते आपकी पीठ के निचले हिस्से को सहारा देने में जरूरी होते हैं। अच्छे जूते एक सपोर्ट करते हैं जो रीढ़ और शरीर को एक सीध में रहने में मदद करते हैं।
7) एक अच्छी पीठ की मालिश के कई फायदे हैं, जैसे ब्लड फ्लो में वृद्धि, तंग मांसपेशियों के आराम को बढ़ावा मिलता है। मालिश को रिलेक्सिंग बनाने के लिए जोरदार मालिश होना जरूरी नहीं है।

लाइफ में खुश रहने के लिए इन 5 बातों को जरूर जानें

सक्सेजफुल होने के लिए खुद पर फोकस करना जरूरी है। जब तक आप खुश होकर किसी काम को करने की शुरुआत नहीं करेंगे। सक्सेज आसानी से हाथ नहीं लगेगी। इसलिए लाइफ कोच अक्सर अपने आप में इस तरह के 4-5 बदलावों को लाने के लिए बोलते हैं। जिससे ना केवल आप सक्सेजफुल बनें बल्कि लाइफटाइम हैप्पी भी रहे।

खुद को एक्सेप्ट करना सीखें

दूसरों के प्रभाव में आकर खुद के अंदर फिजिकल या इमोशनल बदलाव लाने की जरूरत नही है। अगर आपको लगता है कि आप जैसे भी हैं अच्छे हैं तो किसी की बात का निगेटिव असर पर्सनैलिटी पर ना पड़ने दें।

काम पूरा करने के लिए पूरी मेहनत लगाएं

जब भी किसी काम की शुरुआत करें तो अपना बेस्ट दें। उस काम को पूरा करने के लिए अपनी पूरी मेहनत और लगन लगा दें। भले ही उस काम में सक्सेज ना मिले लेकिन मन में किसी भी तरह का पछतावा नहीं रहना चाहिए।

जिस चीज को पसंद करें वो काम करें

अगर आपको कोई काम अच्छा लगता है और वो पॉजिटिव काम करके खुशी मिलती है तो जरूर करें। अपनी हॉबी और शौक को पूरा जरूर करें। इससे मेंटल पीस मिलता है और आप ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

अपने आप पर भरोसा रखें

आत्मविश्वास जरूरी है किसी भी काम को लाइफ में पूरा करने के लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस रखें। तभी कठिन से कठिन काम को करना आासन हो पाएगा।

खुद पर जुल्म ना करें

किसी काम को पूरा करने के लिए या करियर में आगे बढ़ने के लिए भी अपनी फिजिकल या मेंटल हेल्थ के साथ खिलवाड़ ना करें। जितना हो सके बस उतना ही करें क्योंकि सेहत और लाइफ सबसे ज्यादा जरूरी है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

मक्खन का इस्तेमाल खाना बनाने में अक्सर किया जाता है। इससे बनी चीजों का स्वाद अलग ही होता है। सब्जी में मलाईदार टेक्सचर पाने के लिए मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल सही तरह से न किया जाए तो ये स्वाद को बिगाड़ सकता है। दरअसल, मक्खन बहुत जल्दी पिघल जाता है ऐसे में ध्यान हटते ही ये जल सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं मक्खन को जलने से रोकने के लिए कुछ बेहतरीन तरीकों के बारे में। ऐसा करके आप मक्खन को जलने से बचा सकते हैं।

__हीट लेवल को देखें-__ मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

__तेल के साथ करें मिक्स-__ इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

__मक्खन के रंग को देखें-__
जैसे-जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

__इस समय डालें मक्खन-__ मक्खन को जलने से बचाने के लिए इसे खाना पकने के अंत में डालें। आप सब्जी को आंच से उतारकर भी मक्खन डाल सकते हैं। इसकी गर्माहट से इसे धीरे से पिघलाया जा सकता है।

घर की साफ-सफाई का महत्व

घर की साफ-सफाई का महत्व तो हम सभी जानते हैं। भले ही सालभर में एक-दो बार त्यौहारों के दौरान ही घर की डीप क्लीनिंग हो,लेकिन रेगुलर बेसिस पर भी घर की बेसिक साफ-सफाई की जाती है। इसमें मुख्य रूप से झाड़ू और पोछा शामिल हैं। इंडियन घरों में तो खासतौर से झाड़ू लगाने के बाद जब तक पोछा ना मर दिया जाए, तब तक सफाई को कंप्लीट ही नहीं माना जाता। पोछा लगाने से घर की क्लीनिंग तो अच्छे तरीके से होती ही है लेकिन ये आपकी और भी तरीकों से मदद कर सकता है। जी हां, असल में आपकी रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें रखी हैं जिन्हें पोछे के पानी में मिला लेने से ना सिर्फ घर की क्लीनिंग में मदद मिलती है, बल्कि घर की नेगेटिव ऊर्जा भी दूर होती है। तो चलिए इन्हीं चीजों के बारे में आज बात करते हैं।

__पोछे के पानी में मिलाएं नमक__

नमक का इस्तेमाल महज खाने-पीने में ही नहीं बल्कि कई चीजों में किया जाता है। नमक एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है जिसका इस्तेमाल आप घर की कई चीजों को साफ करने में कर सकती हैं। सिर्फ यही नहीं वास्तु शास्त्र में भी नमक को नेगेटिव ऊर्जा दूर करने वाला बताया गया है। ऐसे में अगर आप पोछे के पानी में एक चम्मच नमक डालकर, सारे घर में उसका पोछा लगती हैं तो इसके बहुत फायदे हो सकते हैं। ये घर की सारी नेगेटिविटी को दूर कर, घर में एक सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद कर सकता है।

__कपूर से दूर होगी घर की नेगेटिविटी__

पोछे के पानी में आप कपूर की टिकिया भी मिला सकती हैं। कपूर भी एक बेहतरीन क्लीनिंग एजेंट है और साथ ही में हर तरह की नेगेटिविटी को दूर करने में भी बेहद कारगर है। इसी कारण पूजा-पाठ के दौरान भी कपूर जलाया जाता है। अगर आप कपूर मिले पानी से सारे घर में पोछा लगती हैं तो उससे घर की नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और घर में खुशहाली और सुख-समृद्धि आती है।

__नीम का पानी भी है कमाल__

नीम के एंटी बैक्टिरियल गुणों के बारे में तो आप जानते ही होंगे। कई बीमारियों की छुट्टी करने वाले नीम को पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है। बस नीम के पत्तों को पानी में उबाल लें। अब इस बचे हुए पानी को पोछे के पानी में मिला लें। सारे घर में इसी पानी का पोछा लगाने से घर की डीप क्लीनिंग तो होगी ही, साथ ही घर में पॉजिटिविटी भी बनी रहेगी।

__पोछे के पानी में मिलाएं थोड़ी हल्दी__

हेल्थ से लेकर क्लीनिंग तक, हल्दी के ढेरों फायदे हैं। सिर्फ यही नहीं भारतीय रसोई की शान हल्दी को धार्मिक रूप से भी बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप रोजाना पानी में थोड़ी सी हल्दी डालकर सारे घर में उसका पोछा मारती हैं, तो इससे घर की सफाई के साथ-साथ नकारात्मकता भी दूर होती है। हल्दी

सफाई के साथ एक भीनी स्मेल भी छोड़ती है, जो काफी फ्रेश फीलिंग देती है।

__गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल__

पोछे के पानी में आप गुलाब जल या एसेंशियल ऑयल्स जैसे लेवेंडर, रोज, टी ट्री ऑयल आदि की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं। ये आपके घर में एक ताजगी भरा माहौल बनाए रखेंगे। वास्तु के हिसाब से भी इन्हें पोछे के पानी में मिलाने से घर में एक पॉजिटिविटी बनी रहती है। इससे आपका स्ट्रेस स्लेवल भी कम होगा और घर में बिना किसी रूम फ्रेशनर के खुशबू-दार माहौल बना रहेगा।

भारत का विजय अभियान जारी

राजगीर। बिहार के राजगीर में हॉकी एशिया कप 2025 का आयोजन जारी है। इस दौरान रविवार को भारत ने अपने दूसरे मुकाबले में जापान को 3-2 से मात देकर अपना विजय अभियान जारी रखा। भारतीय हॉकी टीम के लिए हरमनप्रीत सिंह ने दो और मनप्रीत सिंह ने एक गोल दागा। वहीं, जापान की तरफ से कवाबे कोसी और कवाहार यामातो ने दो गोल किए। इससे पहले भारत ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 4-3 से हराया था।

जापान को मात देकर भारतीय टीम एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर-4 में प्रवेश कर गई है। इस जीत ने टीम इंडिया को पूल ए पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचा दिया। राजगीर के बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में भारत ने मंदीप सिंह के गोल से बढ़त हासिल की। उन्होंने तीसरे मिनट में फील्ड गोल दागा। फिर 5वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर लाइन रही। तीसरे क्वार्टर में जापान ने कावाबे कोसेई के गोल से वापसी की। कोसेई ने बैक हैंड शॉट खेला और बॉल को गोल पोस्ट के अंदर धकेल दिया। चौथे

क्वार्टर से ठीक पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। यह हरमनप्रीत का दूसरा और भारतीय टीम का तीसरा गोल था। फाइनल व्हीसिल से ठीक पहले जापान के कावाबे कोसेई (58वें मिनट) ने अपना और टीम का दूसरा गोल दागा। हालांकि, वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

टीम की लगातार दूसरी जीत

गौरतलब हो कि भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के धुआंधार गोल की बदौलत भारतीय टीम एक के बाद एक मैच अपनी झोली में डालती जा रही है। बिहार के राजगीर में चल रहे एशिया कप में जापान के साथ भारतीय टीम का यह दूसरा मुकाबला था, जिसे टीम ने जीत लिया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चीन को 4-3 से हराकर की, लेकिन यह जीत आसान नहीं थी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर हैट्रिक बनाकर अपनी विशेषज्ञता साबित की, फिर भी डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी दिखी। किसी भी टीम की जीत में फॉरवर्ड लाइन का स्कोर करना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आगे के सभी मैचों को जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी इस लय को बरकरार रखना होगा। खैर, जापान को दो 3-2 से मात देने के पहले भारतीय टीम ने चीन को 4-3 से हराकर विजय का शंखनाद किया था। टीम को इसका लाभ मिल रहा है। चीन और जापान पर जीत से टीम में उत्साह है।

चोट से रिकवर करने में पंत को अभी लगेगा समय

नई दिल्ली। ऋषभ पंत ने अपनी चोट पर बड़ा अपडेट दिया है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पैर के अंगूठे में चोट आई थी, जिसके बाद से वो क्रिकेट मैदान से दूर ही रहे हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके बाएं पैर पर अब भी पट्टा बंधा हुआ है। पंत इस तस्वीर में जिम में अभ्यास करते दिख रहे हैं, और साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा कि उन्हें न जाने अभी इस तरह कितने दिन और गुजारने होंगे। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने इससे कुछ दिन पूर्व एक और सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया था। उसमें उन्होंने अपने प्लास्टर लगे पैर की तस्वीर साझा की और बताया कि उन्हें इस तरह की परिस्थिति से नफरत है। वहीं एक वीडियो में उन्होंने पैर से प्लास्टर उतार कर दिखाया, लेकिन उंगली 2 उंगलियों पर पट्टी बंधी हुई थी। वो रिकवरी करते हुए लाइफ को इंजॉय भी करते दिखे, क्योंकि वो खुद पिज्जा बनाते भी नजर आए थे। अभी तक ऋषभ पंत के रिटर्न की तारीख पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन कुछ सप्ताह पहले एक रिपोर्ट सामने आई कि पंत को इस चोट से रिकवर करने में कम से कम 6 सप्ताह लग सकते हैं। पंत को यह चोट तब आई, जब वो मैनचेस्टर टेस्ट में क्रिस वोक्स के खिलाफ रिवर्स स्वीप लगाने का प्रयास कर रहे थे। गेंद, बैट से लगने के बजाय सीधे उनके पैर पर जाकर लगी। इसी चोट के कारण पंत सीरीज का आखिरी टेस्ट नहीं खेल पाए थे। उन्हें एशिया कप स्क्वाड में भी स्थान नहीं मिला है। उसके बाद भारत, 2 टेस्ट मैचों के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। यह देखने योग्य बात होगी कि इस अगली टेस्ट सीरीज से पहले पंत फिट हो पाते हैं या नहीं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में अंपायरिंग करेंगे अरविंद अचल

दरभंगा। कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों। कवि दुष्यंत कुमार की ये पक्तियां दरभंगा के अरविंद अचल पर बिलकुल सटीक बैठती हैं। दरअसल अरविंद अचल ने अंतरराष्ट्रीय अंपायर बनकर बिहार के नाम एक और उपलब्धि जोड़ दी है। अरविंद ने आज ये साबित कर दिया है कि अगर कुछ करने का जज्बा हो तो मुश्किलें भी आपका रास्ता नहीं रोक सकती हैं। दरभंगा जिले के मनीगाछी अंतर्गत आने वाले मकरंदा गांव के निवासी हैं। वो मिथिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉक्टर टुनटुन झा अचल के बेटे हैं। अरविंद ने दरभंगा और पटना के साइंस कॉलेज से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की और उसके बाद इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री हासिल की. अभी फिलहाल वह स्विट्जरलैंड में कार्यरत हैं। **बचपन से क्रिकेट में थी रूचि:** अरविंद को बचपन से ही क्रिकेट में काफी दिलचस्पी थी. 90 के दशक के अंत में उन्होंने अपने विश्वविद्यालय के लिए क्रिकेट खेला. लगभग दो दशक पहले जब वह दिल्ली में कार्यरत थे।

6 छक्के... रिंकू सिंह ने मचाया गदर

एशिया कप से पहले खेली विस्फोटक पारी

नई दिल्ली। रिंकू सिंह एशिया कप के स्क्वाड में शामिल है, जो कुछ दिन में यूएई रवाना होने के लिए टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। अभी वह यूपी टी20 लीग में खेल रहे हैं, जिसमें वह मेरठ मावेरिक्स के कप्तान हैं। शनिवार को उन्होंने काशी रुद्रास के खिलाफ हुए मुकाबले में विस्फोटक पारी खेली, 6 छक्कों की मदद से उन्होंने नाबाद 78 रन बनाए. हालांकि बावजूद इसके प्लेयर ऑफ़ द मैच उन्हें नहीं मिला।

पहले बल्लेबाजी करते हुए कशी रुद्रास सिर्फ 135 रन ही बना पाई थी। गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने मेरठ के लिए 4 ओवरों के अपने स्पेल में 33 रन देकर 4 विकेट लिए. कार्तिक को मैच का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ के कप्तान रिंकू सिंह ने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और लक्ष्य को 16वें ओवर में ही हासिल कर टीम को 7 विकेट से जीत दिलाई।

रिंकू सिंह ने उड़ाए छक्के-चौके

रिंकू ने शुरुआत संभलकर ही की थी, 13 ओवरों के बाद उनका स्कोर 33 गेंदों पर 25 रन था, लेकिन फिर उन्होंने अपने गियर बढ़ाए। उन्होंने 16वें ओवर में अटल बिहारी राय की 4 में से 3 गेंदों पर छक्के और 1 चौका मारा। इससे पिछले ओवर में भी उन्होंने शिवा सिंह के ओवर में 2 छक्के और 1 चका जड़ा था। रिंकू ने 48 गेंदों में 162.50 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 78 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और इतने ही चौके जड़े।

ओलंपिक में पदक जीतने को तैयार लवलीना

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकी भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने हाल ही में खुलासा किया है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने का विचार कर रही थीं। लेकिन वहां पदक चूकने के बाद उन्होंने अपना फैसला टाल दिया। असम की यह मुक्केबाज आगामी विश्व चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करने के लिए तैयार है और उनका लक्ष्य ओलंपिक में दूसरा पदक जीतना है। लवलीना ने कहा कि अगर वह पेरिस में पदक जीत लेतीं तो संभवतः वह मुक्केबाजी को अलविदा कह देतीं। उन्होंने कहा, 'मैंने पेरिस तक खेलने की योजना बनाई थी। अगर मैं वहां पदक जीतती तो शायद खेल छोड़ देती। लेकिन अब मैं फिर से वापसी के लिए तैयार हूं।' टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना पिछले

साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर हैं। रिंग से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपनी अकादमी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्घाटन जून में गुवाहाटी में हुआ। लवलीना ने कहा, 'जब मैंने अपनी अकादमी शुरू करने के बारे में सोचा तो मैंने पेरिस (ओलंपिक) तक खेलने की योजना बनाई थी और उसके बाद मैं संन्यास ले सकती थी, लेकिन पेरिस में नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा मैंने सोचा था। अगर मैं वहां पदक जीत लेती तो खेल को अलविदा कह सकती थी।'

बिक्री की शुरुआत के 24 घंटे बाद भी भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट नहीं बिके

नई दिल्ली। किसी भी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट सबसे जल्दी बिक जाते हैं। लेकिन, 14 सितंबर को एशिया कप में होने वाले भारत-पाक मुकाबले के टिकट बिक्री की शुरुआत के 24 घंटे बाद भी बचे हुए हैं। कारण है, टिकट बिक्री का पैकेज सिस्टम।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट खरीदने के लिए दर्शकों को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा है। सबसे सस्ता पैकेज 33 हजार 600 रुपए का है। जबकि बैंड लाउंज पैकेज की कीमत 3 लाख 12 हजार रुपए है। इस बार 7 मैच के पैकेज में भारत-यूएई, भारत-पाकिस्तान, B1-B2, A1-A2, A1-B2, A1-B1 और फाइनल मैच शामिल हैं। यानी बाकी मुकाबलों की तुलना में भारत-पाक मैच देखने के लिए दर्शकों को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। आयोजक भारत-पाक मैच के जरिए अन्य मैचों में भी दर्शकों को आकर्षित करना चाह रहे हैं, इसलिए उन्होंने यह पैकेज सिस्टम लागू किया है। एशिया कप में कुल 12 ग्रुप मैच होने हैं। इनमें से 11 मैचों के टिकट आम तौर पर 1200 रुपए (जनरल) से लेकर 12 हजार रुपए (ग्रैंड लाउंज) तक उपलब्ध हैं।

भारतीय फैन रविकांत का कहना है कि उनके ऑफिस में कई लोग महंगे पैकेज की वजह से टिकट नहीं ले पाए। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मैच के करीब आते-आते सिर्फ भारत-पाक मैच का टिकट भी उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी प्रशंसक हसन अब्बास ने बताया कि टिकट पैकेज देखकर पहले निराशा हुई, लेकिन क्वालिफायर और फाइनल समेत 7 मैचों की डील खराब नहीं है।

भारत आएगी पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम

राजगीर। पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम भारत में चेन्नै और मदुरै में इस साल के आखिर नवंबर में होने वाले जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में शिरकत करने आएगी। इस बात की पुष्टि हॉकी इडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने शनिवार को यहां पुरुष हॉकी एशिया कप के दौरान की। भोला नाथ ने कहा, 'मेरी पाकिस्तान हॉकी संघ (पीएचएफ) से बात हुई है और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि पाकिस्तान की जूनियर हॉकी भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप मे शिरकत करने आएगी।' दरअसल पाकिस्तान के यहां चल रहे एशिया कप में न आने के बाद यह कयास भी लगाए जाने थे कि वह भारत में जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में शिरकत नहीं करेगा। भोलानाथ सिंह ने कहा, 'जहां तक पाकिस्तान के यहां पुरुष हॉकी एशिया कप में खेलने न आने की बात तो आखिर तक अनिश्चय बना रहा है और आखिरी समय तो ऐसे भी संकेत आए कि पाकिस्तान की टीम खेलने आ रही है।' मौजूदा भारतीय हॉकी टीम के बारे में भोला नाथ सिंह ने कहा, 'हमारे पास आज भी अब अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह चुके मौजूदा गोलरक्षक पी आर श्रीजेश और मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह का आज भी कोई विकल्प नहीं है। अच्छी बात यह है कि टीम में बाकी जगहों को लेकर हर खिलाड़ी के एक नहीं अनेक विकल्प हैं। हमारे पास खासतौर पर जूनियर भारतीय हॉकी टीम में कई ऐसे प्रतिभासम्पन्न खिलाड़ी है जो कि सीनियर टीम के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं।

दलीप ट्रॉफी में आयुष की डबल सेंचुरी, गढ़ा कीर्तिमान

223 गेंदों पर नाबाद 204 रन

नई दिल्ली। बेंगलुरु में खेले गए दलीप ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में आयुष बडोनी ने शानदार नाबाद डबल सेंचुरी ठोकी और इसके दम पर नॉर्थ जोन ने ईस्ट जोन पर पहली पारी में 833 रन की बढ़त हासिल की। इतना ही नहीं, नॉर्थ जोन की टीम ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली। यह मैच चौथे और अंतिम दिन ड्रॉ पर खत्म हुआ।

दरअसल, नॉर्थ जोन (North Zone Duleep Trophy 2025 Semi Final) ने तीसरे दिन का खेल 388/2 से आगे बढ़ाया और अपनी पारी 658/4 पर घोषित की। उन्हें ईस्ट पर 833 रनों की लीड मिल चुकी थी, जिसके बाद दोनों टीमों ने हाथ मिलाकर मैच खत्म करने का फैसला किया। मैच में आयुष बडोनी (Ayush Badoni) ने 223 गेंदों पर नाबाद 204 रन बनाए। रातभर 56 रन पर टिके रहे बडोनी ने 123 गेंदों में शतक पूरा किया और इसके बाद और आक्रामक अंदाज में बैटिंग की। उन्होंने 222वीं गेंद पर चौके के साथ अपना दूसरा प्रथम श्रेणी डबल शतक पूरा किया। आखिरी घंटे में उन्होंने 55 गेंदों पर 54 रन बनाए। उनके साथ कनहैया वधावन (23*) भी नाबाद लौटे। कप्तान अंकित कुमार, जिन्होंने 168 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई थी, डबल सेंचुरी से चूक गए और 198 रन पर मुख्तार हुसैन की गेंद पर सुरज जायसवाल को कैच थमा बैठे। उनके और बडोनी के बीच तीसरे विकेट के लिए 150 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद बडोनी ने निशांत सिंधु (68 रन) के साथ 157 रन जोड़ते हुए टीम को 600 रन के पार और 700 से ज्यादा की बढ़त दिलाई। बडोनी ने 222वीं गेंद पर चौका जड़कर अपना दूसरा प्रथम श्रेणी दोहरा शतक पूरा किया। आखिरी घंटे में उन्होंने 55 गेंदों पर 54 रन बनाए। वहीं, कनहैया वधावन 23 रन पर नाबाद रहे।

औकिब नबी को उनकी शानदार गेंदबाजी (5 विकेट) के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। बता दें कि नॉर्थ जोन का अब दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 4 सितंबर को साउथ जोन से सामना होगा।

शमी और मुकेश की चोट ने बढ़ाई परेशानी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (Mohammed Shami) ने दूसरी पारी में 11 ओवर फेंके, लेकिन आखिरी दिन मैदान पर मौजूद होने के बावजूद वह गेंदबाजी करने नहीं आए। तीसरे दिन का आखिरी सेशन भी उन्होंने नहीं खेला था।

गेंद 223
रन 204

तिलक की जगह कप्तानी करेंगे अजहरुद्दीन

नई दिल्ली। केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को नोर्थ जोन के खिलाफ चार सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल के लिए तिलक वर्मा की जगह दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया। तिलक वर्मा को पहले दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्हें टी20 एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए वह आगे दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल पाएंगे। 4 सितंबर को भारतीय खिलाड़ियों को दुबई पहुंचना है, जबकि दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल भी इसी दिन से शुरू होने हैं। तिलक वर्मा के साथ अजहरुद्दीन टीम के उप-कप्तान थे और अब उप-कप्तान की भूमिका तमिलनाडु के एन जगदीशन को सौंप दी गई है। तमिलनाडु के आर साई किशोर भी सेमीफाइनल में नहीं खेलेंगे, क्योंकि वह अभी चोट से उबर रहे हैं। पुडुचेरी के अंकित और आंध्र के शेख रशीद को दलीप ट्रॉफी के अंतिम चार के मैचों के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है।

लंबे समय के बाद ब्रेंडन टेलर की टीम में वापसी

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे की टीम घर पर श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है, इस सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम को 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा वनडे मैच हरारे के मैदान पर खेला जा रहा है, जिसमें टॉस हारने के बाद जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। लंबे समय के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करने वाले जिम्बाब्वे टीम के अनुभवी खिलाड़ी ब्रेंडन टेलर पहले मुकाबले में अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे तो वहीं दूसरे मैच में वह 20 रनों की पारी खेलने में कामयाब हो सके। टेलर ने अपनी इस पारी के दम पर एक बड़ा मुकाम अपने इंटरनेशनल करियर में हासिल कर लिया है। ब्रेंडन टेलर हरारे के मैदान पर खेले जा रहे सीरीज के दूसरे वनडे मैच में जब बल्लेबाजी के दौरान अपने 11 रन पूरे किए तो वह इंटरनेशनल क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट मिलाकर जिम्बाब्वे की तरफ से 10000 रन पूरे करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। टेलर से पहले जिम्बाब्वे के लिए ये कारनामा फ्लावर बंधुओं की जोड़ी ने किया था, जिसमें लिस्ट में पहले नंबर पर एंडी फ्लावर का नाम है, जिन्होंने कुल 320 इंटरनेशनल पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 11580 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद लिस्ट में दूसरे नंबर पर ग्रांट फ्लावर का नाम है जो 337 पारियों में 10028 रन बनाने में कामयाब हुए थे।

अब तक ऐसा रहा है ब्रेंडन टेलर का करियर

इंटरनेशनल क्रिकेट में ब्रेंडन टेलर के करियर को लेकर बात की जाए तो उन्होंने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर अब तक कुल 287 मैच खेले हैं, जिसमें 320 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 33.92 के औसत से 10009 रन बनाने में कामयाब हुए हैं। टेलर के बल्ले से इस दौरान 17 शतकीय और 57 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली है।

सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग को मिली हार

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को मेंस डबल्स सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए मेडल पक्का करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

आपको बता दें कि चीनी जोड़ी के खिलाफ दो मैचों में यह भारतीय जोड़ी की पहली हार थी। इससे पहले पिछले साल थाईलैंड ओपन के फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय, सिंगापुर, मलेशियाई और चीन ओपन के बाद यह सात्विक-चिराग की इस साल की पांचवीं सेमीफाइनल हार थी। भारतीय जोड़ी ने इस मैच में धमाकेदार शुरुआत की और शुरुआत में ही 4-0 की बढ़त बना ली और मिडिल स्टेज तक 11-5 की बढ़त के साथ मैच में आगे थी।

ब्रेक के बाद चीनी जोड़ी ने जोरदार वापसी की और 14-13 से बढ़त बना ली और तीसरे गेम पॉइंट पर पहला मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फिर से 5-1 की बढ़त बना ली, हालांकि अंतराल पर उनकी बढ़त 11-9 रह गई। आखिरी गेम में, चेन बोयांग और लियू यी ने शानदार अंदाज में बाजी पलट दी और 9-0 की बढ़त बना ली और भारतीय जोड़ी को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप में सात्विक-चिराग का यह दूसरा ब्रॉन्ज मेडल है, इससे पहले उन्होंने 2022 में टोक्यो में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

घर में पधारे गजानन जी...

विलेपार्ले में स्थापित कदम परिवार के यहां विराजमान गजानन महाराज की सुंदर प्रतिमा

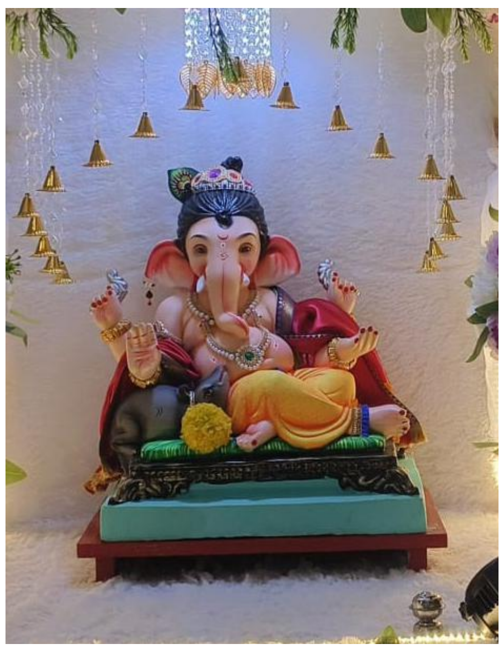

विद्या विशाल जाधव के निवास स्थान पर विराजे गणेश जी महराज

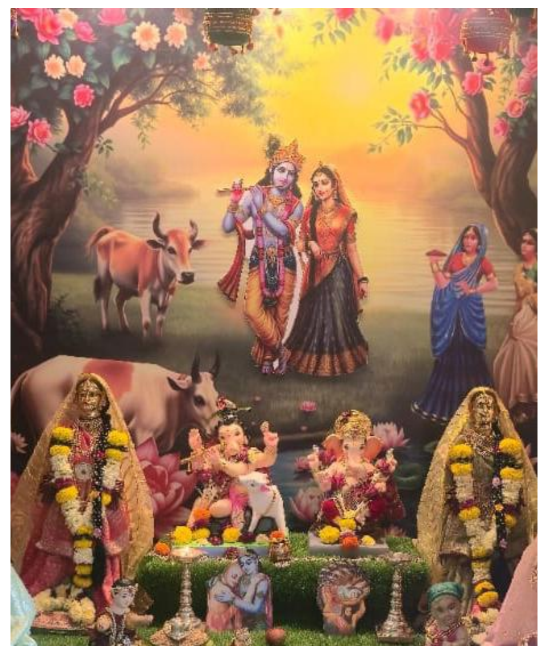

सामाजिक कार्यकर्ता किशोर वारे के घर पर स्थापित गौरी गणपति

आदित्यराज, शांति सदन, टैगोर नगर, विक्रोली पूर्व में आशिष उपाध्याय के घर विराजमान श्री गणेश की सुन्दर प्रतिमा।

साईं सोलिटेयर नवघर रोड, मुलुंड पूर्व में विसन जी पटेल के घर पर विघ्नहर्ता श्री गणेश की मनमोहक मूर्ति।

कियारा आडवाणी ने फिल्म परम सुंदरी की तारीफ की

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म परम सुंदरी की तारीफ की है। तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी फिल्म परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 29 अगस्त को रिलीज हुयी है।

कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में फिल्म 'परम सुंदरी' की तारीफ की है। उन्होंने लिखा 'एक बेहतरीन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म जो आपके चेहरे पर एक गहरी मुस्कान छोड़ जाती है'। उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ मलहोत्रा को टैग करते हुए लिखा 'परम आप पर्दे पर बिल्कुल जादू की तरह अदाकारी कर रहे थे। हर बीट, हर फ्रेम पर आपका कब्जा था। आप सहज, आकर्षक और बिल्कुल सही थे। आपकी कॉमिक टाइमिंग ने इसे और भी बेहतरीन बना दिया।' कियारा आडवाणी ने जान्हवी कपूर को टैग करते हुए लिखा 'सुंदरी आप बहुत प्यारी हैं। आपका अभिनय भी लाजवाब था, आप बहुत शानदार लग रही थीं।' कियारा ने फिल्म के सिनेमैटोग्राफर संथाना कृष्णन की भी सराहना की। उन्होंने लिखा 'आपने कमाल कर दिया, हर फ्रेम बेहद खूबसूरत और मनोरम था।' कियारा ने निर्देशक तुषार जलोटा और पूरी टीम के लिए लिखा 'इस फिल्म को एक साथ बानाने लिए बधाई।'

शाहिद कपूर ने पूरी की विशाल भारद्वाज संग फिल्म की शूटिंग

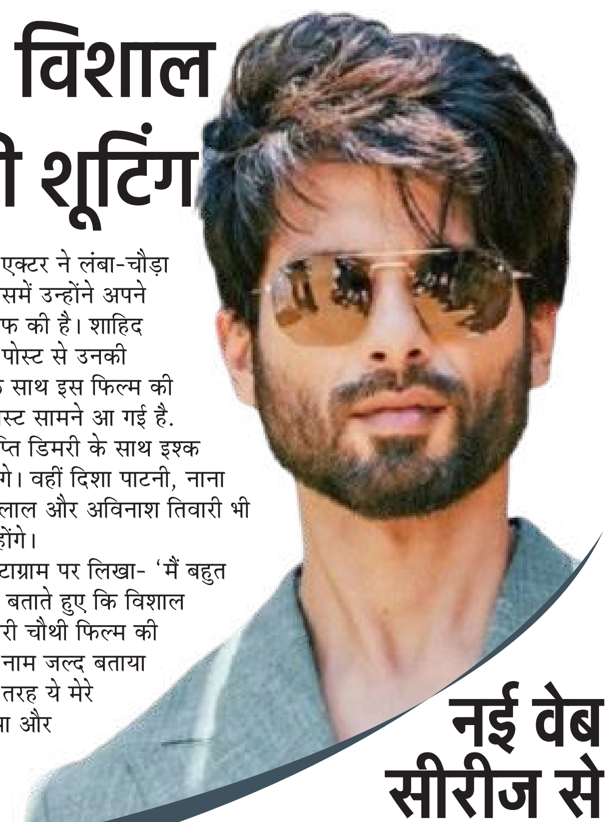

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर के फैंस के लिए अब एक गुड न्यूज है। एक्टर ने फिल्म निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म के टाइटल का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है लेकिन शाहिद ने रैप अप पोस्ट के साथ फिल्म की स्टार कास्ट से पर्दा उठा दिया है। साथ ही शाहिद ने ये भी बताया है कि बहुत जल्द उनकी इस फिल्म का टाइटल अनाउंस किया जाएगा। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर विशाल भारद्वाज के साथ अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है। फिल्म के सेट पर खींची गई इस फोटो में विशाल भारद्वाज शाहिद को कुछ समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं, तस्वीर में सामने रखा कैमरा भी दिखाई दे रहा है।

इस फोटो के साथ एक्टर ने लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार्स की तारीफ की है। शाहिद कपूर के इंस्टाग्राम पोस्ट से उनकी विशाल भारद्वाज के साथ इस फिल्म की स्टार कास्ट की लिस्ट सामने आ गई है. फिल्म में एक्टर तृप्ति डिमरी के साथ इश्क फरमाते नजर आएंगे। वहीं दिशा पाटनी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी फिल्म का हिस्सा होंगे।

शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मैं बहुत ही एक्साइटेड हूं ये बताते हुए कि विशाल भारद्वाज के साथ मेरी चौथी फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई. नाम जल्द बताया जाएगा. हमेशा की तरह ये मेरे लिए एक नई दुनिया और एक बेहद अलग किरदार है. ये मेरे लिए बहुत स्पेशल है।'

नई वेब सीरीज से धमाका करेंगे मुनव्वर फारूकी

जानेमाने स्टैंड-अप कॉमेडियन और बिग बॉस फेम मुनव्वर फारूकी जल्द ही अपनी नयी फिल्म और वेबसीरीज की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। स्टैंड-अप के माइक से लेकर टीवी स्क्रीन और अब बड़े पर्दे तक, मुनव्वर फारूकी ने अपनी जर्नी को नया मोड़ दिया है।एक समय था जब बस स्टेज, माइक और दर्शक ही उनका संसार थे, और आज वह अपने करियर का सबसे बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। वह ,नई वेब सीरीज़ और अपनी डेब्यू फिल्म, दोनों की शूटिंग लगभग एक साथ शुरू करने जा रहे हैं। प्रखर गुप्ता के पॉडकास्ट में मुनव्वर ने कहा,फर्स्ट कॉपी का दूसरा सीज़न पूरा शूट हो चुका है और साल के अंत तक रिलीज़ होगा। इसके अलावा एक नई वेब सीरीज़ और फिल्म की शूटिंग भी एक ही समय पर शुरू करेंगे।

बीच-बीच में मेरे स्टैंड-अप शो भी प्लान हैं। इंटरनेशनल टूर्स भी बाकी हैं, जिन्हें धीरे-धीरे पूरा कर रहे हैं। भले ही मुनव्वर ने फिल्म और शो की कहानी और जॉनर पर चुप्पी साध रखी हो, लेकिन डबल अनाउंसमेंट ने फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज़ पैदा कर दिया है।

'लव एंड वॉर' के सेट से रणबीर कपूर का कैज़ुअल अंदाज आया सामने

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट से रॉकस्टार रणबीर कपूर का कैज़ुअल अंदाज सामने आया है। लव एंड वॉर के सेट पर रणबीर कपूर हाल ही में नजर आए। यह फिल्म काफी समय से चर्चा में है और प्रशंसक इसे देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जैसा कि हमेशा की तरह, रणबीर इस बार भी अपने सिंपल लेकिन स्टाइलिश लुक में दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने ब्लैक टी-शर्ट और ग्रे पैंट पहनी हुई थी। संजय लीला भंसाली फिल्म लव एंड वॉर के साथ एक बार फिर निर्देशक की कुर्सी पर लौट रहे हैं।

यह फिल्म जबरदस्त ड्रामा और ग्रैंड विजुअल्स का शानदार मेल दिखाने का वादा करती है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म जरिए पहली बार ये तीनों सितारे एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। ऐसे में फैन्स और फिल्म इंडस्ट्री में इसे लेकर पहले से ही काफी चर्चा है। यह बड़ा प्रोजेक्ट भंसाली की अगली सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है और इसे हाल के समय की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में गिना जा रहा है। तीन दमदार कलाकार और भंसाली की खास स्टोरीटेलिंग स्टाइल की वजह से इस फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।ऐसे में सेट से निकलती झलकियां, जैसे हाल ही में रणबीर का लुक, फिल्म को लेकर फैन्स का उत्साह और भी बढ़ा रही हैं। फैन्स बेसब्री से नई झलकियों और अपडेट्स का इंतजार कर रहे हैं। सबको इस फिल्म की रिलीज का इंतजार है, जिसे एक बड़े सिनेमाई अनुभव के रूप में देखा जा रहा है।

निशानची का नया गाना 'झूले झूले पालना' रिलीज

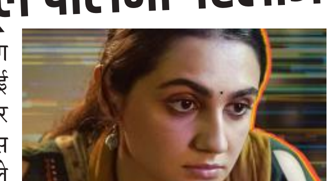

डायरेक्टर अनुराग कश्यप की नई फिल्म 'निशानची' लगातार चर्चा में बनी हुई है. इस फिल्म का नया गाना 'झूले झूले पालना' रिलीज हो गया है. इस गाने को मनन भारद्वाज ने कंपोज किया और लिखा है. साथ ही इसे मनन भारद्वाज, प्राजक्ता सुकरे और हिमानी कपूर ने मिलकर गाया है. जार पिक्चर्स और फ्लिप फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'निशानची' के प्रोड्यूसर अजय राय और रंजन सिंह हैं. इसे अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म से ऐश्वर्य ठाकरे एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं, जो एक दमदार डबल रोल में नजर आएंगे. उनके साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम किरदारों में हैं. अमेजन MGM स्टूडियोज इंडिया और जी म्यूजिक ने फिल्म 'निशानची' का तीसरा गाना 'झूले झूले पालना' रिलीज कर दिया है. यह गाना एक पुरानी, पारंपरिक लोरी से प्रेरित है, जिसे कंपोजर मनन भारद्वाज ने एक नए और इमोशन से भरे अंदाज में तैयार किया है. यह गाना लोक संगीत को नए और मॉडर्न संगीत के साथ मिलाता है.इसके अलावा यह गाना इसलिए भी खास है, क्योंकि यह एक लोरी की धुन को एक कैची ट्रैक और हाई एनर्जी गाने में बदल देता है, जो सुनने के बाद साथ बने रहने वाला है. 'निशानची' की दुनिया में मौजूद हिम्मत, जुनून और ड्रामे का एहसास यह गाना अपने म्यूजिक वीडियो के जरिए खूबसूरती से दिलाता है. अपने जबरदस्त विजुअल्स और माहौल के साथ यह गाना न सिर्फ दर्शकों को एंटरटेन करता है बल्कि फिल्म की अनोखी दुनिया की झलक भी दिखाता है।

रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर का निधन, 81 की उम्र में ली अंतिम सांस

मनोरंजन की दुनिया से एक दुखद खबर सामने आ रही है। 'रामायण' बनाने वाले रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर का 81 साल की उम्र में निधन हो गया है, वो पिछले काफी समय से बीमार चल रहे हैं। उम्र से जुड़ी काफी समस्याएं वो फेस कर रहे थे,रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रेम सागर ने 31 अगस्त की सुबह 10 बजे दम तोड़ा.

'रामायण' के 'लक्ष्मण' ने जताया दुख

प्रेम सागर के निधन पर 'रामायण' के 'लक्ष्मण' सुनील लहरी ने शोक जताया है. उन्होंने प्रेम सागर की फोटो शेयर कर लिखा- यह दुखद समाचार शेयर करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है। रामानंद सागर जी के पुत्र प्रेम सागर जी परलोक सिधार गए हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें और घरवालों को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति दें।

'रामायण' के 'राम' अरुण गोविल ने शोक जताया

'रामायण' के राम ने भी प्रेम सागर के निधन पर शोक जताया है. उन्होंने लिखा- रामायण टीवी सीरियल का स्वरूप देकर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जन-जन तक भगवान श्रीराम की मर्यादा, आदर्श और शिक्षाओं को पहुंचाने वाले स्व. श्री रामानंद सागर जी के सुपुत्र एवं प्रसिद्ध फिल्म निर्माता श्री प्रेम सागर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवारजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें. ॐ शांति।

'पवित्र रिश्ता' फेम एक्ट्रेस प्रिया मराठे का 38 की उम्र में निधन

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। मशहूर टीवी एक्ट्रेस प्रिया मराठे का 38 की उम्र में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने 31 अगस्त को मुंबई में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वो पिछले एक साल से कैंसर से पीड़ित थीं। बीमारी से जूझते हुए उन्होंने आज इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है।

कैंसर से पीड़ित थीं प्रिया

जानकारी के मुताबिक, प्रिया लंबे वक्त से कैंसर से जूझ रही थीं। उनका इलाज चल रहा था। मगर अफसोस वो इस बीमारी से उबर नहीं पाईं और कैंसर से जंग लड़ते हुए आज रविवार (31 अगस्त) की सुबह उनका निधन हो गया। प्रिया सिर्फ 38 साल की थीं। इतनी कम उम्र में एक्ट्रेस के यूं अचानक दुनिया छोड़कर चले जाने से उनके परिवार समेत फैंस को भी तगड़ा झटका लगा है। उनके तमाम करीबी लोग सदमे में हैं।

ऐसे शुरू हुई थी प्रिया की एक्टिंग जर्नी

प्रिया का जन्म 23 अप्रैल 1987 को मुंबई में हुआ था। उनकी परवरिश और पालन-पोषण भी यहीं हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा और कॉलेज की पढ़ाई मुंबई से ही की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और अपने सपनों को पूरा किया।

प्रिया मराठे छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस होने के साथ स्टैंड-अप कॉमेडियन भी थीं। उन्होंने कई पॉपुलर हिंदी और मराठी शोज में काम किया था। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से हमेशा फैंस के दिल जीते।

'पवित्र रिश्ता' शो से मिली थी खास पहचान

प्रिया ने मराठी सीरियल 'या सुखानोया' और फिर 'चार दिवस सासुचे' से टीवी जर्नी की शुरुआत की थी।

इसके बाद वो बालाजी टेलीफिल्म्स के 'कसम से' शो में विद्या बाली के किरदार में नजर आई थीं। उन्हें 'कॉमेडी सर्कस' के पहले सीजन में भी देखा गया था।

प्रिया ने टीवी के सबसे पॉपुलर और हिट शो 'पवित्र रिश्ता' में भी काम किया था। इस शो में वो वर्षा की भूमिका में दिखाई दी थीं। उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था। फैंस और सेलेब्स प्रिया को नम आंखों से याद कर रहे हैं। एक्ट्रेस की मौत से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सन्नाटा छा गया है।

भोर भईल छाईल उजियारा...
मिटल जगत के सब अंधियारा...

यूट्यूब क्वीन एवं सुपरस्टार **आम्रपाली दुबे** का यह गाना युट्यूबपर धूम मचा रहा है ।

देवयानी मूवीज भोजपुरी युट्यूब चॅनेलपर आप यह गाना जरूर सुनें । चॅनेल सबस्क्राईब करें । सभी विडीओ देखे, लाईक, कॉमेंट और शेअर करें ।

कलाकार : मच्छिंद्र चाटे, आम्रपाली दुबे, महेश कुमार, देव सिंह, प्रकाश जैन, मनोज टाइगर, अनूप अरोरा, संजय पांडे, रिंकू आयुषी, हीरा यादव, स्वीटी सिंह राजपूत और अनिल वर्मा ।

गीत - सभा वर्मा, **संगीत** - साजन मिश्रा, **DOP**-फिरोज खान

यह फिल्म बहुत जल्द देशभर के सिनेमा घरों मे प्रदर्शित होनेवाली है ।

Deoyani Movies Bhojpuri Youtube Channel